हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, शुक्रवार 7 अगस्त 2026

SHREE NARAYANA HOSPITAL
Quality Health Care for All..
Smt. Kaushilya Kundnani Memorial Swasthya Foundation
Health & Education for all
भव्य शुभारंभ
नि:शुल्क मेगा स्पाइन एवं आर्थोपेडिक शिविर
7, 8 एवं 9 अगस्त 2026
50 जरूरतमंद मरीजों की पूर्णतया नि:शुल्क सर्जरी
मुख्य अतिथि :
मान. डॉ. रमन सिंह जी
अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ विधानसभा
विशिष्ट अतिथि :
मान. अरूण साव जी
उप-मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
विशेष अतिथिगण :
मान. बृजमोहन अग्रवाल जी
सांसद, रायपुर
मान. राजेश मूणत जी
विधायक, रायपुर पश्चिम
मान. पुरंदर मिश्रा जी
विधायक, रायपुर उत्तर
मान. सुनील सोनी जी
विधायक, रायपुर दक्षिण
मान. मोतीलाल साहू जी
विधायक, रायपुर ग्रामीण
देश के ये विख्यात विशेषज्ञ रहेंगे उपलब्ध...
डॉ. विशाल कुंदनानी
स्पाइन सर्जन, मुंबई
डॉ. गिरीश देवानी
ज्वाईंट रिप्लेसमेंट सर्जन, मुंबई
डॉ. नीरज वासवाड़ा
स्पाइन सर्जन, अहमदाबाद
डॉ. उमेश श्रीकांत
न्यूरो सर्जन, बैंगलोर
डॉ. तुषार अग्रवाल
पीडियाट्रिक आर्थो सर्जन, मुंबई
मध्य भारत की यह एक अनूठी पहल है, जो कि अनेक जरूरतमंद परिवारों के लिए एक नई उम्मीद लेकर आई है। इस नि:शुल्क शिविर के माध्यम से 50 मरीजों की स्पाइन, ज्वाइंट रिप्लेसमेंट, हिप रिप्लेसमेंट एवं बच्चों की हड्डियों से जुड़ी जन्मजात विकृतियों का नि:शुल्क ईलाज देश के प्रतिष्ठित नेशनल फैकल्टीस एवं श्री नारायणा हॉस्पिटल की क्लीनिकल टीम द्वारा किया जाएगा।
डॉ. सुनील खेमका, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं एचओडी आर्थोपेडिक विभाग
श्री नारायणा हॉस्पिटल की सर्जिकल टीम
डॉ. प्रीतम अग्रवाल
रोबोटिक नी सर्जन
डॉ. अम्बरिश वर्मा
सीनियर ट्रॉमा सर्जन
डॉ. मनीन्द्र भूषण
रोबोटिक स्पाइन सर्जन
डॉ. राम खेमका
ट्रॉमा सर्जन
डॉ. रूपेश वर्मा
न्यूरो सर्जन
डॉ. नीरज पाण्डेय
प्लास्टिक सर्जन
डॉ. प्रदीप पटेल
रोबोटिक नी सर्जन
डॉ. संदेश अग्रवाल
रोबोटिक स्पाइन सर्जन
डॉ. पंकज ओमर
पेन मैनेजमेंट विशेषज्ञ
संपर्क करें - 9300373737 | देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)

हरिभूमि और आईएनएच का जिला संवाद

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

भ्रम फैलाकर जीती कांग्रेस, अगली बार तीनों सीटों पर भाजपा ही जीतेगी : गुरु खुशवंत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सक्ती

हरिभूमि और आईएनएच के जिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन सक्ती के राधा-कृष्ण मंदिर भवन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में भाजपा सरकार के कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि पिछले 27 महीनों में भाजपा सरकार लगातार जनहित के कार्यों को आगे बढ़ा रही है। नक्सलवाद समाप्त हो गया है और अब छत्तीसगढ़ पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सक्ती जिले के आईटीआई को केंद्र एवं राज्य सरकार के बजट से सुदृढ़ किया जाएगा। साथ ही इसका अपग्रेडेशन भी किया जाएगा। क्षेत्र में हजारों करोड़ रुपये के विकास कार्य चल रहे हैं, जिससे अगले कुछ वर्षों में सक्ती एक विकसित जिले के रूप में उभरेगा। उन्होंने कहा कि यहां विकास की अपार संभावनाएं हैं, जिन पर भाजपा सरकार पूरी ईमानदारी से काम कर रही है। हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने मंत्री गुरु खुशवंत साहेब से चर्चा की।

- **सवाल:** भाजपा सरकार में आपको दो साल बाद मंत्री बनाया गया और सक्ती जिले का प्रभार दिया गया। इसे किस रूप में देखते हैं?
- **जवाब:** जिम्मेदारी जितनी अधिक होती है, काम करने का अवसर भी उतना ही होता है। सक्ती जिले में तीनों विधानसभा में कांग्रेस के विधायक हैं, इसलिए चुनौती थोड़ी कठिन है, लेकिन यहां सरकार के कामों के आधार पर जीत का सूत्र तलाशने की पूरी कोशिश होगी। यहां के कार्यकर्ताओं और संगठन के साथ मिलकर रणनीति बनाई जाएगी। ▶▶| शेष पेज 6 पर

डॉ. महंत ने कहा- 2029 में केंद्र और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सक्ती

हरिभूमि और आईएनएच के जिला संवाद कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि राज्यसभा देश का उच्च सदन है और वहां जाने की उनकी इच्छा है। हालांकि, अंतिम निर्णय कांग्रेस हाईकमान का होगा। उन्होंने कहा कि वे सांसद, विधायक और मंत्री के रूप में काम कर चुके हैं। उनका दावा है कि वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव में केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनेगी और छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस सत्ता में वापसी करेगी। कार्यक्रम के दौरान हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने उनसे विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की।

- **सवाल:** 2024 के लोकसभा चुनाव में जब भाजपा की लहर चल रही थी, तब आपके लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस कैसे जीत गई?
- **जवाब:** जब से मेरे पिता इस क्षेत्र में सक्रिय थे, तभी से हमारा और परिवार का यहां के लोगों से व्यक्तिगत रिश्ता रहा है। यहां न भाजपा है, न कांग्रेस और न बसपा, बल्कि सभी लोगों से हमारे आत्मीय संबंध हैं। जहां तक विधानसभा चुनाव का सवाल है, यदि सरगुजा की सभी सीटें कांग्रेस जीत जाती तो हमारी सरकार बनती।
- **सवाल:** अगले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को क्या उम्मीदें हैं?
- **जवाब:** कांग्रेस पूरी मजबूती के साथ काम कर रही है। हमें सिर्फ उम्मीद ही नहीं, पूरा विश्वास है कि अगली बार प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी।
- **सवाल:** आपका क्षेत्र तो चांपा रहा है, फिर सक्ती कैसे पहुंच गए?
- **जवाब:** 2023 के विधानसभा चुनाव में हाईकमान का निर्देश था कि सभी वरिष्ठ नेताओं ▶▶| शेष पेज 6 पर

खबर संक्षेप

भारतीय छात्रों के अमेरिकी वीजा में 62% की कमी

वाशिंगटन। अमेरिका में 2024-25 में लगभग तीन लाख विदेशी छात्रों ने पढ़ाई पूरी करने के बाद अस्थायी रोजगार प्राप्त किया जबकि छात्र वीजा की संख्या में गिरावट दर्ज की गयी। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी है। रिपोर्ट में वैकल्पिक व्यावहारिक प्रशिक्षण (ओपीटी) कार्यक्रम को समाप्त करने की वकालत की गयी है।

मकान ढहा, परिवार के छह सदस्यों की मौत

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ जिले के नगर कोतवाली क्षेत्र में बारिश के दौरान एक जर्जर मकान ढहने से उसके मलबे में दबने के कारण एक परिवार के छह सदस्यों की मौत हो गई। नगर कोतवाली क्षेत्र के महुली बाजार में बुधवार रात एक मकान के एक कमरे में परिवार के सात सदस्य सो रहे थे। इस घटना में प्रमोद श्रीवास्तव (60), उनकी पत्नी रीता (55), उनकी बहू माधुरी (24), उनके पोतों माधव (दो) एवं आद्विक (10 माह) और परिवार के एक अन्य सदस्य नितिन (25) की मौत हो गई।

अतीक के सबसे छोटे बेटे की हादसे में मौत

झांसी। माफिया एवं पूर्व सांसद अतीक अहमद के बेटे समेत दो लोगों की झांसी जिले में एक सड़क हादसे में मौत हो गई। इस घटना में कार सवार तीन अन्य लोग भी घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूर्व सांसद अतीक अहमद का बेटा आबान अहमद अपने कुछ साथियों के साथ झांसी जेल में बंद अपने भाइयों से मिलने जा रहा था।

नीट-एसएस दूसरे चरण का पंजीकरण फिर खोला

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीन चिकित्सा परामर्श समिति ने दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा सुपर स्पेशियलिटी (नीट-एसएस) 2025 की 'काउंसलिंग' के दूसरे चरण से संबंधित तीन अगस्त की अधिसूचना वापस ले ली है। अदालत ने याचिकाकर्ता अभ्यर्थियों को दोबारा पंजीकरण कर काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति दी है।

सीएम साय ने विकसित भारत जीरामजी की बताई खूबियां

6671 स्कूलों में छात्राओं के लिए बनेंगे टॉयलेट गांवों में छह हजार से ज्यादा मुक्तिधाम भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

> मनरेगा की जगह लागू वीबी जी राम जी योजना में गांवों की जरूरतें पूरी होने वाली हैं। एक अभियान के तौर पर बालिकाओं के लिए स्कूलों में शौचालय निर्माण और हर गांव में मुक्तिधाम व शेड निर्माण किया जाएगा। साथ ही जल सरंक्षण की गति भी बढ़ाई जाएगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को वीबीजी राम जी योजना की प्राथमिकताओं की जानकारी दी।

खास खबर

श्री साय ने कहा, सभी को मालूम है कि 1 जुलाई से हमारे देश में विकसित भारत जी राम जी योजना प्रारंभ हो चुकी है, इसके लिए हम पीएम नरेंद्र मोदी के आभारी हैं। ये योजना केवल रोजगार उपलब्ध कराने की योजना नहीं है, बल्कि ग्रामीण विकास, जल संरक्षण, आधारभूत संरचना और कृषि आजीविका को भी सशक्त बनाने की पहल है। योजना के अंतर्गत देश के प्रधानमंत्री की संकल्पना है कि देश को 2047 तक विकसित भारत के तौर पर खड़ा करने में महत्वपूर्ण भूमिका योजना निभाएगी।

उन्होंने कहा, जो भी पंजीकृत श्रमिक हैं, उनकी डिमांड पर 125 दिन का रोजगार स्वीकृत होगा। इसके लिए मौजूदा वित्तीय वर्ष में राज्यांश सहित 5191 हजार करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसके पहले तीन महीने तक इस फाइनेंसियल ईयर में रोजगार गारंटी का भी काम चला, ▶▶| शेष पेज 6 पर

योजना में 318 किस्म के काम

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रथम किस्त के तौर पर हमारे प्रदेश को 1538 करोड़ 93 लाख की राशि मिल चुकी है। इसकी एक और खूबी है, इसमें जो नरेगा की मजदूरी 261 रुपए प्रतिदिन थी उसे बढ़ाकर 300 रुपया किया गया है। 39 रुपया की बढ़ोतरी इसमें प्रतिदिन हुई है, जिसका लाभ हमारे मजदूरों को मिलेगा। योजना के तहत इसमें कृषि प्रधान देश में बड़ा निर्णय लिया गया है, जिसमें साल में 2 माह तक ये योजना बंद रहेगी। इन दो महीनों में खेती किसानी करने वाले लोगों को मजदूर आसानी से मिल जाएंगे।

26 जनवरी तक तीन अभियान पूरे करने पर जोर

चार श्रेणियों में काम होंगे

मुख्यमंत्री ने बताया कि चार श्रेणियों में काम होंगे, इसमें जल सुरक्षा काफी प्राथमिकता दिया गया है। विकसित भारत में 107 तरह के जल संरक्षण और जल संरचना से जुड़े काम होंगे। ग्रामीण अधोसंरचना के तहत 90 तरह के काम होंगे। गांव में आजीविका संवर्धन के लिए 86 प्रकार के काम इस योजना के तहत लिए जा सकेंगे। जलवायु अनुकूल एवं आपदा प्रबंधन के कार्य इस योजना के तहत 35 तरह के काम लिए जा सकेंगे। इसमें प्राकृतिक आपदा, बाढ़, जंगल में आग जैसी चीजों के लिए इस योजना के तहत काम लिए जा सकेंगे।

पहला अभियान- हर स्कूल में शौचालय

मुख्यमंत्री ने बताया कि 15 अगस्त से लेकर 26 जनवरी तक 'मेरी बेटी मेरा अभिमान' नाम से अभियान चलेगा। साथ ही शासकीय स्कूल में बच्चियों के लिए शौचालय का निर्माण होगा। 6671 विद्यालयों में शौचालयों का निर्माण होगा, इसमें कुल 286.85 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

दूसरा अभियान- मुक्तिधाम और प्रतीक्षालय निर्माण

पूरे प्रदेश में 6534 मुक्तिधाम और प्रतीक्षालय का निर्माण करेंगे, इसके एक यूनिट का लागत 6 लाख होगा। 549 ऐसी जगह है जहां सिर्फ मुक्तिधाम बनाने की आवश्यकता है। इसमें 18.22 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इस तरह से 26 जनवरी 2027 तक प्रदेश के सभी गांव में मुक्तिधाम और शेड का निर्माण हो जाएगा।

तीसरा अभियान मोर गांव मोर पानी

इस अभियान की शुरुआत 24 अप्रैल 2025 में किए थे. इसके तहत 50 हजार से ज्यादा जल संरक्षण के तहत काम हुए हैं। 50 हजार जगहों पर काम बाकी है। 10 हजार 27 ड्राइ हैंडपंपों की पहचान करके इसे रीचार्ज किया जाएगा। रिचार्ज करने के एक यूनिट में 52 हजार का खर्च आएगा. इसके लिए 52.14 करोड़ की स्वीकृति होगी।

कल्याण ज्वेलर्स में डकैती करने आए बिहार के तीन शातिर दबोचे गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

डकैती की योजना बना रहे तीन शातिरों को नार्थ जोन, गुढ़ियारी पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक देशी पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और चाकू जब्त किया है। प्रोएक्टिव पुलिसिंग के कारण आरोपी डकैती डालने के पूर्व पकड़े गए। पुलिस ने तीनों शातिरों को मुखबिर की सूचना के आधार पर पकड़ा है।

नार्थ जोन डीसीपी दीपमाला कश्यप ने मामले का खुलासा करता हुए बताया कि डकैती की योजना बनाने के आरोप में दिल्ली, जनकपुरी निवासी देवांश शर्मा (19), दिल्ली, नजफगढ़ निवासी सुशांत कुमार पासवान (19) तथा बिहार, मुजफ्फरपुर निवासी मयंक सिंह (19) को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपी अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर ▶▶| शेष पेज 6 पर

आरोपियों के कब्जे से देशी पिस्टल दो जिंदा कारतूस, चाकू जब्त

अन्य बदमाशों की पतासाजी की जा रही

डकैती की योजना बना रहे तीन इंटर स्टेट बदमाशों को गिरफ्तार किया है। डकैती की योजना में शामिल अन्य बदमाशों की तकनीकी साक्ष्य के माध्यम से पतासाजी की जा रही है। पकड़े गए आरोपी अप्रैल में रैकी करने रायपुर आए थे।

- दीपमाला कश्यप, डीसीपी नार्थ

बाइक से रैकी करने रायपुर आए थे

डकैती डालने के पूर्व इन लोगों ने एक अप्रैल को रायपुर आकर रैकी थी। रैकी करने आरोपियों ने बिहार से ट्रेन से एक बाइक बुक कराकर रायपुर भेजा था। बाइक पार्सल की बुकिंग गलती से गोंदिया हो गई। इस पर आरोपी वापस गोंदिया गए। वहां से बाइक लेकर रायपुर लौटे। सदर बाजार सहित सहित कई अन्य स्थानों में ज्वेलरी शोरूम की रैकी की। शातिरों को सबसे ज्यादा महफूज पंडरी स्थित कल्याण ज्वेलर्स लगा। इसके बाद इन लोगों ने ज्वेलरी शोरूम के आसपास की अपने मोबाइल से फोटो खींचने के साथ लोकेशन का नक्शा तैयार कर दिल्ली लौटे।

जेन जी को मोहन भागवत का समर्थन, कहा-विरोध बातचीत का एक तरीका

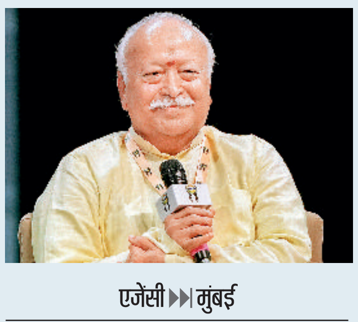

एजेंसी ▶▶| मुंबई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को भारत की युवा पीढ़ी पर भरोसा जताया। भागवत ने 'जेन जी' और जेन-अल्फा के छात्रों के बीच उन्होंने लोकतंत्र, आंदोलन, शिक्षा, रोजगार और युवा पीढ़ी की सोच जैसे मुद्दों पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि वे 'जेन जी' पर आंख मूंद करके भरोसा करेंगे। उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि छात्रों को बेहतर सिस्टम के लिए विरोध करने का पूरा अधिकार है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने गुरुवार को मुंबई के नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस सम्मेलन में युवाओं को संबोधित किया। एक कार्यक्रम में बोलते हुए भागवत ने कहा कि उन्हें पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हालिया टकराव के सही जानकारी नहीं पता हैं, लेकिन युवाओं पर उनका भरोसा अटूट है। भागवत ने कहा, मैं जेन जी पर आंख बंद करके भरोसा करूंगा। उन्होंने कहा कि उन्हें देश के युवाओं की नीयत और उम्मीदों पर भरोसा है। एंटी पेपर ▶▶| शेष पेज 6 पर

भागवत ने यह कहा

- भागवत 'जेन जी' और 'जेन अल्फा' के साथ
- देश के युवाओं की नीयत और उम्मीदों पर भरोसा
- आज के युवा देश के प्रति अधिक जिम्मेदार, ईमानदार
- देश की शिक्षा प्रणाली में बहुत कुछ सुधारने की जरूरत
- सिस्टम में कमियां हैं, जिन्हें ठीक करने की जरूरत

रोजगार का मतलब सिर्फ नौकरी नहीं

भागवत ने कहा कि नौकरी ही रोजगार का एकमात्र विकल्प नहीं है। युवाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता की ओर भी बढ़ना चाहिए। नए अवसर पैदा करना और दूसरों को रोजगार देना भी राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

मामले में गिरफ्तार 10 नक्सल आरोपी सेंट्रल जेल में

13 साल पुराने झीरमघाटी मामले में 10 अगस्त को होगी अंतिम बहस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

हरिभूमि फॉलोअप

लगभग 13 वर्ष पूर्व 25 मई 2013 को झीरमघाटी में कांग्रेस के काफिले पर हुए नक्सल हमले मामले में अंतिम बहस 10 अगस्त को होनी है। इस अंतिम बहस के बाद न्यायालय अपना फैसला सुरक्षित रख सकता है या निर्णय की तिथि घोषित कर सकता है। ▶▶| शेष पेज 6 पर

मामला अंतिम चरण में

केन्द्र सरकार की ओर से मामले की पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश पानिग्राही ने हरिभूमि से चर्चा में कहा कि लंबे समय के बाद मामला अंतिम चरण में है और 10 अगस्त को मामले में अंतिम बहस होना है। उसके बाद आने वाला न्यायालय का फैसला इस बहुचर्चित मामले की दिशा तय करेगा। इस प्रकरण की सुनवाई पर प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश की नजर बनी हुई है।

यौन उत्पीड़न मामले में पूर्व पत्रकार तेजपाल को 10 साल की कैद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पणजी

बंबई हाईकोर्ट ने गुरुवार को 2013 के दुष्कर्म मामले में पूर्व पत्रकार तरुण तेजपाल को दोषी करार देते हुए दस साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। हाईकोर्ट ने निचली अदालत द्वारा 2021 में तेजपाल को बरी किए जाने के फैसले को त्रृटिपूण बताते हुए कहा कि पीड़िता इस सोच की शिकार हो गई कि ऐसे मामलों में शिकायतकर्ता को एक 'आदर्श पीड़ित' होना चाहिए और विश्वसनीय लगने के लिए उसे एक विशेष तरह से व्यवहार करना चाहिए। 'तहलका' पत्रिका के पूर्व प्रधान संपादक तेजपाल को 2013 में गोवा में पत्रिका के एक कार्यक्रम के दौरान होटल की लिफ्ट में अपनी एक कनिष्ठ सहयोगी के साथ दुष्कर्म का दोषी ठहराया गया। हालांकि तेजपाल (62) ने कहा कि वह इस फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख करेगा।

10 लाख 21 हजार का जुर्माना भी

हाईकोर्ट ने तेजपाल पर 10,21,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया और निर्देश दिया कि यह पूरी राशि पीड़िता को दी जाएगी। हाईकोर्ट ने अपने 81 पन्नों के फैसले में इस बात पर कड़ी नाराजगी जताई कि बचाव पक्ष ने पीड़िता को कटघरे में खड़ा किया और उसकी निजी जिंदगी पर ध्यान केंद्रित किया।

अब पूरे देश में गूंजेगा बेरोजगारी का मुद्दा

कॉकरोच पहुंचेंगे शहर-गांव, पूछेंगे 'क्या बोलती पब्लिक'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

नीट पेपर लीक विवाद के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने नया मुद्दा ढूंढ लिया है। दीपके ने देश में बेरोजगारी को एक बड़ी समस्या बताते हुए कहा कि इसे देशभर में उठाएंगे। वे सितंबर से देशभर में 'क्या बोलती पब्लिक' अभियान शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि हम गांव-शहर जाकर युवाओं से बात करेंगे। साथ ही, बेरोजगारी और महंगी शिक्षा को मुद्दा बनाएंगे। संवाददाता सम्मेलन में सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास, प्रवक्ता आशुतोष रांका और अन्य प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

- सितंबर से देशभर में 'क्या बोलती पब्लिक' अभियान शुरू करेंगे

जंतर-मंतर के प्रदर्शन ने क्या संदेश दिया

अभिजीत दीपके ने कहा कि हाल ही में जंतर-मंतर पर आयोजित विरोध प्रदर्शन ने यह स्पष्ट कर दिया कि रोजगार का मुद्दा केवल छात्रों तक सीमित नहीं है। इस आंदोलन में बड़ी संख्या में बेरोजगार युवाओं ने भी भाग लिया, जिससे यह साबित हुआ कि रोजगार की समस्या समाज के हर वर्ग के युवाओं को प्रभावित कर रही है।

क्या बोलती पब्लिक कैंपेन

- महंगी शिक्षा: दीपके के मुताबिक, देश में स्कूल, कॉलेज और कोचिंग की फीस बहुत ज्यादा बढ़ गई है। इसे कम करवाने के लिए और सरकारी स्कूलों में सुधार के लिए सीजेपी काम करेगी।
- बेरोजगारी: देश में बेरोजगारी को एक प्रमुख मुद्दा बनाकर इसे राष्ट्रीय स्तर पर उठाया जाएगा।
- संस्थागत जवाबदेही: चुनाव आयोग, न्यायपालिका और मीडिया जैसी संस्थाओं में जनता का भरोसा बहाल करने के लिए दबाव बनाना।

युवाओं से क्या अपील की गई?

अभिजीत दीपके ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे अपने अधिकारों और रोजगार के मुद्दे पर शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से एकजुट हों। उन्होंने कहा कि देश के विकास में युवाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है और उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि यदि युवा संगठित होकर अपनी आवाज बुलंद करेंगे, तो बेरोजगारी का मुद्दा राष्ट्रीय स्तर पर केंद्र में आएगा और नीति निर्माण में भी इसे गंभीरता से लिया जाएगा।

चिंतन

भारतीय कानून का सम्मान करें सोशल मीडिया कंपनियां

किसी लोकतंत्र में यह अधिकार किसके पास होना चाहिए कि कौन-सी आवाज करोड़ों लोगों तक पहुंचे और कौन-सी नहीं? जनता के पास, संविधान के पास, कानून के पास या फिर कैलिफोर्निया में बैठे किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के एल्गोरिद्म के पास? पिछले कुछ दिनों से भारत सरकार और मेटा के बीच चल रहा टकराव इसी मूल प्रश्न के इर्द-गिर्द घूम रहा है। खासकर कॉक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन के दौरान सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने पैसे लेकर जिस तरह से खास तरह के कंटेंट को असामान्य रूप से बढ़ावा दिया, जबकि दूसरी तरह के कंटेंट की पहुंच सीमित रही, उसने सरकार के कान खड़े कर दिए हैं। इन आरोपों के पक्ष या विपक्ष में अभी कोई सार्वजनिक तकनीकी जांच सामने नहीं आई है, लेकिन इतना जरूर हुआ कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की निष्पक्षता पर बहस तेज हो गई है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फेसबुक अकाउंट से पोस्ट किया गया वीडियो कई घंटों के लिए हटा दिया गया। मेटा ने इसे तकनीकी भूल बताते हुए सार्वजनिक माफी भी मांग ली। लेकिन क्या केवल माफी इस पूरे विवाद का समाधान है? शायद नहीं। यही वजह है कि पिछले दो दिनों से मेटा की वैश्विक टीम भारत में डेरा डाले हुए है। गुरुवार को भी सरकार के साथ उसकी लंबी बैठकों का दौर जारी रहा। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कंपनी के अधिकारियों से मुलाकात की। सरकार ने सिर्फ प्रधानमंत्री का वीडियो हटने का कारण नहीं पूछा, बल्कि उससे कहीं बड़े सवाल सामने रख दिए हैं। मेटा के एल्गोरिद्म कैसे काम करते हैं? कंटेंट मॉडरेशन का आधार क्या है? भारतीय कानूनों का पालन कैसे सुनिश्चित होता है? डीपफेक और बाल यौन शोषण सामग्री जैसी गंभीर चुनौतियों से निपटने की व्यवस्था क्या है? और सबसे महत्वपूर्ण, क्या मेटा वास्तव में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कानून के तहत मिलने वाली सेफ हार्बर सुरक्षा का हकदार है? ये सवाल केवल मेटा से नहीं हैं। ये हर उस वैश्विक डिजिटल कंपनी से हैं जिसने भारत में करोड़ों उपयोगकर्ता तो बना लिए, लेकिन जवाबदेही के मामले में अक्सर अपनी वैश्विक नीतियों की आड़ लेती रही है। दरअसल, पिछले एक दशक में सोशल मीडिया केवल संवाद का माध्यम नहीं रहा। यह राजनीति, चुनाव, सामाजिक आंदोलनों, व्यापार और जनमत निर्माण का प्रभावशाली मंच बन चुका है। पहले यह काम अखबारों और टीवी चैनलों के संपादक करते थे। आज यह जिम्मेदारी एल्गोरिद्म निभा रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि अखबार का संपादक सामने दिखाई देता था, उसकी जवाबदेही तय होती थी। एल्गोरिद्म अदृश्य है। वह किस आधार पर निर्णय लेता है, किसे ऊपर लाता है और किसे नीचे धकेल देता है, यह किसी को पता नहीं। यही अपारदर्शिता सबसे बड़ी चिंता है। भारत सरकार का यह कहना बिल्कुल उचित है कि भारत में कारोबार करने वाली किसी भी कंपनी को भारतीय कानूनों के तहत ही काम करना होगा। सरकार की जवाबदेही भी है कि नियमन के नाम पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अनावश्यक अंकुश न लगे। इसलिए कानून का उद्देश्य विचारों को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि नियमों को निष्पक्ष और समान रूप से लागू करना होना चाहिए। भारत दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल लोकतंत्र है। यहां कानून संसद बनाती है, जनता सरकार चुनती है और संविधान सर्वोच्च है। इसलिए यह स्वीकार नहीं किया जा सकता कि किसी बहुराष्ट्रीय तकनीकी कंपनी का एल्गोरिद्म भारतीय लोकतंत्र से बड़ा हो जाए।

संतुलन साधती मौद्रिक नीति

आर्थिकी
सतीश सिंह

केंद्रीय बैंक ने अपनी मौद्रिक नीति का रुख 'न्यूट्रल' बनाए रखते हुए स्पष्ट संकेत दिया है कि फिलहाल न तो ब्याज दरों में जल्दबाजी में कटौती की आवश्यकता है और न ही उन्हें बढ़ाने का कोई औचित्य दिखाई देता है। आरबीआई ने स्वीकार किया है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई अभी भी उसके लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है। हालांकि राहत की बात यह है कि महंगाई का प्रमुख स्रोत मांग में अत्यधिक वृद्धि नहीं, बल्कि खाद्य वस्तुओं और ईंधन की कीमतों में उतार-चढ़ाव है। यदि आने वाले महीनों में महंगाई अनुमानित दिशा में घटती है, खाद्य आपूर्ति सामान्य रहती है और वैश्विक जोखिम नियंत्रित होते हैं, तो आरबीआई के पास भविष्य में अधिक अनुकूल नीतिगत कदम उठाने की पर्याप्त गुंजाइश होगी।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और उसकी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने 5 अगस्त की समीक्षा बैठक में व्यापक बाजार अपेक्षाओं के अनुरूप रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखा। इस नीति समीक्षा का केंद्रीय संदेश यह है कि आरबीआई ऐसे समय में अत्यंत संतुलित दृष्टिकोण अपनाना चाहता है, जब एक ओर महंगाई पूरी तरह नियंत्रण में नहीं आई है और दूसरी ओर भारतीय अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत मजबूत विकास की ओर अग्रसर है। यही कारण है कि केंद्रीय बैंक ने अपनी मौद्रिक नीति का रुख 'न्यूट्रल' बनाए रखते हुए स्पष्ट संकेत दिया है कि फिलहाल न तो ब्याज दरों में जल्दबाज़ी में कटौती की आवश्यकता है और न ही उन्हें बढ़ाने का कोई औचित्य दिखाई देता है। आरबीआई ने स्वीकार किया है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई अभी भी उसके लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है। हालांकि राहत की बात यह है कि महंगाई का प्रमुख स्रोत मांग में अत्यधिक वृद्धि नहीं, बल्कि खाद्य वस्तुओं और ईंधन की कीमतों में उतार-चढ़ाव है।

यही कारण है कि केंद्रीय बैंक कोर महंगाई को लेकर अपेक्षाकृत आश्वस्त दिखाई देता है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए आरबीआई ने खुदरा महंगाई के औसत अनुमान को 5 प्रतिशत पर रखा है। उसके तिमाही अनुमानों के अनुसार दूसरी तिमाही में महंगाई 4.7 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 5.9 प्रतिशत तथा चौथी तिमाही में 5.5 प्रतिशत रह सकती है। यह अनुमान बताता है कि आरबीआई खाद्य एवं आपूर्ति पक्ष से उत्पन्न दबावों को अस्थायी मान रहा है और उसे उम्मीद है कि समय के साथ इनमें नरमी आएगी। महंगाई को लेकर सतर्क रुख के बावजूद आरबीआई आर्थिक वृद्धि के मोर्चे पर पहले की तुलना में अधिक आशावाद है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान 6.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया गया है। तिमाही आधार पर पहली तिमाही में 7 प्रतिशत, दूसरी में 6.4 प्रतिशत, तीसरी में 6.5 प्रतिशत और चौथी में 6.8 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान यह दर्शाता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की गति अभी भी संतोषजनक बनी हुई है। इस आशावाद के पीछे कई ठोस कारण हैं। विनिर्माण क्षेत्र के शुरुआती संकेत उत्साहजनक हैं, सेवा क्षेत्र लगातार विस्तार कर रहा है, निजी उपभोग मजबूत बना हुआ है तथा विवेकाधीन खर्च में भी सुधार देखा जा रहा है। सार्वजनिक निवेश और अवसंरचना परियोजनाओं का प्रभाव भी आर्थिक गतिविधियों को गति दे रहा है। ऐसे परिदृश्य में ब्याज दरों में अनावश्यक बदलाव की आवश्यकता नहीं है। रेपो दर के साथ-साथ स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी (एसडीएफ) दर 5 प्रतिशत तथा मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (एमएसएफ) एवं बैंक दर 5.5 प्रतिशत पर भी अपरिवर्तित रखी गई हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि केंद्रीय बैंक मौद्रिक ढांचे में किसी बड़े परिवर्तन का इच्छुक नहीं है। लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण उसका 'न्यूट्रल' नीति रुख है।

इसका अर्थ यह है कि आरबीआई किसी पूर्वनिर्धारित दिशा में नहीं बढ़ रहा, बल्कि आने वाले आर्थिक आंकड़ों और वैश्विक परिस्थितियों के अनुरूप

निर्णय लेने की रणनीति पर कायम है। हालांकि रेपो दर में कोई बदलाव नहीं किया गया, फिर भी आरबीआई ने यह संकेत दिया है कि यदि आवश्यकता हुई तो बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त तरलता बनाए रखने के लिए नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में कमी, ओपन मार्केट ऑपरेशन (ओएमओ) अथवा अन्य उपयुक्त साधनों का उपयोग किया जा सकता है। फिलहाल केंद्रीय बैंक का आकलन है कि बैंकिंग प्रणाली में धन की उपलब्धता पर्याप्त है और किसी अतिरिक्त प्रोत्साहन की तत्काल आवश्यकता नहीं है। पिछले कुछ महीनों के दौरान मनी मार्केट दरों और सरकारी प्रतिभूतियों की प्रतिफल दरों में नरमी आई है। यह संकेत है कि बैंकिंग प्रणाली में तरलता पहले की तुलना में अधिक सुलभ हुई है। साथ ही उद्योग, सेवा और खुदरा- तीनों क्षेत्रों में ऋण मांग संतोषजनक बनी हुई है। यद्यपि जमा और ऋण दरों के बीच अंतर घटने से कुछ बैंकों के नेट इंटरेस्ट मार्जिन (एनआईएम) पर दबाव देखा गया है, फिर भी बैंकिंग प्रणाली की समग्र वित्तीय स्थिति मजबूत बनी हुई है। इसका अर्थ है कि बैंकों के पास ऋण उपलब्ध कराने की क्षमता बनी हुई है और अर्थव्यवस्था में धन प्रवाह फिलहाल संतुलित है। आरबीआई की सतर्कता का सबसे महत्वपूर्ण कारण वैश्विक आर्थिक वातावरण है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में संभावित उतार-चढ़ाव, वैश्विक व्यापार नीतियों में अनिश्चितता, विकसित अर्थव्यवस्थाओं की मौद्रिक नीतियां तथा जलवायु संबंधी जोखिम- विशेषकर अल नीनो- आने वाले महीनों में महंगाई और विकास, दोनों को प्रभावित कर सकते हैं। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है। ऐसे में यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तीव्र वृद्धि होतीहै, तो उसका सीधा असर घरेलू महंगाई, चालू खाते के घाटे और राजकोषीय संतुलन पर पड़ेगा। फिलहाल होम लोन, ऑटो लोन तथा अन्य फ्लोटिंग ब्याज दर वाले ऋणों की मासिक किस्तों (ईएमआई) में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। इसी प्रकार सावधि जमा पर ब्याज दरों में भी तत्काल व्यापक परिवर्तन की उम्मीद कम है। उद्योग जगत के लिए राहत की बात यह है कि ऋण उपलब्धता बनी रहेगी और बैंकिंग प्रणाली में नकदी की कोई गंभीर कमी नहीं है। निवेशकों के लिए भी यह नीति अपेक्षाकृत स्थिर ब्याज दर वातावरण का संकेत देती है, जिससे पूंजी बाजारों में अनिश्चितता सीमित रह सकती है। अगस्त 2026 की मौद्रिक नीति समीक्षा यह स्पष्ट करती है कि आरबीआई ने महंगाई नियंत्रण, आर्थिक वृद्धि और वित्तीय स्थिरता-इन तीनों उद्देश्यों के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास किया है। एक ओर उसने विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर भारतीय अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित मजबूती पर भरोसा जताया है, वहीं दूसरी ओर संभावित महंगाई जोखिमों को देखते हुए ब्याज दरों में कटौती से परहेज किया है। साथ ही पर्याप्त तरलता बनाए रखने का आश्वासन देकर उसने बैंकिंग प्रणाली को विश्वास भी दिया है, किंतु अतिरिक्त नकदी प्रवाह से बचकर मौद्रिक अनुशासन को भी कायम रखा है। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में यह नीति न तो अत्यधिक उदार कही जा सकती है और न ही अनावश्यक रूप से कठोर। यह ऐसी संतुलित रणनीति है, जिसमें अल्पकालिक लोकप्रियता के बजाय दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता दी गई है। यदि आने वाले महीनों में महंगाई अनुमानित दिशा में घटती है, खाद्य आपूर्ति सामान्य रहती है और वैश्विक जोखिम नियंत्रित होते हैं, तो आरबीआई के पास भविष्य में अधिक अनुकूल नीतिगत कदम उठाने की पर्याप्त गुंजाइश होगी।

(लेखक वरिष्ठ बैंकिंग एवं आर्थिक स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

जयंती
आज

राष्ट्र निर्माण में ओपी जिन्दल का योगदान

राष्ट्र का निर्माण केवल सरकारी नीतियों से नहीं होता; उसे आकार देते हैं वे दूरदर्शी व्यक्तित्व, जो अपने कर्म, विचार और मूल्यों से समाज को नई दिशा देते हैं। ऐसे ही युग निर्माताओं में ओम प्रकाश जिन्दल का नाम अत्यंत सम्मान के साथ लिया जाता है। उनकी 96वीं जयंती केवल एक महान उद्योगपति को स्मरण करने का अवसर नहीं, बल्कि उस जीवन-दर्शन को नमन करने का समय है, जिसने उद्योग को राष्ट्र सेवा का माध्यम, शिक्षा को सशक्त समाज की नींव और सेवा को विकास का सर्वोच्च उद्देश्य माना।

हरियाणा के हिसार स्थित नलवा गांव के एक किसान परिवार में जन्म लेने वाले ओम प्रकाश जिन्दल की जीवन यात्रा इस बात का प्रमाण है कि बड़े सपने, दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम किसी भी व्यक्ति को असाधारण ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं। उन्होंने चुनौतियों को अवसरों में बदलते हुए एक ऐसे औद्योगिक समूह की स्थापना की, जिसने भारतीय इस्पात उद्योग, ऊर्जा, अवसंरचना और विनिर्माण क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। लेकिन उनकी पहचान केवल एक सफल उद्योगपति की नहीं थी। उन्होंने ऐसी कार्य-संस्कृति विकसित की, जिसमें ईमानदारी, गुणवत्ता, नवाचार, मानवीय संवेदनशीलता और राष्ट्रहित सर्वोपरि रहे। यही मूल्य आज भी उनकी विरासत की सबसे बड़ी पहचान हैं।

ओपी जिन्दल का विश्वास था कि मजबूत उद्योग किसी भी राष्ट्र की आर्थिक शक्ति का आधार होते हैं। उद्योग केवल उत्पादन नहीं बढ़ाते, बल्कि रोजगार, कौशल, आत्मनिर्भरता और सामाजिक विकास के नए अवसर भी पैदा करते हैं। आज जब भारत मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत 2047 के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, तब उनके विचार पहले से अधिक प्रासंगिक दिखाई देते हैं। उन्होंने बहुत पहले ही यह समझ लिया था कि भारत को केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि विश्वस्तरीय उत्पादक राष्ट्र बनना होगा। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए जिन्दल समूह उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात, आधुनिक विनिर्माण, तकनीकी उत्कृष्टता और औद्योगिक नवाचार के माध्यम से देश के रेलवे, ऊर्जा, अवसंरचना, निर्माण और रक्षा क्षेत्रों के विकास में निरंतर योगदान दे रहा है। ओपी जिन्दल का मानना था कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसके युवाओं और उनकी शिक्षा से तय होता है। उनके लिए शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि नेतृत्व, नैतिकता, संवेदनशीलता और वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करने का साधन थी। आज जब भारत ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था, अनुसंधान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नवाचार की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, तब उनकी सोच और अधिक प्रासंगिक हो जाती है। उनकी प्रेरणा से स्थापित शैक्षणिक संस्थानों ने हजारों युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध और नेतृत्व के अवसर प्रदान किये हैं।

ओपी जिन्दल का विश्वास था कि विकास तभी सार्थक है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उनके लिए उद्योग और समाज एक-दूसरे के पूरक थे। इसी सोच के अनुरूप शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास, कौशल विकास, खेल प्रोत्साहन, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक विकास जैसे क्षेत्रों में निरंतर कार्य किये जाते रहे हैं। उन्होंने सामाजिक उत्तरदायित्व को केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि विकास की मूल भावना माना। आज का औद्योगिक विकास केवल उत्पादन तक सीमित नहीं है; वह पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा दक्षता, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और तकनीकी नवाचार से भी जुड़ा है। जिन्दल समूह भी इन्हीं मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए ऊर्जा दक्षता, तकनीकी आधुनिकीकरण, संसाधनों के बेहतर उपयोग और टिकाऊ औद्योगिक प्रक्रियाओं पर लगातार कार्य कर रहा है। यह दृष्टिकोण श्री ओ.पी. जिन्दल जी की दूरदर्शी सोच का ही विस्तार है, जिसमें विकास और पर्यावरण साथ-साथ चलते हैं।

भारत आज विश्व के सबसे युवा देशों में से एक है। यह पीढ़ी नवाचार, स्टार्टअप, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के नए युग का नेतृत्व कर रही है। ऐसे समय में ओ.पी. जिन्दल का जीवन युवाओं को यह संदेश देता है कि सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि तक सीमित नहीं होनी चाहिए; उसका उद्देश्य समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देना भी होना चाहिए। एक सफल उद्योगपति होने के साथ-साथ ओपी जिन्दल सार्वजनिक जीवन में भी सक्रिय रहे। हिसार से विधायक, कुरुक्षेत्र से सांसद और हरियाणा के ऊर्जा मंत्री के रूप में उन्होंने विकास, ग्रामीण प्रगति, रोजगार और जनकल्याण को अपनी प्राथमिकता बनाया। उनके लिए सार्वजनिक जीवन का अर्थ सत्ता नहीं, बल्कि सेवा था। उनका जीवन आज भी यह संदेश देता है कि विकसित भारत का निर्माण सरकार, उद्योग, शिक्षा जगत और समाज की साझी भागीदारी से ही संभव है। आज भारत वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है।

आज उनकी 96वीं जयंती पर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके दिखाए मार्ग पर चलें- राष्ट्र को सर्वोपरि रखें, उत्कृष्टता को अपना लक्ष्य बनाएं और विकास को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने का संकल्प लें।

ओपी जिन्दल का जीवन हमें यह संदेश देता है कि राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव उद्योग, शिक्षा और सेवा के समन्वय से तैयार होती है। यही उनका जीवन-दर्शन था, यही उनकी अमर विरासत है और यही विकसित, आत्मनिर्भर तथा समावेशी भारत का मार्ग भी है।

गुरु बिना न भक्ति सार्थक और न ही मुक्ति संभव

संकलित
दर्शन

कागा सब तन खाइयो, चुनि चुनि खाइयो मांस। दुइ अखियां मत खाइयो, मोहे पिया मिलन की आस।।

इश्क हकीकी हो या इश्क मिजाजी, यह इश्क का चरम है। इश्क के लिए सब कुछ न्यौछावर कर दें, तो भी थोड़ा है, कम है। इतिहास गवाह है कि इश्क करने वालों ने मरना कुबूल किया, पर इश्क से मुंह मोड़ना मंजूर नहीं किया। सांसारिक प्रेम के दीवाने हों या फिर रब्बी इश्क के मतवाले। खुदा की खोज स्वयं की खोज है। इसलिए स्वयं को स्वयं तक पहुंचने के लिए जरूरत होती है पूर्ण सद्गुरु और सच्चे रहबर तक पहुंचने की। सद्गुरु बेखबर इनसान को खबर देते हैं कि ये रहा निरंकार। तुम इसे चाहे कुछ भी नाम दे दो, है ये एक ही। खुदा भी यही, प्रभु भी यही, ऑलमाइटी गॉड भी यही तो वाहेगुरु भी यही। यही महबूब है हर रूह का, जिसे पाने के लिए आत्मा ने जाने कितने जन्म लिए हैं। इसे पाने के बाद ही भक्ति शुरू होती है और इसको जान लेने से ही मुक्ति मिलती है। इसके बिना न भक्ति सार्थक है और न मुक्ति संभव है। सद्गुरु मिलते ही सारे भ्रम-भुलेखे समाप्त हो उठते हैं। प्रेम और इश्क करने वालों के हिस्से तो सजा ही आया करती है। सजा से डरकर वे अपना समर्पण छोड़ नहीं दिया करते। यहां कवि ने ऐसे ही समर्पण को अपनी दो पंक्तियों में इस तरह व्यक्त किया है कि हां, मैंने मोहब्बत की है। यह मेरा गुनाह है तो खुलकर सजा दे दो। मेरे तन की बोटी-बोटी नोच लो, पर ख्याल रहे कि ये आंखें सलामत रहें, इन आंखों को मत छूना क्योंकि ये आंखें पिया की बाट जोह रही हैं।

प्रभावी संवाद के लिए संवेदनशीलता जरूरी

संकलित
प्रेरणा

प्रभावी संवाद के लिए संवेदनशीलता तथा समझदारी, दोनों गुणों में निपुणता आवश्यक है। कुछ लोग अति संवेदनशील होते हैं, जिसके परिणाम स्वरूप वे अपनी बुद्धिमता खो देते हैं। उनकी वाणी में अस्पष्टता होती है और उसमें अस्फुटता झलकती है। इसमें आपकी मनःस्थिति का भी योगदान है। आप केवल क्रोध कर के किसी को सुधार नहीं सकते। इससे केवल आपके मन की शांति ही भंग होगी। जब आप लोगों से मिलते हो तो प्रायः आप उनसे बुद्धि के स्तर पर ही संवाद करते हो। यही, जब आप प्रकृति के साथ होते हो तो आप स्वतः ही गाना आरंभ कर देते हो तथा प्रकृति के साथ अपने दिल से संवाद स्थापित कर लेते हो। जब आप लोगों के साथ होते हो तो बुद्धि के स्तर पर ही बातचीत अथवा गपशप ही करते रहते हो। किंतु आप यदि प्रकृति के संग हो तो आप गुनगुनाने लगते हो और आपका संवाद दिल से निकलता है। और जब आप गुरु के सान्निध्य में होते हो तो आप खाली हो जाते हो, सभी प्रश्न भूल जाते हो! तब उस मौन में आत्मा के स्तर पर संवाद होता है। संसार में जन्म लेते ही, जैसे ही हम अपनी प्रथम श्वास लेते हैं, हम संवाद करना आरंभ कर देते हैं। हमारा पहला क्रंदन अपनी मां और इस दुनिया से हमारे प्रथम संवाद का द्योतक है कि मैं आ गया हूं। और अपनी अंतिम सांस तक हम निरंतर संवाद करते रहते हैं। तथापि, अच्छे स्तर का संवाद केवल शब्दों से कहीं ऊपर होता है। यह एक कला है और प्रभावी संवाद के लिए, केवल बोले गए शब्द की जगह बहुत से अन्य आयाम होते हैं।

अंतर्मन

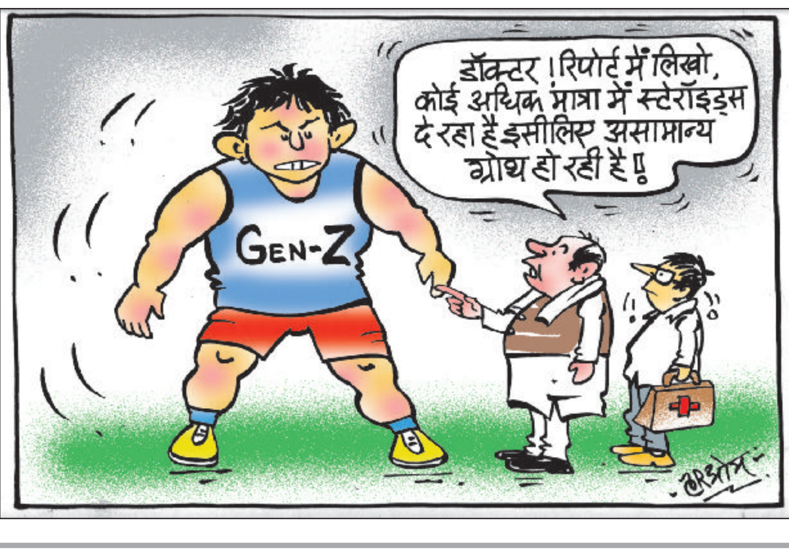

आज की पाती

नाबालिग वाहन चालकों के लिए सख्ती हो

नाबालिग वाहन चालकों के लिए सख्ती होना चाहिए। अगर कोई नाबालिग वाहन चलाते हुए पुलिस पकड़ लेती है तो इसके लिए सख्त कानून का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। इस कानून के तहत लगभग 25 हजार जुर्माना और लगभग तीन साल की सजा का भी प्रावधान है। हालांकि सरकार और प्रशासन इसके लिए जागरूकता अभियान भी चलाए। स्कूलों में इसके लिए बच्चों को जागरूक भी किया जाए और स्कूलों से विद्यार्थियों के माता-पिता को इसके लिए नोटिस भी भेजे जाए कि वो अपने नाबालिग बच्चों को वाहन न दें। दोपहिया वाहन एक्सीडेंट का आंकड़ा भी दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। दोपहिया वाहन, मोटरसाइकिल, स्कूटर या फिर एक्टिवा चलाते समय हैलमेट का प्रयोग अपनी जान की सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है, न कि चालान के डर से। *- दया ठाकुर, रायपुर*

ट्रेंड

'गोबरधन' योजना

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 23,731 करोड़ की लागत वाली 'गोबरधन' योजना को मंज़ूरी देना 'आत्मनिर्भर भारत', स्वच्छ ऊर्जा और ग्रामीण समृद्धि की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह फैसला देश की ऊर्जा सुरक्षा को मज़बूत करने में मील का पत्थर साबित होगा। **- योगी आदित्यनाथ,** सीएम, उप्र

बीजेपी-स्टाइल

यह बीजेपी-स्टाइल की तरक्की की नई हवा है... जिस सड़क का उद्घाटन कुछ दिन पहले ही हुआ था, उसकी मरम्मत अभी से करनी पड़ रही है और मरम्मत को सुखाने के लिए तेज़ रफ़्तार वाले पंखे इस्तेमाल किए जा रहे हैं- यह भी हंसी की बात है।
-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

हम छात्रों के साथ

कांग्रेस पार्टी छात्रों के साथ खड़ी है। चाहे झारखंड हो, पंजाब हो, दिल्ली हो या कोई और जगह, हम अपने छात्रों के साथ मजबूती से खड़े हैं। चाहे हमारे गठबंधन के साथी हों या विपक्ष, हम छात्रों और युवाओं के साथ खड़े हैं। हम उनकी समस्याओं को हल करने के लिए संघर्ष जारी रखेंगे।
- मल्लिकार्जुन खड़गे, अध्यक्ष, कांग्रेस

निष्पक्ष जांच हो

पिछले छह सालों में जेएसएससी द्वारा आयोजित सभी भर्ती परीक्षाएं, जिनमें सीजीएल, उत्कर्ष सिपाही और असिस्टेंट प्रोफेसर शामिल हैं, उन्हें तुरंत रद्द किया कर उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।
-बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड

करंट अफेयर

रानी-प्रिया कपूर विवाद, आपसी सहमति से समझौते की उम्मीद

उच्चतम न्यायालय ने दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर की मां रानी कपूर और पत्नी प्रिया कपूर के बीच पारिवारिक न्यास को लेकर जारी विवाद में बृहस्पतिवार को कहा कि मध्यस्थता की प्रक्रिया 'काफी संतोषजनक' ढंग से बढ़ रही है और उसे 'उम्मीद' है कि यह विवाद आपसी सहमति से सुलझा लिया जाएगा। न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने मध्यस्थ की ओर से दाखिल शुरुआती मध्यस्थता रिपोर्ट पर गौर किया। पीठ ने कहा, हमने देखा है कि अबतक मध्यस्थता की प्रक्रिया छह सत्रों में हुई है। मध्यस्थ ने परिवार के सभी सदस्यों से बातचीत की है। हमें यह जानकर खुशी है कि मध्यस्थता काफी संतोषजनक ढंग से आगे बढ़ रही है। हमें इस बात से भी खुशी है कि सभी पक्ष सहयोग कर रहे हैं। शीर्ष अदालत ने इस बात का भी संज्ञान लिया कि मध्यस्थ ने दो नवंबर तक मध्यस्थता के लिए समय देने का अनुरोध किया है। पीठ ने कहा, संबंधित पक्षों को खुले मन और दिल से मध्यस्थ के पास जाना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे किसी लंबे कानूनी विवाद में न फंसें। मध्यस्थता को बढ़ने दें, हम एक और रिपोर्ट का इंतजार करेंगे। न्यायालय ने अपने आदेश में यह भी निर्देश दिया कि मध्यस्थ की फीस का भुगतान 'आर.के. फैमिली ट्रस्ट' से किया जाए।

ऑफ बीट

मिंजर मेला : संस्कृति और धार्मिक आस्था की अनूठी झलक

श्रावण की पहली फुहारों और रावी नदी के अनहद नाद के बीच दूसरे रविवार को चंबा के ऐतिहासिक मैदान में अंतरराष्ट्रीय मिंजर महोत्सव का शुभारंभ होता है। शोभायात्रा में स्थानीय संस्कृति और धार्मिक आस्था की अनूठी झलक देखने को मिलती है। माना जाता है कि किसी महत्वपूर्ण विजय और समृद्ध फसल की खुशी में लोगों ने राजा का स्वागत धान और मक्की की बालियों के प्रतीक 'मिंजर' से किया। 'मिंजर' रेशमी धागों से तैयार की जाने वाली एक विशेष लटकन होती है, जो धान और मक्की की नई बालियों का प्रतीक मानी जाती है। इसे अच्छी फसल, खुशहाली और समृद्धि का संदेश देने वाला शुभ प्रतीक माना जाता है। शोभायात्रा में भगवान लक्ष्मीनारायण और भगवान रघुनाथ मंदिर में मिंजर अर्पित की जाती है। मेले के दौरान लोग इसे अपने वस्त्रों पर धारण करते हैं और मंदिरों में अर्पित करते हैं। मेले का समापन विशेष धार्मिक अनुष्ठान के साथ होता है। अंतिम दिन शोभायात्रा रावी नदी के तट तक पहुंचती है, जहां मिंजर, नारियल, मौसमी फल और शुभ सामग्री जल में अर्पित की जाती है। यह परंपरा प्रकृति के प्रति आभार, अच्छी फसल और सुख-समृद्धि की कामना का प्रतीक मानी जाती है। धीरे-धीरे यह परंपरा एक बड़े धार्मिक और सांस्कृतिक मेले में बदल गई, जो आज भी पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

बिलासपुर
शुक्रवार 7 अगस्त 2026
श्रावण, कृष्ण पक्ष नवमी
वर्ष : 26, अंक : 137
पृष्ठ : 12+6 = 18 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 33.20
न्यून. 26.40

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

भालू के हमले ने बच्चों के सिर से छीना पिता और बुआ का साया, दोनों की मेहनत-मजदूरी से चलता था घर

विजय पाण्डेय ▶▶| कांकेर

हरिभूमि फॉलोअप

लारगांव मरकाटोला में भालू के हमले की दर्दनाक घटना ने केवल दो लोगों की जान ही नहीं ली, बल्कि एक गरीब परिवार की पूरी जिंदगी को संकट में डाल दिया। जिस घर की रोजी-रोटी भाई की खेती-बाड़ी और बहन की नौकरी से चलती थी, उसी घर के दोनों कमाऊ सदस्य एक ही दिन में काल के गाल में समा गए। अब प्रधानमंत्री आवास योजना से बने उस छोटे से घर में मातम पसरा है। छह सदस्यीय परिवार के सामने आजीविका, बच्चों की पढ़ाई और भविष्य को लेकर गहरा संकट खड़ा हो गया है। लारगांव मरकाटोला के बड़पारा निवासी हलालराम जुर्री परिवार के मुख्य सहारा थे। वे खेती-किसानी के साथ मवेशियों की देखभाल कर घर का खर्च चलाते थे। सीमित ▶▶|शेष पेज 6 पर

टूटा दुखों का पहाड़ परिवार की रीढ़ टूटी भविष्य पर संकट

घर में सात सदस्य

भालू के शिकार हुए हलालराम जुर्री के परिवार में अब सात सदस्य बचे हैं, जिनमें हलालराम की वृद्ध मां, पत्नी सरोज जुर्री, दो बेटियां चित्रलेखा जुर्री और चंद्रलेखा जुर्री, तथा दो जुड़वा बेटे लव कुमार जुर्री और कुश कुमार जुर्री शामिल हैं। इसके अलावा एक बुआ है, जो भालू के हमले से घायल हुई थी और उनका इलाज रायपुर में जारी है। दोनो बेटियां 2024 में बारहवीं मरकाटोला स्कूल से पास किया था, वहीं दोनो जुड़वा बेटे नरहरदेव स्कूल में दसवीं में पढ़ रहे हैं और छात्रावास कांकेर में ही रहते है।

परिजनों का हाल बेहाल

घटना के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। वृद्ध मां अपने बेटे और बेटी को खोने के दुख से बार-बार बेसुध हो रही हैं, जबकि पत्नी सरोज जुर्री अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित हैं। गांव की महिलाएं और परिजन उन्हें ढाढस बंधाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन इस अपूरणीय क्षति की भरपाई संभव नहीं है।

मरकाटोला गांव का माहौल गमगीन

इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे मरकाटोला गांव में शोक की लहर है। ग्रामीणों का कहना है कि जंगल से लगे क्षेत्रों में भालुओं की बढ़ती गतिविधियों के कारण लोगों में लगातार भय का माहौल बना हुआ है। खेतों और जंगलों में काम करने जाने वाले ग्रामीण हर दिन जान जोखिम में डालने को मजबूर हैं। लोगों ने वन विभाग से वन्यजीवों की निगरानी बढ़ाने और प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा के प्रभावी इंतजाम करने की मांग की है।

पाठक सूचना
हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
का सामान्य कूपन
कल के अंक में देखें।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

विमान का इमरजेंसी दरवाजा खोलने की कोशिश, गिरफ्तार

कोच्चि। कुआलालंपुर से कोच्चि आ रहे एक विमान का आपातकालीन निकास खोलने का कथित प्रयास करने और सह-यात्रियों तथा चालक दल के सदस्यों को धमकी देने के आरोप में एक यात्री को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि यात्री पर आपातकालीन निकास की खिड़की को क्षतिग्रस्त करने का भी आरोप है। उसने बताया कि आरोपी की पहचान जमशीर अथानिक्कल के रूप में हुई है।

मलेरिया मुक्त बस्तर में आंकड़ों ने दिया टेंशन इस साल अभी तक 15 हजार से ज्यादा केस

3 जिलों में घने जंगल, दूर-दराज के गांव व स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचने में देरी से मामले बिगड़ भी रहे

महेन्द्र विश्वकर्मा ▶▶| जगदलपुर

हरिभूमि सरोकार

सुदूर जंगलों में रहने वाले आदिवासियों और कैंपों में तैनात जवानों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ती थी। अब स्थिति तुलनात्मक रूप से काबू में नजर आ रही है। फिर भी मलेरिया के आंकड़ों पर गौर करें तो 2024 में 4496, वर्ष 2025 में 16544, वर्ष 2026 में अब तक 15934 मलेरिया के पॉजिटिव मामले सामने आए हैं, जो बढ़ते मामलों की ओर इशारा करते हैं।

वर्ष 2020 में 36 लाख 57 हजार 508 लोगों की जांच में 62281, वर्ष 2021 में 37 लाख 44 हजार 203 लोगों की जांच में 30409, वर्ष 2022 में 53 लाख 77 हजार 667 लोगों की जांच में 16066, वर्ष 2023 में 33 लाख 23 हजार 873 लोगों की जांच में 14195, ▶▶|शेष पेज 6 पर

मलेरिया मुक्त बस्तर अभियान ने बस्तर में काफी हद तक मलेरिया को काबू में रखा है। 2015 के मुकाबले में मलेरिया के मामले में 70 फीसदी से भी ज्यादा कमी आई है। लेकिन पिछले दो साल से मलेरिया पीड़ितों के आंकड़े फिर बढ़ रहे हैं, जिससे संभाग के मलेरिया की चपेट में आने की आशँका बढ़ रही है। बता दें कि बस्तर कभी मलेरिया के नाम से कुख्यात था। यहां 60 हजार से ज्यादा तक मलेरिया पॉजिटिव केस मिलते थे।

इलाज कर रहे

स्वास्थ्य विभाग बस्तर संभाग के संयुक्त संचालक डॉ. महेश सांडिया ने बताया कि संभाग के सातों जिलों के सीएमएचओ को निर्देश दिए कि ग्रामीणों को जागरूक करें कि बुखार होने से झाड़-फूंक नहीं कर सीधे स्वास्थ्य केन्द्र में पहुंच कर इलाज कराएं। हालांकि स्वास्थ्य कर्मी जान जोखिम डालकर ग्रामीणों की इलाज कर रहे हैं।

पी. विवैक्स में दोबारा संक्रमण का खतरा

डॉक्टरों के अनुसार मिक्स मलेरिया में मरीज को तेज बुखार, ठंड लगना, सिरदर्द, उल्टी, ज्यादा कमजोरी और खून की कमी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कई बार बुखार बार-बार लौटकर आता है, इस गंभीर स्थिति में यह बीमारी दिमाग, किडनी और लीवर पर भी असर कर सकती है। पी. फाल्सीपेरम गंभीर कॉम्प्लिकेशन पैदा करता है, जबकि पी. विवैक्स दोबारा संक्रमण का खतरा बढ़ा देता है।

वर्ष	जांच	पॉजिटिव	रेट
2020	36,57,508	62,281	1.70%
2021	37,44,203	30,409	0.81%
2022	53,77,667	16,066	0.30%
2023	33,23,873	14,195	0.43%
2024	12,52,634	4,496	0.36%
2025	28,31,647	16,544	0.58%
2026*	22,29,558	15,934	0.71%

मिक्स मलेरिया ज्यादा खतरनाक

बताया जा रहा है कि एक ही के शरीर में मलेरिया फैलाने वाले पी. फाल्सीपेरम और पी. विवैक्स दोनों तरह के परजीवी एक साथ मिल रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार यह सामान्य मलेरिया की तुलना में अधिक खतरनाक हो सकता है। जनवरी 2026 से अब तक बस्तर संभाग में मलेरिया मरीज में सैकड़ों मरीज मिक्स मलेरिया से संक्रमित पाए गए हैं। जो चिंता का विषय बनी हुई है।

हाईकोर्ट का फैसला

अनुकंपा नियुक्ति के लिए शादीशुदा बहन भी हकदार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

हाईकोर्ट के जस्टिस संजय के अग्रवाल की सिंगल बेंच ने अनुकंपा नियुक्ति के मामले में दिए गए अहम फैसले में कहा है कि अविवाहित सरकारी कर्मचारी की मृत्यु के बाद शादीशुदा बहन भी अनुकंपा नियुक्ति की बराबर हकदार है। महज वैवाहिक स्थिति और लैंगिक पूर्वाग्रह के आधार पर किसी महिला को उसके संवैधानिक अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता।

बिलासपुर निवासी दुर्गेश मिश्रा जांजगीर-चांपा में जिला लोक अभियोजन अधिकारी के पद पर पदस्थ थे। 13 जून 2018 को सेवा में रहते हुए उनका निधन हो गया। मृतक अविवाहित थे और निधन के बाद उनकी वृद्ध ▶▶|शेष पेज 6 पर

चार सप्ताह के भीतर जारी करें आदेश

हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि अनुकंपा नियुक्ति का मुख्य उद्देश्य परिवार के कमाऊ सदस्य की असमय मृत्यु के बाद संकटग्रस्त परिवार को तत्काल वित्तीय राहत पहुंचाना है। इसमें मुख्य मानदंड निर्भरता और आर्थिक जरूरत है न कि वैवाहिक स्थिति। वर्तमान समाज में कई शादीशुदा बेटियां और बहनें अपने माता-पिता व परिवार का सहारा बनती हैं।

उल्लंघन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी

पीडब्ल्यूडी में अटैचमेंट पर सख्ती बिना अनुमति वाले सभी आदेश रद्द

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ सरकार ने लोक निर्माण विभाग में अधिकारियों और कर्मचारियों के संलग्नीकरण (अटैचमेंट) तथा अतिरिक्त प्रभार देने की व्यवस्था पर सख्ती कर दी है। विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने आदेश जारी कर स्पष्ट किया है कि शासन की पूर्व अनुमति के बिना किए गए सभी संलग्नीकरण और अतिरिक्त प्रभार के आदेश तत्काल प्रभाव से निरस्त माने जाएंगे। संबंधित अधिकारी और कर्मचारियों को अपने मूल पदस्थापना स्थल पर वापस कार्यभार ▶▶|शेष पेज 6 पर

अब बिना अनुमति नहीं होगा अटैचमेंट

लोक निर्माण विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य में शासन की पूर्व अनुमति के बिना किसी भी अधिकारी या कर्मचारी का संलग्नीकरण नहीं किया जाएगा और न ही इस संबंध में कोई आदेश जारी किया जा सकेगा। यदि किसी विशेष परिस्थिति में इसकी आवश्यकता होगी तो पहले शासन से अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

तीन महीने से अधिक नहीं रहेगा अतिरिक्त प्रभार

आदेश में कहा गया है कि केवल अत्यंत आवश्यक और अपरिहार्य परिस्थितियों में ही शासन की स्वीकृति मिलने के बाद संलग्नीकरण या अतिरिक्त प्रभार दिया जा सकेगा। ऐसी स्थिति में भी इसकी अवधि अधिकतम तीन महीने होगी।रिक्त पद हैं तो भेजना होगा प्रस्तावविभाग ने यह भी निर्देश दिया है कि यदि किसी कार्यालय में रिक्त पदों के कारण कामकाज प्रभावित हो रहा है तो वहां मनमाने ढंग से अतिरिक्त प्रभार देने के बजाय औचित्य और कारण सहित नियमित पदस्थापना का प्रस्ताव शासन को भेजा जाए, ताकि स्थायी समाधान किया जा सके।

सभी पुराने संलग्नीकरण खत्म

आदेश के अनुसार विभाग के अधीनस्थ, क्षेत्रीय और अन्य कार्यालयों द्वारा किए गए सभी संलग्नीकरण और अतिरिक्त प्रभार तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए गए हैं। जिन अधिकारियों या कर्मचारियों को इस प्रकार अन्य कार्यालयों में अटैच किया गया था, उन्हें अपने मूल पदस्थापना स्थल पर लौटकर कार्यभार संभालना होगा।

कोलकाता हाईकोर्ट की टिप्पणी

आसमान नहीं गिर जाएगा मदरसों में वंदे मातरम के गाने से

कोलकाता। 'आसमान नहीं गिर जाएगा'। कलकत्ता हाई कोर्ट ने मदरसों में वंदे मातरम गाना जरूरी करने के सरकारी नोटिफिकेशन को चुनौती देने वाली याचिका पर यह टिप्पणी की। कोलकाता हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई की। इस बीच एक्टिंग चीफ जस्टिस तपब्रत चक्रवर्ती ने अपने कॉमेंट को मजबूती देने के लिए क्रिश्चियन स्कूलों का भी उदाहरण दिया। सीनियर एडवोकेट विकास रंजन भट्टाचार्य ने यह पीआईएल दाखिल की थी। पश्चिम बंगाल सरकार की तरफ से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल धीरज कुमार त्रिवेदी पेश हुए. उन्होंने कोर्ट से अगली तारीख देने की गुजारिश की, ताकि वे रिपोर्ट के रूप में हलफनामे के जरिए निर्देश ले सकें।

याचिकाकर्ता की दलील कोर्ट के सवाल

पिटीशनर्स के सीनियर वकील ने दलील दी कि वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत के तौर पर अपनाया गया था। इसे मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों पर नहीं थोपा जा सकता। तर्क दिया गया, राष्ट्रीय गीत की तुलना में राष्ट्रगान का स्थान ऊंचा है। इस पर एक्टिंग चीफ जस्टिस ने सवाल किया कि क्या मदरसों में वंदे मातरम गाने को जरूरी बनाने वाले सर्कुलर को ना मानने वालों के खिलाफ कोई एक्शन लिया गया है। पिटीशनर्स के सीनियर वकील ने जवाब दिया, उन्होंने अभी तक इसे लागू करने की हिम्मत नहीं की है।

लोकसभा में पास हुआ अधिकार देने वाला बिल

डिजिटल भुगतान पर शुल्क लगाने का रास्ता साफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

लोकसभा ने सरकार को बैंकों और अन्य सेवा प्रदाताओं को 'यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस' (यूपीआई) और अन्य अधिसूचित इलेक्ट्रॉनिक तरीकों से होने वाले भुगतान पर शुल्क लगाने की अनुमति प्रदान करने का अधिकार देने संबंधी एक विधेयक गुरुवार को पारित कर दिया।

यह सरकार को बैंकों और अन्य सेवा प्रदाताओं को 'यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस' (यूपीआई) और अन्य अधिसूचित इलेक्ट्रॉनिक तरीकों से होने वाले भुगतान पर शुल्क लगाने की अनुमति प्रदान करने का अधिकार देता है। सदन में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच, चर्चा के बिना पारित किए गए 'कराधान एवं अन्य विधियां संशोधन विधेयक, 2026' का मकसद उस मौजूदा कानूनी प्रावधान को हटाना है, जो बैंकों और भुगतान सेवा प्रदाताओं को अधिसूचित इलेक्ट्रॉनिक भुगतान तरीकों पर 'मर्चेंट डिस्काउंट रेट' लागू करने से रोकता है।

अभी क्या है नियम

वर्तमान में, कोई भी बैंक या भुगतान प्रणाली प्रदाता आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269एसयू के निर्दिष्ट इलेक्ट्रॉनिक भुगतान के तरीकों का इस्तेमाल करने के लिए किसी पर भी सीधे या परोक्ष रूप से कोई शुल्क नहीं लगा सकता है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि डिजिटल तरीकों से भुगतान पर एमडीआर के बारे में बात करना अभी जल्दबाजी होगी।

आखिर इस बिल में बदला क्या है?

यह संशोधन टैक्सेशन एंड अदर लॉज विधेयक, 2026 का हिस्सा है। गुरुवार को लोकसभा में ध्वनिमत से इसे मंजूरी मिल गई। अब तक पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट की धारा 10ए के तहत आयकर अधिनियम की धारा 269एसयू में शामिल डिजिटल भुगतान माध्यमों पर बैंक या पेमेंट कंपनियां किसी तरह का शुल्क नहीं लगा सकती थीं।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि व्यवसायी और ग्राहक के बीच एक निश्चित रकम से ज़्यादा के यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर लग सकता है, लेकिन एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को भुगतान पर नहीं। आरबीआई के गवर्नर ने कहा कि अहम बात यह है कि 'सर्विस' के लिए किसी न किसी को तो पैसे देने ही होंगे। 'यूज-पे' सिद्धांत के तहत, लेनदेन करने वाले व्यक्ति या मर्चेंट से ही एमडीआर वसूला जाता है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY)
UNI : IRDAN126RP0001V01201617
www.pmfby.gov.in

"किसान भाई-बहनों के लिए आवश्यक सूचना" खरीफ-2026 फसल बीमा कराओ सुरक्षा कवच पाओ

भारत सरकार की इस योजना को छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से भारतीय कृषि बीमा कंपनी®(AIC) द्वारा खरीफ 2026 में छत्तीसगढ़ के 10 जिलों (धमतरी, जशपुर, कोरबा, नारायणपुर, राजनांदगाव, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, कोंडागाव, महासमुंद, रायगढ़, सुरजपुर) में संचालित की जा रही है।

अधिसूचित फसलें खरीफ : ग्राम स्तर पर - धान सिंचित, धान असिंचित, मक्का, सोयाबीन
राजस्व निरीक्षक मंडल स्तर पर - मूंगफली, तुअर (अरहर), मूंग, उड़द, कोदो, कुटकी एवं रागी (मड़वा)

योजना की विशेषताएँ
• आवरण किये जाने वाले किसान : अधिसूचित क्षेत्र में अधिसूचित फसल उगाने वाले सभी किसान - ऋणी एवं अऋणी किसान।
• ऋणी किसान : ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हे भारत सरकार द्वारा जारी चयन प्रपत्र (Opting-out form) के अनुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र खरीफ मौसम के लिये पूरे वर्ष के दौरान किसी भी समय लेकिन किसानों के नामांकन के लिए तय की गई तिथि खरीफ के लिए 14 अगस्त 2026 से कम से कम 7 दिन पहले तक, संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा, अन्यथा संबंधित बैंक द्वारा संबंधित मौसम के लिए स्वीकृत/नवीनीकृत की गई अल्पकालीन कृषि ऋण को अनिवार्य रूप से बीमाकृत किया जायेगा।
• अऋणी किसान : अऋणी किसान इस योजना के तहत निकटतम बैंक शाखा/समिति, CSC, डॉकघर और राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल (NCIP) के माध्यम से अपना नामांकन करा सकते हैं। साथ ही अऋणी किसान को प्रस्ताव पत्र के साथ निम्न दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा :-
• जरूरी दस्तावेज : 1) नवीनतम आधार कार्ड की कॉपी, 2) नवीनतम भूमि प्रमाण पत्र (बी-1, पी-2) की कॉपी, 3) बैंक पासबुक के पहले पन्ने की कॉपी जिस पर एकाउंट नंबर/आईएफएससी कोड/बैंक का पता साफ दिख रहा हो, 4) फसल बुवाई प्रमाण-पत्र अथवा प्रस्तावित फसल बोने के आशय का स्वघोषणा पत्र, 5) किसान का वैध मोबाईल नंबर, 6) बटाईदार/कास्तकार/साझेदार किसानों के लिए- फसल साझा/कास्तकार का घोषणा पत्र, 7) के सी सी (KCC)/ कृषि ऋण न लेने के संबंध में स्व-घोषणा पत्र।
• बीमित फसलों में परिवर्तन : ऋणी किसान अपने बीमित फसलों में परिवर्तन करा सकते हैं इसके लिये खरीफ मौसम में नामांकन की अंतिम तिथि 14 अगस्त 2026 से दो कार्य दिवस पूर्व इस बात की सूचना संबंधित बैंक शाखा में दे सकते हैं।

आधार अनिवार्य
किसान भाइयों से अनुरोध है की वो अपना आधार खरीफ के लिए 14.08.2026से पूर्व, बैंक में अपडेट करालें और सुनिश्चित करें कि वह DBT (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के लिए सक्षम हो। यह PMFBY के तहत अपनी बकाया क्लेम राशि (यदि कोई हो) प्राप्त करने के लिए आवश्यक है, साथ ही फसल बीमा पोर्टल पर बिना आधार प्रमाणीकरण के बीमा मान्य नहीं होगा।

आवरित जोखिम

अधिसूचित क्षेत्र आधार पर	व्यक्तिगत खेत आधार पर
क) बुवाई/रोपाई नहीं होने पर : प्रतिकूल मौसम अवस्थाओं के कारण अधिसूचित क्षेत्र के 75% क्षेत्र में बुवाई न होने पर बीमित राशि का अधिकतम 25% तक क्षतिपूर्ति। केवल धान (सिंचित, असिंचित) एवं चना फसल के लिए लागू है।	क) स्थानीय आपदाएं : ओलावृष्टि, जलप्लावन (धान सिंचित एवं असिंचित फसलो में जलप्लावन से होने वाली क्षति इस घटक में शामिल नहीं है), बादल फटना और प्राकृतिक आकाशीय बिजली के कारण खड़ी फसल का नुकसान होना।
ख) फसल कटनी प्रयोग आधार पर : प्रत्येक अधिसूचित ग्राम में 04 एवं राजस्व निरीक्षक मंडल में 10 फसल कटनी प्रयोग द्वारा व्यापक आधार पर आई प्राकृतिक आपदाओं के कारण उपज में होने वाले नुकसान का आंकलन।	ख) फसल कटाई के उपरान्त नुकसान : खेत में काटकर व फैलाकर/छोटे गठरो में बांधकर सुखाने हेतु रखी गयी फसलों को फसल कटाई के पश्चात् केवल 14 दिनों के अधिकतम अवधि में- ओलावृष्टि, चक्रवात, चक्रवाती बारिश और बेमौसमी बारिश से हानि होने की स्थिति में।
अधिसूचित क्षेत्र आधार पर- फसल कटाई प्रयोग से क्षति निर्धारण :- किसान के द्वारा प्रीमियम राशि देय मात्र से दावा राशि की पात्रता नही बनती है और न ही अकाल, सुखा अनावारी रिपोर्ट के आधार पर निर्धारण किया जाता है। जबकि योजनांतर्गत बीमा दावा का निर्धारण बीमित ग्राम, राजस्व निरीक्षक मंडल एवं फसल में ग्रामीण कृषि विस्तार एवं पटवारी अधिकारी के द्वारा आयोजित ग्राम स्तर पर 4 एवं राजस्व मंडल स्तर पर 10 फसल कटाई प्रयोग से प्राप्त वास्तविक उपज का थ्रेशहोल्ड उपज से तुलना उपरांत बीमा कंपनी द्वारा देय होता है। जितना प्रतिशत उपज में कमी आती है, उनके मान से दावा राशि प्रदान किया जाता है।	स्थानीय आपदाएँ एवं फसल कटाई उपरान्त नुकसान होने पर 72 घंटो के भीतर अपनी फसल के नुकसान की सूचना यहाँ दें :- राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा/क्षेत्रिय ग्रामीण बैंक/जिला सहकारी बैंक/प्राथमिक सहकारी समितियाँ। लोक सेवा केन्द्र (CSC)। भारत सरकार की क्रॉप इंश्योरेंस ऐप। जिला/तहसील स्तर के कृषि/राजस्व कार्यालय। भारत सरकार के टोल फ्री नम्बर (14447)। नोट :- हानि का मूल्यांकन व्यक्तिगत खेत सर्वे या सेम्पल सर्वे द्वारा किया जाएगा।

खरीफ

1. किसान द्वारा देय प्रीमियम दर (बीमित राशि का)	2%
2. बैंक/प्राथमिक कृषि सेवा सहकारी समिति/लोक सेवा केन्द्र/ऑनलाईन पंजीकरण/बीमा अभिकर्ता/डॉक विभाग इत्यादि द्वारा सभी ऋणी कृषकों तथा अऋणी कृषकों (प्रस्ताव पत्र के साथ) बीमा कराने/प्रीमियम जमा/खाते से प्रीमियम कटौती/बीमा कराने की अंतिम तिथि	14/08/2026

• किसान भाईयों से आग्रह है कि फसल बीमा की खरीफ मौसम के लिए अंतिम तिथि 14-08-2026 से पूर्व निकटतम राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा/क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक/जिला सहकारी बैंक/प्राथमिक सहकारी समितियाँ/लोक सेवा केन्द्र (CSC)/भारत सरकार की बीमा पोर्टल/डॉक विभाग के माध्यम से फसल का बीमा करा सकते हैं।
• योजना के संबंध में अधिक जानकारी के लिए राज्य सरकार की अधिसूचना देखे एवं उद्यानिकी/कृषि/राजस्व अधिकारी/बैंक/CSC एवं ए.आई.सी क्षेत्रीय/जिला/तहसील कार्यालय से संपर्क करें

HO/26-27/1A/12

भारतीय कृषि बीमा कंपनी® | AGRICULTURE INSURANCE COMPANY OF INDIA LTD.
क्षेत्रीय कार्यालय: एल.आई.सी. इनवेस्टमेंट बिल्डिंग, फेस-2, द्वितीय तल, पंडरी, रायपुर- 492004 (छ.ग.)
फोन/फैक्स:0771-4306605 ई-मेल: ro.raipur@aicofindia.com Website : www.aicofindia.com
पंजीकृत कार्यालय: प्लेट बी और सी, 5वीं मंज़िल, ब्लॉक 1, ईस्ट किदवई नगर, नई दिल्ली-110023.
सीआईएन: U74999DL2002PLC118123, आईआरडीएआई पंजीकरण सं. 126
aicofindialtd aicofindia aicofindia aicofindialtd aicofindialtd
कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाइन 14447
फसल हो या कृषि संपदा। बीमा सुरक्षा हमारा वादा ।।
विज्ञापन मात्र (नियम एवं शर्तें लागू)

रोचक जानकारी / शिखर चंद जैन

बरसात के मौसम में आसमान में उमड़ते-घुमड़ते, घड़घड़ाते बादल, तरह-तरह की आकृति में दिखते बादल हम सभी को खूब आकर्षित करते हैं, मोहित करते हैं। ये बादल इस तरह अलग-अलग रूपों में क्यों घुमड़ते हैं, शोर मचाते हैं? जानो, बादल की एक प्यारी-सी चिट्ठी में।

बादल की चिट्ठी

प्यारे बच्चो

जरा पहचानो तो मुझे, खिड़की से बाहर आसमान की तरफ देखो। अभी-अभी हाथी का रूप बनाकर आसमान में घूम रहा था। अब अचानक दौड़ते हुए सफेद घोड़े जैसा दिखने लगा हूं। मैं हूं बादल, तुम्हारा प्यारा कूल दोस्त! आज मैं ऊपर आसमान की ऊंचाइयों से, नीली स्याही में अपनी कलम डुबोकर, यह चिट्ठी खास तुम्हारे लिए लिख रहा हूं...

मेरा घर और मेरा अनोखा सफर: दोस्तो, तुम मुझे हमेशा आसमान में देखते हो लेकिन क्या तुम जानते हो कि मेरा जन्म तो धरती पर ही हुआ है? नदियों, तालाबों, सागरों और हरी-भरी घासों पर बिखरी ओस की बूंदों में मेरा बचपन बीता है। जब सूरज दादा अपनी तेज धूप चमकाते हैं, तो मुझे बहुत गर्मी लगती है। तब मैं हल्का होकर 'भाप' बन जाता हूं, चुपके से ऊपर की ओर उड़ने लगता हूं। इसे विज्ञान की भाषा में वाष्पीकरण कहते हैं, लेकिन मेरे लिए यह आसमान की सैर का 'जादुई टिकट' है। ऊपर आकर जब मुझे ठंडी-ठंडी हवाएं मिलती हैं, तो मैं अपने जैसे लाखों-करोड़ों छोटे भाइयों और बहनों से गले मिल जाता हूं। हम सब मिलकर आसमान में तैरते हुए रुई के बड़े-बड़े पहाड़ जैसे बन जाते हैं। बस, यही मेरा बादल वाला रूप है!

मैं रूप बदलता हूं पल-पल: तुम लोग तो सिर्फ फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में ही रूप बदलते हो, लेकिन मैं तो हर मिनट अपना भेष बदल सकता हूं! कभी मैं आसमान में बिखरी हुई सफेद रुई जैसा दिखता हूं, तो कभी काले रंग का गाढ़ा कंबल बन जाता हूं। जब मैं सफेद होता हूं, तो मैं खुशमिजाज और शांत होता हूं। तब मैं तुम्हारे साथ लुका-छिपी खेलता हूं। लेकिन जब मेरा रंग गहरा सलेटी या काला होने लगे, तो समझ जाना कि अब मैं बहुत भारी हो गया हूं। मेरे अंदर पानी की बूंदें इतनी बढ़ जाती हैं कि मुझसे संभाली नहीं जातीं, फिर मैं जोर से गरजता हूं, गड़-गड़-गड़ाम! यह मेरा गुस्सा नहीं बच्चो, यह तो मेरा ढोल है, जिसे बजाकर मैं ऐलान करता हूं, 'लो भाई, मैं आ गया! अब बरसूंगा झमाझम, अपनी नावें तैयार कर लो!'

जब मैं बरसता हूं: जब मैं बरसता हूं, तो धरती पर त्योहार जैसा माहौल हो जाता है। मोर अपने सुंदर पंख फैलाकर नाचने लगते हैं, मेंढक टर्र-टर्र के कोरस में गाना गाते हैं। पेड़ों की पत्तियां ऐसे नहा-धोकर चमकती हैं, जैसे उन्होंने नए कपड़े पहने हों। मुझे सबसे ज्यादा मजा तब आता है, जब तुम लोग रंग-बिरंगे कागज की नावें लेकर बाहर दौड़ते हो। तुम्हारी बनाई वो छोटी-छोटी नावें जब पानी की लहरों पर तैरती हैं, तो ऊपर से देखकर मेरा दिल खुशी से झूम उठता है। मिट्टी से जो सोंधी-सोंधी खुशबू आती है, वो मेरी और धरती मां की दोस्ती की महक होती है।

आसमान की मजेदार बातें: ऊपर आसमान से तुम्हारी दुनिया बहुत खूबसूरत दिखती है। मुझे सबसे अच्छे तुम्हारे स्कूल के मैदान लगते हैं, जहां तुम सब तितलियों की तरह रंग-बिरंगे कपड़ों में खेलते हो। कभी-कभी जब सूरज दादा मेरी पीठ थपथपाते हैं, तो मैं एक जादुई पट्टी हवा में बिखेर देता हूं। तुम उसे बड़े चाव से देखते हो और खुशी से चिल्ला पड़ते हो, 'देखो, इंद्रधनुष!' उसके सातों रंग बैंगनी, नीला, आसमानी, हरा, पीला, नारंगी, लाल असल में मेरी ही बूंदों से छनकर निकलने वाली सूरज की किरणें होती हैं।

पहाड़ों से मेरी अनोखी कुश्ती: बच्चो, क्या तुमने कभी पहाड़ों के ऊपर मुझे तैरते देखा है? जब मैं अपनी मखमली चाल से आगे बढ़ता हूं, तो ऊंचे-ऊंचे पहाड़ मेरा रास्ता रोक लेते हैं। फिर हमारे बीच एक दोस्ताना कुश्ती होती है! मैं उनसे टकराकर उनके ऊपर बर्फ या पानी की ठंडी बौछारें गिरा देता हूं। पहाड़ों से टकराकर ही मैं नदियों को उनका नया पानी दे देता हूं, जो बहकर तुम तक पहुंचता है।

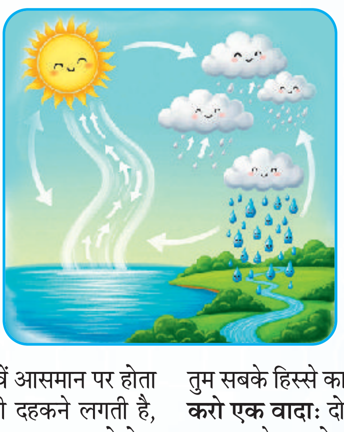

मेरा कूलिंग इफेक्ट: तुमको पता है, मैं सिर्फ पानी ही नहीं बरसाता, बल्कि मैं इस पूरी धरती के लिए एक जादुई छत या 'नेचुरल एयर-कंडीशनर' का काम भी करता हूं। जब मई-जून के महीने में सूरज दादा का पारा सातवें आसमान पर होता है, धरती तवे जैसी दहकने लगती है, तब मैं अपने पंख फैलाकर धूप को रोक लेता हूं। मेरी वजह से धरती मां को ठंडी छांव मिलती है, जिससे पेड़-पौधों और तुम सब बच्चों को गर्मी से राहत मिलती है।

आसमान में पेंटिंग क्लासः शाम के वक्त जब सूरज दादा घर लौटने वाले होते हैं, तब मैं उनके साथ मिलकर 'पेंटिंग क्लास' चलाता हूं। मैं सूरज की आखिरी किरणों को अपने भीतर सोखकर गुलाबी, चमकीला नारंगी, गहरा लाल या सुनहरा रंग ओढ़ लेता हूं। उस वक्त आसमान किसी बड़ी ड्राइंग बुक जैसा खूबसूरत दिखने लगता है। मैं चाहता हूं कि जब तुम शाम को खेलने के लिए घर से बाहर पार्क में जाओ तो मेरी इस जादुई कलाकारी को निहारो।

एक छोटी-सी शिकायत: बच्चो, जब मैं नीचे देखता हूं, तो कई जगहों पर पेड़ बहुत कम दिखते हैं। कारखानों और गाड़ियों का काला, जहरीला धुआं जब मुझसे आकर टकराता है, तो मुझे बहुत खांसी आती है, मेरा दम घुटने लगता है। अगर पेड़ नहीं होंगे, तो मुझे ठंडक कौन देगा? और अगर मुझे ठंडक नहीं मिलेगी, तो मैं पिघलकर बरसूंगा कैसे? फिर तो नदियां सूख जाएंगी और तुम सबके हिस्से का पानी कम हो जाएगा।

करो एक वादा: दोस्तो, मैं तुमसे एक वादा चाहता हूं। क्या अपने इस दोस्त की बात मानोगे? तुम अपने हर जन्मदिन पर कम से कम एक पौधा जरूर लगाओ। पानी की एक भी बूंद को बर्बाद न होने दो। प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद करो ताकि हमारी धरती साफ-सुथरी रहे। जब तुम खूब सारे पेड़ लगाओगे, तो धरती हरी-भरी हो जाएगी। फिर मैं हर साल ढेर सारा ठंडा-मीठा पानी लेकर तुम सबके पास समय पर आऊंगा। हम फिर से रिमझिम बारिश में भीगेंगे मिलकर गाना गाएंगे। बाय.. बाय.. बच्चो! *

तुम्हारा बादल भैया

यह भी जानो / मच्छिंद्र ऐनापुरे

कमाल के होते हैं लिविंग रूट ब्रिज

बच्चो, क्या तुमने कभी ऐसे पुल के बारे में सुना है, जो पत्थर या सीमेंट से नहीं, पेड़ों की जड़ों से बने हों? हां बच्चो, ऐसे अद्भुत पुल अपने ही देश में मौजूद हैं। इन्हें लिविंग रूट ब्रिज कहा जाता है।

कहां हैं ये अनोखे पुल: ये अनोखे पुल भारत के पूर्वोत्तर राज्य मेघालय में पाए जाते हैं। स्थानीय भाषा में इन पुलों को 'जिंगकिएंग जरी' और 'ल्यु चराई' कहा जाता है। मेघालय अपनी हरियाली, बारिश और प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ इन अनोखे पुलों के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। भारत सरकार ने हाल ही में इन पुलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने के लिए एक प्रस्ताव भी भेजा है। मेघालय के 70 से 72 गांवों में लगभग 100 लिविंग रूट ब्रिजेस हैं। समय के साथ इनकी संख्या बदलती रहती है।

किस पेड़ की जड़ों से बनते हैं ये पुल: मेघालय की खासी और जयंतिया पहाड़ियों में एक खास पेड़ पाया जाता है- फिकस इलास्टिका यानी रबर का पेड़। आमतौर पर पेड़ों की जड़ें जमीन के अंदर जाती हैं, लेकिन इस पेड़ की कुछ जड़ें जमीन के ऊपर भी निकलती हैं। ये जड़ें बहुत मजबूत और लचीली होती हैं- बिल्कुल रस्सी की तरह।

कैसे बनता है रूट ब्रिज: पेड़ अपने आप पुल नहीं बना लेते। इन पुलों को पेड़ों की जिंदा जड़ों को मोड़कर, जोड़कर और बुनकर बनाया जाता है। नदी के किनारे उगने वाले इन पेड़ों की जड़ों को सही दिशा में बढ़ने के लिए तैयार किया जाता है। इसके लिए पहले उन्हें बांस का सहारा दिया जाता है, फिर जड़ों को आपस में गूंथकर ग्रो करने के लिए छोड़ दिया जाता है। यह काम स्थानीय खासी और जयंतिया जनजातियों के बुजुर्ग लोग करते हैं, जिन्होंने यह कला अपने पूर्वजों से सीखी हुई है। जब जड़ें आपस में जुड़ जाती हैं, तो उनके बीच की खाली जगहों में लकड़ी, पत्थर और मिट्टी भर दी जाती है। इससे पुल और भी मजबूत बन जाता है। लिविंग रूट ब्रिज बायो-इंजीनियरिंग का शानदार उदाहरण है।

कितना समय लगता है: एक लिविंग रूट ब्रिज बनने में 15 से 30 साल तक लग सकते हैं, लेकिन एक बार बन जाने के बाद ये पुल सैकड़ों साल तक टिके रहते हैं। मेघालय के कुछ लिविंग रूट ब्रिज तो करीब 500 साल पुराने माने जाते हैं। पेड़ जितना बड़ा और मजबूत होता जाता है, पुल भी उतना ही मजबूत बनता जाता है।

बच्चो, लिविंग रूट ब्रिज हमें बताते हैं, हम प्रकृति के साथ मिलकर काम करें तो अद्भुत निर्माण कर सकते हैं! *

लिविंग रूट ब्रिज की उपयोगिता

बच्चो, यह तो तुम जानते ही हो कि मेघालय में बहुत ज्यादा बारिश होती है। यहां अकसर बाढ़ भी आती है। ऐसे में लकड़ी, लोहे या सीमेंट के पुल जल्दी खराब हो सकते हैं या पानी में बह भी सकते हैं। लेकिन पेड़ों की जड़ों से बने ये पुल बारिश और बाढ़ में भी मजबूती से टिके रहते हैं और स्थानीय लोगों के आवागमन में सहायता प्रदान करते हैं। इसलिए लिविंग रूट ब्रिज का निर्माण किया जाता है।

कविता / डॉ. मीरा सिंह 'मीरा'

आए बादल

उमड़-घुमड़ कर आए बादल,
सभी दिशा में छाए।
टिप-टिप बूंदें लगीं बरसने,
पंछी शोर मचाए।
नन्हीं चिड़िया चूं-चूं बोली,
चलो, नहाकर आएं।
धुली-धुली-सी लगती धरती,
पौधे सभी नहाएं।

जंगल-जंगल मोर नाचता,
कोयल गीत सुनाए।
उत्सव का माहौल हुआ है,
बादल ढोल बजाए।
बिजली रानी हंसकर बोली,
सेल्फी अब हो जाए!
टिप-टिप बूंदें रहीं बरसतीं,
बारिश सबको भाए।

सभी इमेज एआई

हंसगुल्ले

पिंकी: कल रात को सपने में मेरे पैर में कांटा चुभ गया था।
मिंकी: तुम चप्पल पहन कर सोया करो तब कांटा नहीं चुभेगा।
-दिव्या, रायपुर

कंप्यूटर टीचर: कंप्यूटर चलाने के लिए सबसे पहले सही ढंग से माउस पकड़ना आना चाहिए।
चिंटू: लेकिन सर, माउस को तो बिल्लियां पकड़ती हैं।
-रितेश, बिलासपुर

जीके क्विज-217

1. कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय प्लेयर्स ने कुल कितने गोल्ड मेडल जीते?
2. कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में जेवलिन थ्रो में नीरज चोपड़ा ने कौन-सा मेडल जीता?
3. भारत के वर्तमान संचार मंत्री कौन हैं?
4. जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर कौन थे?
5. वायुमंडल में कौन-सी गैस सर्वाधिक मात्रा में पाई जाती है?
6. अंग्रेजों के खिलाफ पहली क्रांति किस सन में हुई थी?
7. भारत में वोट देने की न्यूनतम आयु कितनी है?
8. भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति कौन थे?
9. पौधे का कौन-सा भाग मुख्य रूप से भोजन बनाने (प्रकाश संश्लेषण) में सहायक होता है?
10. हमारे शरीर का कौन-सा अंग रक्त का शुद्धिकरण करता है?

बच्चो, जीके क्विज-217 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-216 का उत्तर : 1.प्रह्लाद जोशी, 2.सारनाथ, 3.मीराबाई चानू, 4.वैभव सूर्यवंशी, 5.संस्कृत, 6.बिहार, 7.ओ(O), 8.चंद्रमा, 9.राज्यसभा, 10.जस्टिस सूर्यकांत

जीके क्विज-216 का सही उत्तर देने वाले : अर्पित-रायपुर, विवेक-दुर्ग, सान्या-बिलासपुर, हर्षिता-बलौदा बाजार, देवनारायण-जांजगीर, जिया शिया-रायगढ़, ऊर्जस्वी-सारंगढ़-बिलाईगढ़, कबीर-हिसार, जीवेश-रोहतक, संचिता-महासमुंद

कहानी
रंजना मिश्रा

हमें किसी को कम नहीं समझना चाहिए। हर किसी में कोई ना कोई खूबी होती है। रवि और उसकी टीम ने साहिल को किसी लायक नहीं समझा, लेकिन वह ऐसा हुनरमंद निकला कि उसकी मदद से रवि की टीम को प्राइज मिला।

रंगों का जादूगर

रवि अपनी सोसाइटी की क्रिकेट टीम का कप्तान था। वह क्रिकेट खेलते समय हमेशा चौके-छक्के मारता था। शाम होते ही रवि और उसके दोस्त क्रिकेट खेलते हुए पार्क में खूब धमाल मचाते थे।

एक दिन पार्क की बेंच पर एक नया लड़का साहिल आकर बैठा था। वह इन सबके साथ खेल नहीं रहा था। वह बस अपनी ड्रॉइंग बुक में झुका हुआ कोई चित्र बना रहा था। तभी रवि ने बैट से बॉल मारी। बॉल लुढ़कती हुई साहिल के पैरों के पास पहुंच गई। रवि ने आवाज दी, 'ऐ लड़के बॉल इधर फेंक दो!'

साहिल ने घबराकर बॉल उठाई और रवि की ओर फेंक दी। लेकिन बॉल रवि तक पहुंची ही नहीं, थोड़ी दूर जाकर रुक गई।

रवि के दोस्त हंस पड़े। कोई बोला, 'इसे तो बॉल ठीक से फेंकनी भी नहीं आती।'

साहिल चुपचाप वापस आकर अपनी बेंच पर बैठ गया। उसका चेहरा उतर गया था। रवि ने कंधे उचकाए और फिर से खेलने में लग गया।

कुछ दिनों बाद सोसाइटी के गार्ड अंकल ने पार्क के बोर्ड पर एक नोटिस लगाया, इसमें लिखा था- 'पार्क सजाओ मुकाबला!' नोटिस के अनुसार बच्चों को पार्क की खाली दीवारों को पेंट करना था। जिस टीम की दीवार सबसे सुंदर लगेगी, उसे एक बड़ा-सा आइसक्रीम का डिब्बा ईनाम में दिया जाएगा। रवि और उसकी टीम बहुत उत्साहित हो गई। वह बोला, 'जीत तो हमारी टीम ही हासिल करेगी!' अगले दिन रवि और उसके साथी पेंट और ब्रश लेकर एक दीवार के पास पहुंच गए। रवि ने कहा, 'चलो, हम दीवार पर क्रिकेट खेलते बच्चों का चित्र बनाते हैं।' पेंटिंग करना क्रिकेट खेलने जैसा आसान नहीं था। किसी ने बैट बहुत छोटा बना दिया, तो किसी ने बॉल का चित्र इतना बड़ा बना दिया कि वह सूरज जैसी दिखने लगी। थोड़ी ही देर में पूरी दीवार बहुत ही बेतुके ढंग के चित्रों से रंग गई।

रवि की टीम में एक लड़की माया दुःखी स्वर में बोली, 'अरे! दीवार तो बहुत खराब लग रही है। अब हम हार जाएंगे।' तभी माया की नजर कोने में बैठे साहिल पर पड़ी। वह अपनी ड्रॉइंग बुक में कोई चित्र बना रहा था। वह चुपके से उसके पीछे गई और खड़ी होकर उसकी ड्रॉइंग बुक को देखने लगी। माया यह देखकर हैरान रह गई कि साहिल ने अपनी ड्रॉइंग बुक में पूरे पार्क का चित्र बना रखा था। उसमें रंग-बिरंगे फूल, उड़ते हुए पक्षी और रवि की टीम को खुशी से खेलते हुए दिखाया था। वह चित्र बहुत सुंदर लग रहा था। माया भागकर रवि के पास आई, बोली, 'रवि, जल्दी चलो! साहिल तो रंगों का जादूगर है!'

रवि और बाकी बच्चों ने साहिल के पास आकर जब उसकी ड्रॉइंग देखी तो उनकी आंखें खुली की खुली रह गईं। रवि को अपने आप पर थोड़ी शर्म आई। वह साहिल से बोला, 'साहिल, हम तुम्हारे ऊपर हंसे थे, उसके लिए सॉरी। तुम्हारी ड्रॉइंग तो कमाल की है! क्या तुम हमारी मदद करोगे?' साहिल ने सकुचाते हुए 'हां' में सिर हिला दिया। अगले ही पल, साहिल 'कप्तान' बन गया था। वह सबको निर्देश दे रहा था, 'रवि, तुम आकाश में नीला रंग भरो। माया, तुम फूलों में पीला रंग भरो।'

साहिल ने पार्क की दूसरी दीवार पर पहले एक सुंदर चित्र बनाया फिर रवि और उसके साथियों ने मिलकर उसमें रंग भरे। सबने बहुत मेहनत और सफाई से काम किया। शाम तक वह दीवार एक सुंदर कलाकृति में बदल गई थी। जब गार्ड अंकल ने दीवार देखी, बहुत खुश हुए, बोले, 'वाह! यह तो कमाल है! रवि की टीम जीत गई!' ईनाम में उन्हें आइसक्रीम का एक बड़ा डिब्बा मिला। रवि ने आइसक्रीम का पहला कप साहिल को दिया और बोला, 'आज से तुम भी हमारी टीम में हो।'

साहिल मुस्कुरा दिया। उस दिन रवि और उसके दोस्तों ने सीखा कि हर किसी में कोई ना कोई खूबी होती है। कोई किसी खेल में पारंगत होता है, तो कोई संगीत-नृत्य में तो कोई चित्रकला में। *

तुम्हारे लिए नई किताब / समीर गांगुली

इशिता की समझदारी

बच्चो, इशिता नौ साल की है। शरारती है, जासूसी कहानियां पढ़ती है और रोजाना की जिंदगी को थोड़ा और मजेदार बनाना चाहती है। उसके एक दिन के रोमांचक सफर की बड़ी ही प्यारी-सी कहानी की किताब है- इशिता की सूझबूझ। इस कहानी के अनुसार एक दिन वह अपनी मम्मी और भाई विशु के साथ मामा के घर जाने के लिए निकलती है। लेकिन मेट्रो के सफर में उन दोनों से अलग हो जाती है। वह जानबूझकर अलग होती है या हड़बड़ी में? कुछ देर बाद वह पुलिस वाली आंटी के साथ क्यों नजर आती है? मम्मी और भाई से अलग होकर भी वह मुस्कुराती क्यों है? ये तो रहस्य की बातें हैं और इस रहस्य को सुलझाने के लिए तुम्हें यह किताब पढ़नी होगी। इस किताब के लेखक हैं विकास नैनवाल। किताब की भाषा सरल, सरस और आसानी से समझ में आने वाली है। किताब में मोटे फॉण्ट का इस्तेमाल किया गया है, जिससे पढ़ने में आसानी होती है। किताब के रंगीन चित्र बहुत आकर्षित करते हैं। यह किताब इतनी रोचक है कि इसे तुम एक बार पढ़ना शुरू करोगे तो पूरा पढ़कर ही उठोगे। तो देर किस बात की! तुम भी यह किताब मंगवाओ और पढ़ डालो। *

किताब : इशिता की सूझबूझ, **लेखक :** विकास नैनवाल,
मूल्य : 149 रुपए, **प्रकाशक :** साहित्य विमर्श, गुरुग्राम

अंतर बताओ

बच्चो, यहां दिए गए दोनों चित्रों में एक मादा कंगारू अपने बच्चे के साथ खड़ी है। एक जैसे दिख रहे इन दोनों चित्रों में आठ अंतर हैं। तुम पांच मिनट में इन दोनों चित्रों में आठ अंतर ढूंढ़कर बताओ।

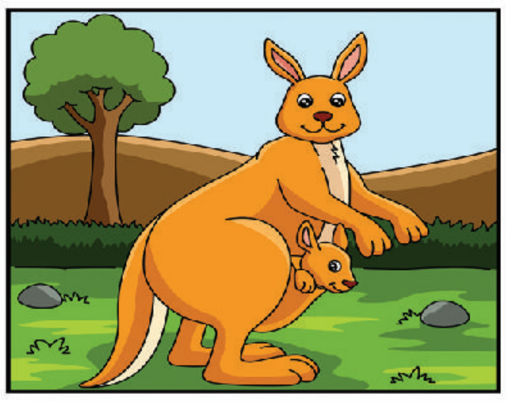

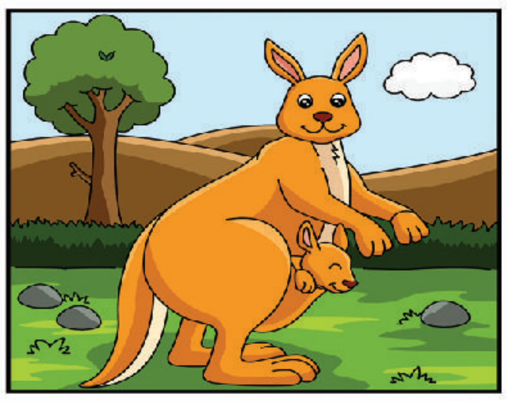

उत्तर: 1.कंगारू की बाईं कलाई पर एक बैंड बंधा हुआ है। 2.कंगारू के दाएं पैर की अंगुलियां बड़ी-बड़ी हैं। 3.कंगारू के मार्सूपियम (थैली) में दिख रहे नन्हे कंगारू की आंख बंद है। 4.कंगारू के पीछे बाईं तरफ एक स्टोन अधिक दिख रहा है। 5.पीछे पेड़ में एक टहनी अधिक दिख रही है। 6.पेड़ की पत्तियों के बीच एक बड़ी पत्ती दिख रही है। 7.पीछे पहाड़ के बीच में एक उभरी हुई चोटी दिख रही है। 8.ऊपर दाईं तरफ बादल का एक टुकड़ा दिख रहा है।

मिलान करो

बच्चो, यहां बाईं तरफ कुछ एनिमल्स के चित्र दिए गए हैं। दाईं तरफ उन चित्रों की परछाइयां दी गई हैं, जो क्रम में नहीं हैं। तुम पेंसिल या पेन की सहायता से एनिमल्स के चित्र और परछाईं का सही मिलान करो।

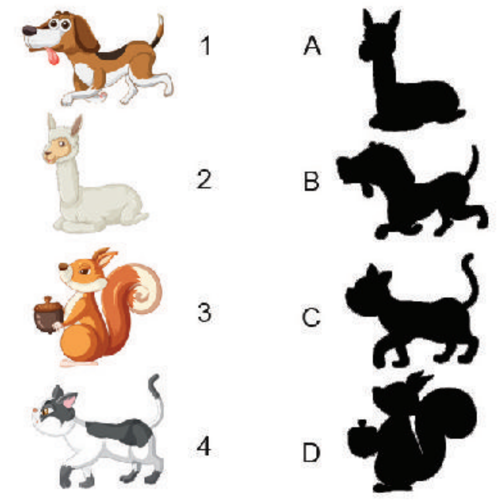

उत्तर : 1-B, 2-A, 3-D, 4-C

हाईकोर्ट ने विभागीय निविदा प्रक्रिया को माना पूर्णतः विधिसम्मत

तीन मेगा सिंचाई परियोजनाओं को मिली बड़ी कानूनी मजबूती

मटनार, मोहमेला एवं पैरी परियोजनाओं के निर्माण का मार्ग हुआ प्रशस्त

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के जल संसाधन विभाग की तीन महत्त्वाकांक्षी सिंचाई परियोजनाओं बस्तर की मटनार-देउरगांव बहुउद्देशीय उद्वहन बैराज परियोजना, रायपुर जिले की मोहमेला–सिरपुर बैराज परियोजना तथा गरियाबंद जिले की पैरी परियोजना अंतर्गत सिकासार–कोडार जलाशय लिंक परियोजना को उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़, बिलासपुर के महत्वपूर्ण निर्णय से बड़ी कानूनी मजबूती मिली है। इससे राज्य की इन बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं के निर्माण कार्यों में तेजी आने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

4 अगस्त को पारित निर्णय में पैरी-सिकासार लिंक परियोजना से संबंधित याचिका को पूर्णतः निरस्त करते हुए जल संसाधन विभाग द्वारा अपनाई गई निविदा प्रक्रिया, पात्रता शर्तों एवं तकनीकी मूल्यांकन को विधिसम्मत एवं नियमों के अनुरूप माना। न्यायालय ने अपने निर्णय में स्पष्ट किया कि निविदा आमंत्रण प्राधिकरण अपनी तकनीकी एवं व्यावसायिक आवश्यकताओं का सर्वोत्तम निर्णायक है तथा न्यायालय केवल निर्णय प्रक्रिया की वैधता की समीक्षा कर सकता है। न्यायालय ने यह भी कहा, अनुमानित लागत के दो गुना औसत वार्षिक टर्नओवर की पात्रता शर्त न तो मनमानी है और न ही संविधान के अनुच्छेद-14 का उल्लंघन करती है। विशेषज्ञ समिति द्वारा किए गए तकनीकी मूल्यांकन में भी न्यायालय ने हस्तक्षेप से इनकार करते हुए विभागीय कार्यवाही को नियमतः माना।

इन परियोजनाओं में देश की अग्रणी निर्माण एजेंसियों ने प्रतिस्पर्धात्मक निविदा प्रक्रिया में भाग लिया। मटनार-देउरगांव संयुक्त परियोजना में एनसीसी लिमिटेड, हैदराबाद, दिलीप बिल्डकॉन एवं ऋत्विक कंस्ट्रक्शन की बोलियां प्राप्त हुईं, जिनमें एनसीसी लिमिटेड की बोली सबसे कम (एल-1) पाई गई। मोहमेला–सिरपुर बैराज परियोजना में एलसीसी अहमदाबाद, ओम मेटल्स इंफ्राप्रोजेक्ट्स एवं दिलीप बिल्डकॉन की बोलियां प्राप्त हुईं, जिनमें ओम मेटल्स एल-1 रही। वहीं पैरी–सिकासार लिंक परियोजना में एनसीसी लिमिटेड, ऋत्विक कंस्ट्रक्शन, दिलीप बिल्डकॉन तथा ऑफशोर इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड ने भाग लिया, जिसमें दिलीप बिल्डकॉन की बोली सबसे कम (एल-1) पाई गई।

42 हजार हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा

इन परियोजनाओं से प्रदेश की सिंचाई एवं जल संसाधन अवसंरचना को नई मजबूती मिलेगी। बस्तर की मटनार–देउरगांव बहुउद्देशीय उद्वहन बैराज परियोजना से लगभग 16,000 हेक्टेयर कृषि भूमि को स्थायी सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही परियोजना से 21 मेगावॉट जलविद्युत उत्पादन का भी प्रावधान है, जिससे कृषि के साथ-साथ ऊर्जा क्षेत्र को भी महत्वपूर्ण लाभ मिलेगा। मोहमेला–सिरपुर बैराज परियोजना से लगभग 1,800 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा विकसित होगी, जबकि पैरी–सिकासार–कोडार लिंक परियोजना के माध्यम से लगभग 25,000 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई, पेयजल एवं औद्योगिक उपयोग हेतु जल उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रदेश की इन बहुउद्देशीय परियोजनाओं में होगी प्रगति- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इन महत्त्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाओं का निर्माण अविलंब, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जाए, ताकि प्रदेश के किसानों को शीघ्र सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो, कृषि उत्पादन में वृद्धि हो तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिले। उच्च न्यायालय के इस महत्वपूर्ण निर्णय के बाद इन परियोजनाओं से संबंधित निविदा प्रक्रिया को कानूनी वैधता प्राप्त होने से निर्माण कार्यों में संभावित विधिक बाधाएं समाप्त हो गई हैं। अब प्रदेश की इन बहुउद्देशीय परियोजनाओं के माध्यम से सिंचाई विस्तार, जल संरक्षण, पेयजल उपलब्धता, औद्योगिक विकास तथा 21 मेगावॉट स्वच्छ जलविद्युत उत्पादन जैसे बहुआयामी लाभ शीघ्र धरातल पर उतरने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होने की अपेक्षा है।

ई-केवायसी नहीं कराने वाले घरेलू गैस उपभोक्ताओं को लग सकता है जोर का झटका

ईकेवायसी नहीं कराया तो कनेक्शन निरस्त होगा या फिर कमर्शियल रेट पर ले पाएंगे सिलेंडर

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

ई-केवायसी नहीं कराने वाले घरेलू गैस सिलेंडर उपभोक्ताओं को आगामी दिनों में जोर का झटका लगने की संभावना है। ऑयल कंपनी के एक अधिकारिक सूत्र से जानकारी मिली है कि देशभर में जिन घरेलू गैस उपभोक्ताओं ने ई-केवायसी नहीं कराया है, उनके कनेक्शन निरस्त किए जाएंगे या फिर उन्हें कमर्शियल रेट पर सिलेंडर लेना होगा। बताया जा रहा है कि कंपनियों में इसे लेकर सुगबुगाहट भी है। हालांकि गैस एजेंसियों को अब तक इससे संबंधित किसी प्रकार का आदेश या सूचना कंपनियों की ओर से नहीं मिली है।

ईकेवायसी कराने की अंतिम तारीख 16 अगस्त तय

सभी ऑयल कंपनियों के अंतर्गत संचालित गैस एजेंसियों में पंजीकृत घरेलू गैस उपभोक्ताओं को ईकेवायसी कराना अनिवार्य है। केवायसी की प्रक्रिया लगभग डेढ़ साल से चल रही है। इसके बाद भी रायपुर सहित पूरे छत्तीसगढ़ में लाखों की संख्या में उपभोक्ताओं ने केवायसी अभी तक नहीं कराया है। इधर अधिकारिक सूत्र के अनुसार केवायसी कराने की अंतिम तारीख अब 16 अगस्त तय की गई है। इस समय-सीमा के भीतर ही छूटे एवं बचे हुए उपभोक्ताओं को केवायसी कराना है। समय अवधि खत्म होने के बाद केवायसी नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर लेने के लिए बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

कनेक्शन निरस्त या कमर्शियल रेट पर मिलेगा

ऑयल कंपनियों में इस तरह की सुगबुगाहट एवं चर्चा है कि 16 अगस्त के बाद घरेलू गैस उपभोक्ताओं के लिए एक नया नियम लाया जा रहा है। यह नियम केवायसी से जुड़ा हुआ है। खबर है कि इस नियम के तहत केवायसी नहीं कराने वाले घरेलू गैस उपभोक्ताओं के डाटा साफ्टवेयर में अपडेट नहीं होंगे, जिसके कारण उनके कनेक्शन निरस्त किए जाएंगे। ऐसी स्थिति में उपभोक्ताओं को घरेलू गैस सिलेंडर मिलेगा, लेकिन कीमत कमर्शियल सिलेंडर की लगेगी।

फर्जी और डुप्लीकेट कनेक्शन पर अंकुश लगाने केवायसी जरूरी

देशभर में केवायसी को अनिवार्य करने के पीछे मुख्य उद्देश्य फर्जी और डुप्लीकेट कनेक्शनों को हटाना तथा सही उपभोक्ताओं तक गैस सब्सिडी पहुंचाना है। केवायसी से राष्ट्रीय डेटाबेस भी साफ होगा, क्योंकि कई उपभोक्ताओं की मृत्यु के बाद भी उनके मोबाइल नंबर के जरिए उनके रिश्तेदार या अन्य लोग सिलेंडर गैस एजेंसियों से उठा रहे हैं। इसके कारण इस संकट के समय में कई पात्र जरूरतमंद उपभोक्ताओं को सिलेंडर नहीं मिल पा रहे है।

असर बुकिंग, सब्सिडी से जुड़ी सुविधाओं पर होगा

ऑयल कंपनियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार घरेलू गैस उपभोक्ताओं को 16 अगस्त तक ई-केवायसी कराना है। समय अवधि में केवायसी नहीं कराने पर गैस एजेंसी में उपभोक्ताओं के रिकॉर्ड अपडेट नहीं होंगे। इसका असर एलपीजी सिलेंडर बुकिंग, सब्सिडी से जुड़ी अन्य सुविधाओं पर पड़ेगा।

– **भूपेंद्र मिश्रा,** खाद्य नियंत्रक रायपुर

16 के बाद निरस्त या कमर्शियल रेट

16 तारीख के बाद केवायसी नहीं कराने पर उपभोक्ताओं के कनेक्शन निरस्त होंगे या उन्हें कमर्शियल सिलेंडर के भाव से घरेलू सिलेंडर मिलेगा। इस संबंध में कंपनी से कोई आदेश या सूचना नहीं मिली है।

– **आशीष वाजपेयी,** डिस्ट्रीब्यूटर, एचपी सांई गैस एजेंसी रायपुर

हाईकोर्ट ने सीबीआई के फोन टैपिंग को ठहराया गैर कानूनी

रावतपुरा सरकार को मिली कोर्ट से राहत

हरिभूमि न्यूज, बिलासपुर

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविन्द्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने श्री रावतपुरा संस्थान के चेयरमैन रावतपुरा सरकार रविशंकर महाराज को फोन टैपिंग मामले में बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने सीबीआई के फोन टैपिंग को पूरी तरह से गैर कानूनी ठहराते हुए रद्द कर दिया है। हालांकि कोर्ट ने एफआईआर और चार्जशीट को खारिज नहीं किया।

हाईकोर्ट ने रावतपुरा संस्थान के चेयरमैन रावतपुरा सरकार रविशंकर महाराज को फोन टैपिंग मामले में बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने टैपिंग के जरिए हासिल की गई सभी रिकार्डिंग्स को नष्ट करने के आदेश दिया है। हालांकि कोर्ट ने सीबीआई की एफआईआर और चार्जशीट को रद्द करने से इनकार कर दिया है। अब सीबीआई को इस केस को फोन टैपिंग के सबूतों के बिना ही अन्य दस्तावेजों और गवाहों के आधार पर कोर्ट में साबित करना होगा। सीबीआई ने 30 जून 2025 को देशभर के 35 मेडिकल संस्थानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इसमें आरोप था कि स्वास्थ्य मंत्रालय और एनएमसी के अधिकारियों के साथ मिलकर रिश्वत, फर्जी मरीज और घोस्ट फैकल्टी के जरिए मेडिकल कालेजों को अपने पक्ष में निरीक्षण रिपोर्ट दिलाई जाती थी। इस मामले में रावतपुरा सरकार इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल साइंसेज रायपुर के चेयरमैन होने के नाते रावतपुरा सरकार को भी आरोपी बनाया गया था। सीबीआई ने रावतपुरा सरकार के खिलाफ 28 जून 2025 को फोन टैपिंग का आदेश जारी किया था। हालांकि गृह मंत्रालय और दूरसंचार विभाग की ओर से दाखिल हलफनामे में इसे 1 जून 2025 से 31 जुलाई 2025 तक वैध बताया गया। रावतपुरा सरकार ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। मामले की सुनवाई दौरान हाईकोर्ट ने सीबीआई के शपथ पत्र पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि जब मूल आदेश ही 28 जून को जारी हुआ तो गृह मंत्रालय 27 दिन पुरानी तारीख से बैकडेट में इसे मंजूरी कैसे दे सकता है। हाईकोर्ट ने पाया कि फोन टैपिंग का आदेश जारी करते समय किसी प्रकार की सार्वजनिक आपात स्थिति या जनसुरक्षा के कारणों का उल्लेख नहीं किया गया था। आदेश केवल औपचारिक तौर पर पास कर दिया गया था।

फोन टैपिंग किसी व्यक्ति की निजता पर हमला

हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि फोन टैपिंग किसी व्यक्ति की निजता पर सीधा हमला है। इसके लिए तय कानूनी प्रक्रिया का कड़ाई से पालन होना अनिवार्य है। हाईकोर्ट ने 28 जून 2025 का सीबीआई का टैपिंग आर्डर, 4 जुलाई 2025 का गृह मंत्रालय का पुष्टि आदेश और 15 सितंबर 2025 की रिव्यू कमेटी की कार्यवाही रद्द कर दी है। इस मामले में कोर्ट ने एफआईआर और चार्जशीट को खारिज नहीं किया है। रायपुर की विशेष सीबीआई अदालत को निर्देश दिया गया है कि वह फोन टैपिंग के सबूतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर केवल अन्य वैध सबूतों और गवाहों के आधार पर केस की सुनवाई आगे बढ़ाए।

राजधानी में भाजपा की 10 को तिरंगा यात्रा, मुख्यमंत्री सहित सारे मंत्री भी रहेंगे

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

भाजपा की राजधानी रायपुर में 10 अगस्त को तिरंगा यात्रा निकालेगी। इसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से लेकर सभी मंत्री, रायपुर के सांसद, विधायक और भाजपा के नेता शामिल होंगे। इसी के साथ तिरंगा यात्रा का प्रदेशभर में आगाज हो जाएगा। प्रदेशभर में 14 अगस्त तक तिरंगा यात्रा निकालेगी।

एकात्म परिसर में आयोजन को लेकर रायपुर शहर और ग्रामीण भाजपा की बैठक हुई। भाजपा के प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन ने बताया 10 से 14 अगस्त तक तिरंगा यात्रा पूरे प्रदेश में निकली जाएगी। 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान के तहत सभी घरों में तिरंगा लगाया जाएगा। 14 अगस्त को देश विभाजन विभीषिका का रायपुर शहर में विमोचन किया जाएगा। शहर जिला भाजपा के अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर ने बताया 10 अगस्त को सुबह 10 बजे राजधानी रायपुर के मरीन ड्राइव से जयस्तंभ चौक तक तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी।

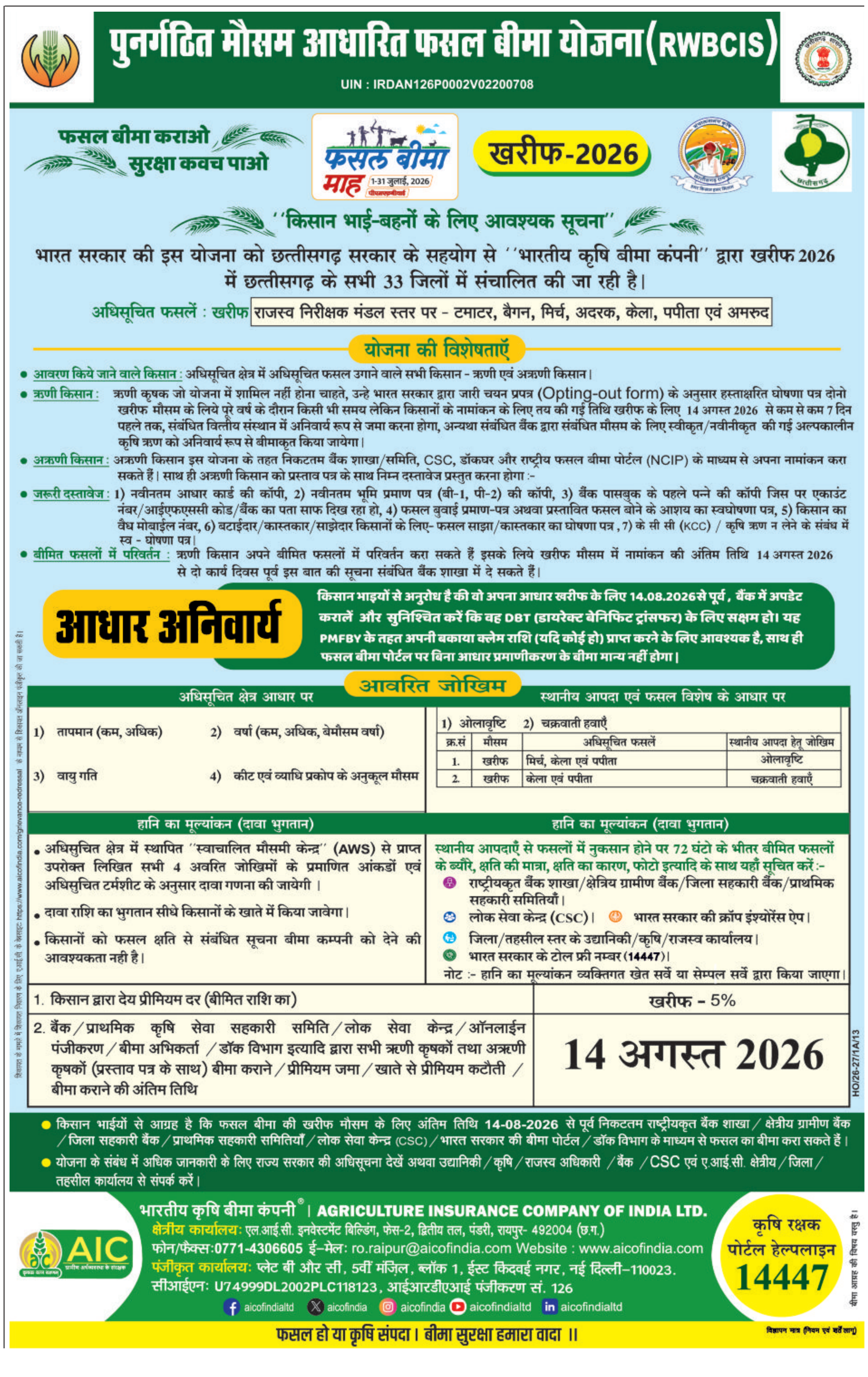

मप्र में 40 जबकि छग पीएससी में अंतिम मौका 35 वर्ष में, सिलेबस के बाद आयु सीमा को लेकर सुझाव

आयु सीमा में संशोधन के लिए भी खत, वर्षों से दे रहे हैं अर्जी

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

सिलेबस में बदलाव को लेकर मांगे गए सुझाव के बीच पीएससी को आयु सीमा में छूट के लिए आवेदन मिलने लगे हैं। आयु सीमा में छूट को लेकर छत्तीसगढ़ में लंबे समय से मांग हो रही है। शासकीय सेवकों की आयु सीमा में विसंगति दूर करने सहित कर्मचारियों और मूल निवासियों को समान अवसर देने की मांग की जा रही है। कर्मचारी व अधिकारी संघ द्वारा इस संदर्भ में मुख्यमंत्री से लेकर संबधित विभागों को भी खत लिखे गए हैं।

इसमें कहा गया है कि मध्यप्रदेश की तरह छत्तीसगढ़ के शासकीय सेवकों को भी 45 वर्ष तक प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने का अवसर दिया जाए। गौरतलब है कि छग पीएससी अपने सिलेबस में बदलाव की तैयारी कर रहा है। इसके लिए अधिसूचना जारी कर निर्धारित तिथि तक सुझाव मांगे गए थे।

वर्तमान में छत्तीसगढ़ में सामान्य अभ्यर्थियों के लिए अधिकतम आयु सीमा 35 वर्ष है, मूल निवासी को 5 वर्ष छूट है ,जबकि मध्यप्रदेश में यह 40 वर्ष है। वहीं मध्यप्रदेश में शासकीय सेवकों को अतिरिक्त 5 वर्ष आयु छूट का लाभ भी मिलता है, जबकि छत्तीसगढ़ में यह सुविधा अपेक्षाकृत कम है। इससे दोनों राज्यों के कर्मचारियों के बीच अवसरों की असमानता पैदा हो रही है। सामान्य वर्ग में यह अंतर (38 वर्ष छत्तीसगढ़ और मप्र में 45 वर्ष) 7 वर्ष हो जाता है। ज्ञापन में सुझाव दिया गया है कि छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों के लिए बिना किसी अतिरिक्त शर्त के अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष निर्धारित की जाए तथा शासकीय सेवकों सहित अन्य सभी पात्र श्रेणियों को लागू समस्त आयु छूट जोड़कर 45 वर्ष तक प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने की अनुमति दी जाए।

छत्तीसगढ़ में महिलाओं, खिलाड़ियों सहित अन्य कई उपलब्धियों में छूट का प्रावधान है। अंतरजातीय विवाह करने वाले दंपत्तियों को भी आयु सीमा में 5 वर्ष तक की छूट का प्रावधान है। कर्मचारी व अधिकारी संघ ने आवाज उठाई है कि जब विशेष श्रेणी के अभ्यर्थियों को अतिरिक्त आयु छूट दी जा सकती है, तो वर्षों से शासन की सेवा कर रहे कर्मचारियों तथा अन्य सामान्य अभ्यर्थियों के लिए आयु सीमा अपेक्षाकृत कम क्यों रखी गई है? ज्ञापन में कहा गया है कि केंद्र सरकार के कर्मचारियों को राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में किसी प्रकार की आयु छूट उपलब्ध नहीं है, चाहे वह चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ही क्यों न हों। इसे भी व्यवहारिक और न्यायसंगत नहीं माना जा रहा है।

रस ड्राइविंग का एक और सीसीटीवी, तेज रफ्तार कार ने बच्ची को उड़ाया

रायपुर। मंगलवार को कंकालीपारी तालाब के पास रस ड्राइविंग का एक और सीसीटीवी फूटेज सामने आया है, जिसमें चालक ने लापरवाही पूर्वक कार चलाते हुए चौथी कक्षा में पढ़ने वाली बच्ची को अपनी चपेट में ले लिया। कार की चपेट में आने से स्कूली छात्रा बुरी तरह से घायल हो गई है। छात्रा का उपचार एम्स अस्पताल में चल रहा है। टिकरापारा निवासी महिमा ध्रुव (8) कार की चपेट में आने से घायल हुई है। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, टिकरापारा निवासी आनंद दुर्गा ने बताया कि उनकी भांजी महिमा अपनी बहन खुशी और भाई हर्ष के साथ स्कूल से ऑटो में घर लौट रही थी। तीनों कटोरा तालाब स्थित स्कूल से कंकाली तालाब पहुंचे और वहां से डीमार्ट गली की ओर पैदल जा रहे थे।

ब्लंट ब्लैक परफ्यूम की लॉन्चिंग के साथ मैसूर दीप ने किया पोर्टफोलियो का विस्तार

इंदौर। अगरबत्ती निर्माता कंपनियों में से एक ज़ेड ब्लैक ब्रांड की निर्माता कंपनी मैसूर दीप परफ्यूमरी हाउस (एमडीपीएच) ने आज पर्सनल फ्रेग्रेन्स कैटेगरी में भी सफलतापूर्वक कदम बढ़ा लिया है। यह नया विस्तार कंपनी द्वारा ब्लंट ब्लैक, एक प्रीमियम परफ्यूम की रेंज की लॉन्चिंग की घोषणा के साथ हुआ है। ब्लंट ब्लैक वर्तमान के उन कन्ज्यूमर को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है जो नए जमाने से कदम मिलाकर चलना पसंद करते हैं। कंपनी ने नए प्रोडक्ट को चार स्पेशल वैरिएंट के साथ लॉन्च किया है, जिनमें डार्क अलिक्सर, नियो ऑरा, वेलवेट नाइट और फ्रेंच एक्वा। यह चारों ही सुगंध अलग-अलग प्रकार की पर्सनालिटी, लाइफस्टाइल और ओकेजन के हिसाब से तैयार की गई हैं। इनमें से नियो ऑरा को खासतौर पर जेन ज़ी उपभोक्ताओं की पसंद को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।

हाल ही में आई कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज़ रिपोर्ट के मुताबिक, 19.5 प्रतिशत कम्पाउंड एनुअल ग्रोथ रेट के साथ बढ़ते हुए, इस मार्केट के वर्ष 2028 तक 2.12 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। लॉन्चिंग के अवसर पर मैसूर दीप परफ्यूमरी हाउस के डायरेक्टर अंकित अग्रवाल ने कहा कि ब्लंट ब्लैक हमारे फ्रेगरेंस पोर्टफोलियो के योजनाबद्ध विस्तार का प्रतीक है जिसके जरिए हम प्रीमियम पर्सनल फ्रेगरेंस श्रेणी में कदम आगे बढ़ा रहे हैं। मैसूर दीप परफ्यूमरी हाउस के डायरेक्टर अंशुल अग्रवाल कहते हैं आज के उपभोक्ता खुशबू को अपनी पर्सनालिटी और लाइफस्टाइल को निखारने के जरिए के रूप में देखते हैं। ब्लंट ब्लैक की लॉन्चिंग, मैसूर दीप परफ्यूमरी हाउस के विकास में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

फसाई के निशाने पर गुणवत्ता ही नहीं अब गलत दावे और खराब लेबलिंग भी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (फसाई) पिछले कुछ दिनों से एक्शन मोड में है। साल 2026 में इस विभाग ने फूड कंपनियों और ड्रिंक कंपनियों पर जमकर छापेमारी की है। जिसका नतीजा ये है कि अब सभी फूड कंपनियां, रेस्टोरेंट्स आदि भी डरे हुए हैं और सतर्क भी हैं।

फसाई अब केवल खाने की गुणवत्ता को चेक करने तक ही सीमित नहीं रहा है, बल्कि गलत दावे, खराब लेबलिंग, साफ-सफाई में कमी और प्रोडक्शन के नियमों का पालन ना करने पर भी कंपनियों के खिलाफ सख्त कदम उठा रहा है।

दावों के पीछे वैज्ञानिक सबूत रखना होगा

इतना ही नहीं फसाई के अनुसार कंपनियों को अपने द्वारा किए जा रहे दावों के पीछे का वैज्ञानिक सबूत भी रखना होगा। फसाई ने मई में कहा था कि कंपनियों को 100 प्रतिशत, 100 प्रतिशत प्योर और 100 प्रतिशत नेचुरल जैसे शब्दों के इस्तेमाल से बचना होगा, क्योंकि इनसे ग्राहक गुमराह हो सकते हैं। इसका मतलब है कि साल 2026 में फसाई का फोकस सिर्फ मिलावट पकड़ने पर नहीं, बल्कि लेबल, विज्ञापन, मैन्युफैक्चरिंग, साफ-सफाई और ग्राहकों की शिकायतों समेत हर स्तर पर खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने पर है।

नियमों का पालन न करने पर कंपनियों के खिलाफ सख्त कदम

फसाई की सख्ती

बीते कुछ दिनों में ही फसाई ने इतने सारे ब्रांड्स पर कार्रवाई कर दी है, कि अब छोटे कारोबारी भी डर के साये में नजर आ रहे हैं। बीते दिन डाबर कंपनी पर बैन लगाया गया। जिसके बाद दशकों से चला आ रहा शराब का ब्रांड ओल्ड मॉन्क को भी भारत में बैन कर दिया गया है। फसाई के इस एक्शन मोड में आने की वजह आखिर क्या है?

फसाई क्यों सख्त हुआ

दरअसल फसाई के द्वारा बढ़ाई गई इस सख्ती का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को गलत जानकारी से बचाना और खाद्य सुरक्षा के नियमों का पालन करवाना है। फसाई का कहना है कि किसी भी प्रोडक्ट के लेबल, नाम या एड में ऐसी जानकारी नहीं होनी चाहिए जिससे ग्राहक को उसकी गुणवत्ता, सामग्री, शुद्धता या स्वास्थ्य लाभ के बारे में गलत जानकारी मिले।

नकली घी, तेल और पनीर पर भी कार्यवाही

फसाई ने जून में नकली घी बनाने और बेचने वाले एक अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया था। दिल्ली और हरियाणा में हुई संयुक्त कार्रवाई के दौरान 6,500 लीटर से ज्यादा संदिग्ध मिलावटी घी जब्त किया गया। इसके अलावा बुधवार को ही महाराष्ट्र में फसाई की कार्यवाही में पनीर को बैन कर दिया गया है। हालांकि पूरी तरह से नहीं केवल एनालॉग पनीर को बैन किया गया है। तो वहीं पिछले कुछ समय से बैंगलोर में भी पुराने तेल का इस्तेमाल करने वालों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। फसाई का साफ कहना है कि जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले को बिलकुल भी बक्षा नहीं जाएगा।

डेटा सेंटर क्षमता के मामले में मुंबई दुनिया में 15वें स्थान पर

नई दिल्ली। परिचालन में आ चुकी डेटा सेंटर क्षमता के मामले में मुंबई दुनिया में 15वें और हैदराबाद 27वें स्थान पर है। रियल एस्टेट क्षेत्र की परामर्श कंपनी नाइट फ्रैंक की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

नाइट फ्रैंक ने बृहस्पतिवार को जारी अपनी रिपोर्ट 'नाइट फ्रैंक ग्लोबल डेटा सेंटर एटलस 2026' में उत्तर अमेरिका, यूरोप, एशिया-प्रशांत, पश्चिम एशिया और अफ्रीका के 36 प्रमुख वैश्विक डेटा सेंटर बाजारों की तुलना की है। रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई चालू हो चुकी डेटा सेंटर क्षमता के आधार पर 15वें और विकासाधीन क्षमता के आधार पर 11वें स्थान पर है। कंपनी ने कहा कि 774 मेगावाट की परिचालन सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षमता और लगभग पांच गीगावाट की विकासाधीन क्षमता के साथ मुंबई भारत का प्रमुख डेटा सेंटर बाजार और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अग्रणी डिजिटल अवसंरचना केंद्रों में शामिल हो गया है।

हैदराबाद 151 मेगावाट की परिचालन वाली आईटी क्षमता के साथ वैश्विक स्तर पर 27वें स्थान पर है, जबकि 2.2 गीगावाट से अधिक की विकासाधीन क्षमता के आधार पर उसका स्थान 19वां है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार, बिलासपुर (छ.ग.)
ईश्तहार

क्रमांक/क/अति.तह./वा./20...
बिलासपुर, दिनांक 6/8/26

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम परसदा .प.ह.न. 49 रा.नि.मं. बिलासपुर तहसील व बिलासपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका अमरेन्द्र नाथ वगै. पिता/पति स्व. धीरेन्द्र नाथ निवासी ग्राम यदुनंदन नगर तहसील बिलासपुर जिला बिलासपुर के द्वारा प.ह.नं. 49 मौजा परसदा स्थित भूमि ख.नं 141/32 (शामिल) 168/32, 169/32, 176/14 रकबा 1520 वर्गफुट एकड़ /हे. भूमि को आवेदक द्वारा इस न्यायालय मे छ.ग.भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 109, 110 के तहत वसीयत नामांतरण/ फौती नामांतरण/क्रय विक्रय/दानपत्र के आधार पर किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो वे स्वत: या अपने अधिवक्ता के साथ उपस्थित होकर सुनवाई दिनांक 17/8/2026 समय 11:00 बजे उपस्थित होकर दावा आपत्ति पेश कर सकता है। सुनवाई तारीख के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 6/8/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया।

अतिरिक्त तहसीलदार बिलासपुर (छ.ग.)

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै बजरंग जायसवाल पिता स्वर्गीय श्री भरतलाल जायसवाल उम्र 49 ग्राम पोस्ट सीपत, तहसील सीपत जिला बिलासपुर छ ग का निवासी हू यह कि मैं बिलासपुर निवासी एजाज अनवर पिता एस ए कादिर,आरिफ खान पिता करीम खान से ग्राम गुड़ी स्थित कृषि भूमि जिसका प.ह.न. 5 रा.नि.म.सीपत खसरा न 876/2 रकबा 0.2350 एवं बिलासपुर निवासी इरशाद अहमद पिता इस्तियाक अहमद, एजाज अनवर पिता एस ए कादिर से ग्राम गुड़ी स्थित कृषि भूमि खसरा न 878/1 रकबा 0.0280, का बयाना सौदा तय हुआ है,जिसकी रजिस्ट्री 11 अगस्त को होना तय हुआ है। यदि किसी को इसमें आपत्ति हो तो सीपत तहसील में न्यायालयीन समय में आकर अपनी आपत्ति समय रहते दर्ज कराए ,इसके उपरांत किसी भी प्रकार दावा आपत्ति स्वीकार या मान्य नहीं किया जाएगा।

वास्ते बजरंग जायसवाल
ग्राम पोस्ट सीपत तहसील सीपत
जिला बिलासपुर मो 8839933494
7987555652

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मौजा उसलापुर प.ह.नं. 60, रा.नि.मं. सकरी तहसील सकरी जिला बिलासपुर में स्थित भूमि खसरा नंबर 418/14 रकबा 1250 वर्गफुट भूमि जिस पर मकान निर्मित है जिसकी चौहद्दी उत्तर में फरीदा बानो की भूमि 50 फीट, दक्षिण में विक्रेता का मकान 50 फीट, पूर्व में निस्तारी रास्ता 25 फीट एवं पश्चिम में फरीदा बानो की भूमि 25 फीट स्थित है उपरोक्त वर्णित भूमि श्रीमती उर्मिला बाई महिलांगे पति स्व. रामखिलावन महिलांगे, निवासी मंगला बिलासपुर (छ.ग.) एवं श्रीमती चंद्रिका देवी पति श्री कोमलदास, निवासी ओमनगर जरहाभाठा बिलासपुर (छ.ग.) के संयुक्त स्वामित्व एवं हक की परिवर्तित भूमि मकान है, उक्त भूमि मय मकान को मेरे पक्षकारगण क्रमशः आराधना सिंह पिता उदय सिंह एवं श्रीमती राजेश्वरी सिंह ठाकुर पति उदय सिंह, निवासी गंगा नगर मंगला बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा खरीदने का पक्का सौदा करते हुए बयाना राशि अदा किया जाकर एक इकरारनामा गवाहों के समक्ष निष्पादित किया गया है जिसका निकट भविष्य में रजिस्ट्री बैनामा निष्पादित किया जायेगा।

यदि किसी व्यक्ति, बैंक, वित्तीय संस्था या फर्म को उक्त संपत्ति के स्वामित्व, अंतरण, बंधक, रहन, बय, दान या अन्य किसी भी प्रकार के प्रभार/विवाद के संबंध में कोई आपत्ति, दावा या अधिकार हो तो वह इस सूचना के प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर अपने लिखित साक्ष्यों/दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। नियत समय सीमा समाप्त होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नही होगी एवं क्रेता के पक्ष में पंजीयन/रजिस्ट्री की कार्यवाही पूर्ण कर ली जायेगी।

सो सूचना जाने।
दिनांक :-

भवदीय
दीपक मिश्रा अधिवक्ता
मो. 9827168904

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी, जरहागांव
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र. ..../ब-121/2025-26
ग्राम तोताकापा प.ह.नं. 14

एतद् द्वारा समस्त ग्रामवासी ग्राम तोताकापा वालो को सूचित किया जाता है कि आवेदक/ आवेदिका श्री/श्रीमती/कु. परमेश्वर ध्रुव पिता/ पति बैसाखु जाति गोड़ निवासी ग्राम तहसील जरहागांव, जिला मुंगेली छ.ग. द्वारा अपने बहन अंजनी के जन्म/ मृत्यु दिनांक 16.4.2008 को ग्राम पंचायत फुलवारी मे दर्ज करने हेतु आदेश जारी करने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, अत: इस संबंध में जिस किसी को कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे दिनांक 17.8.2026 को प्रात: 11 बजे तक मेरे न्यायालय तहसील जरहागांव में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 31.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा को अधीन जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
जरहागांव

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार बिलासपुर, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
समंस

क्रमांक /क/वा.अति.तह./2026/
बिलासपुर, दिनांक 29/07/2026

एतद्वारा दयानंद, विद्यानंद, देवानंद पिता रमाशंकर दुबे, पुष्पा पति प्रभात, प्रेमलता पति अशोक उपाध्याय, शैल पति लक्ष्मीप्रसाद, सुलोचना पति अजय मिश्रा, निवासी ग्राम-सरकंडा, तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि ग्राम सरकंडा, प.ह.नं.32, तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नंबर 607/1 में से रकबा 0.0280 हेक्टेयर भूमि को छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115 के तहत विक्रय पत्र के आधार पर रिकार्ड दुरूस्त किये जाने हेतु आवेदिका अंजली राव उम्र 50 वर्ष पिता स्व. अजय कुमार मिश्रा, निवासी सेक्टर-1, हरिशंकर कालेज के पास, शंकर नगर रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त प्रकरण के सुनवाई दिनांक 10/08/2026 के लिए नियत है। अत: आप दिनांक 10/08/2026 को सुबह 11.00 बजे स्वयं अथवा अपने प्राधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकते है। समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं किये जावेंगे।

आज दिनांक 29/07/2026 को मेरे पद मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार
बिलासपुर (छ.ग.)

समक्ष श्रीमान नोटरी महोदय नोटरी सिविल तखतपुर जिला बिलासपुर
शपथ-पत्र

मैं निकहत जिन्दरान उम्र 43 साल पति मोहम्मद सिराज जिन्दरान जाति मुसलमान निवासी-मकान नम्बर 161 वार्ड कमांक 05, मेन रोड बजरंग नगर तखतपुर तहसील तखतपुर जिला बिलासपुर छ.ग. की हूं जो निम्न लिखित कथन शपथपूर्वक बयान करता हूं कि:-

1. यह कि मैं उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूँ।
2. यह कि भारत गणराज्य द्वारा जारी पासपोर्ट मेरा नाम स्पेलिंग NIKAHAT JINDRAN दर्ज है जो कि त्रुटिपूर्ण है। 3. यह कि मेरे नाम पर जारी आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, विवाह प्रमाण पत्र, मतदाता परिचय पत्र, पेन कार्ड, पर मेरा वास्तविक नाम स्पेलिंग NIKHAT JINDRAN दर्ज है। जो कि सही एवं सत्य है।
4. यह कि मैं अपने पासपोर्ट में दर्ज त्रुटिपूर्ण नाम NIKAHAT JINDRAN को सुधार करवाकर सही नाम स्पेलिंग NIKHAT JINDRAN दर्ज करवाना चाहती हूँ। जिस हेतु समाचार पत्र में ईश्तहार प्रकाशन किये जाने के समर्थन में तिष्पादित कर रही हूँ।

शपथकर्ता- निकहत जिन्दरान

सत्यापन

मैं उपरोक्त शपथकर्ता उक्त शपथ सत्यापित करती हूँ कि उक्त शपथ की कंडिका क्रमांक 01 से लेकर 04 तक की वर्णित जानकारी सही एवं सत्य है। आज तारीख 06/08/2026 को स्थान तखतपुर में हस्ताक्षर कर सत्यापित किया।

शपथकर्ता- निकहत जिन्दरान

न्यायालय तहसीलदार, बिलासपुर (छ.ग.)
// ईश्तहार //

क्रमांक/क / तह./ वा. / 2026
बिलासपुर, दिनांक 5/08/2026
रा.प्र.क्र..../अ-6(अ)/2025-26
ग्राम-मोपका, प.ह.नं. 29

ग्राम मोपका के सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि मौजा-मोपका, प.ह.न. 29 तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.) स्थित भूमि ख. नं. 2548/3 रकबा 0.1010 हेक्टेयर भूमि का छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 109, 110, 115 के तहत अभिलेख दुरूस्ती के लिए आवेदकगण च्यवन प्रसाद वगैरह पिता स्व. पुरीराम, निवासी मोपका बिलासपुर तहसील बिलासपुर जिला बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

यदि किसी व्यक्ति / संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति/ दावा हो तो मेरे न्यायालय में दिनांक 20/8/2026 को प्रात: 11.00 स्वयं अथवा अपने प्राधिकृत अधिवक्ता के साथ उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें।

तहसीलदार
बिलासपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार बिलासपुर, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
ईश्तहार

क्रमांक/Q/ तह. /वा./2026
बिलासपुर, दिनांक 03/08/2026
ग्राम तिफरा जूना बिलासपुर

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम तिफरा जूना बिलासपुर प.ह.नं.36 रा.नि.मं. बिलासपुर तहसील व बिलासपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका फते सिंह पिता/ पति नकुल सिंह निवासी ग्राम तारबाहर तहसील व जिला बिलासपुर छ.ग. के द्वारा शिशु/ मृतक/ मृतिका फते सिंह के जन्म / मृत्यु दिनांक 01/0 7/ 1966 का प्रमाण पत्र जारी किये जाने का आवेदन प्रस्तुत किया है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो वे स्वत: या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर सुनवाई दिनांक 18/08/26 को दावा आपत्ति पेश कर सकता है। सुनवाई तारीख के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03/08/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
बिलासपुर (छ.ग.)

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार की ओर से अधिकृत एवं निर्देशित होकर यह आम सूचना प्रकाशित करता हूँ कि मेरी पक्षकार क्रेता श्रीमति बीवा कुमारी पति श्री कंचन कुमार मुकुल निवासी देवनन्दन नगर फेस 2 ज्ञान सागर विद्या मंदिर के सामने सीपत रोड बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा भूमि स्वामी श्रीमती मणिबाला पटेल पति श्री गोपाल प्रसाद पटेल निवासी खमतराई बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा खसरा नंबर 774/6 रकबा 250 वर्गफुट खसरा नंबर 774/11 रकबा 650 वर्गफुट मौजा नगोई प.ह.न. 17 , रा. नि. म. नगोई तह. बेलतरा जिला बिलासपुर छत्तीसगढ़ में स्थित, उत्तर में पटेल की भूमि, दक्षिण में मनीष शर्मा की भूमि, पूर्व में बैमा-नगोई जाने वाली रोड , पश्चिम में मनीष शर्मा की भूमि है इस दो खसरे में सम्मलित कुल 900 वर्गफुट का सौदा दिनांक 06/08/2026 को हो चुका है निकट भविष्य में क्रेता उक्त अचल संपत्ति का पंजीयन करा लेगा। यदि उक्त क्रय विक्रय से संबंधित किसी व्यक्ति, संस्था, शासकीय/अर्धशासकीय बैंक संस्थान या निकाय को कोई आपत्ति हो तो पंद्रह (15) दिवस के भीतर मेरे पक्षकार अथवा मेरे कार्यालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता या मुक्तियार आम के माध्यम से संपूर्ण दस्तावेज के साथ उपस्थित होकर दावा आपत्ति कर सकता है। निर्धारित अवधि के बाद की गई दावा आपत्ति मान्य नहीं होगी।

भवदीय- नितेश कुमार वर्मा (अधिवक्ता)
L4 विनोबा नगर बिलासपुर
मो.नं.- 9300001711, 9827167812

कार्यालय, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, बिलासपुर छ.ग.

क्रमांक / तकनीकी / क्षे.प.अ./2026
बिलासपुर, दिनांक //

प्रारूप-37
[नियम-61 (3)]

वित्तपोषक के नाम नया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए मोटरयान के रजिस्ट्रीकृत स्वामी की सूचना।

रजिस्ट्री कर्ता प्राधिकारी बिलासपुर छ.ग.सं-तारीख 06/08/2026

नेतराम साहु / तुलसी साहू ग्राम भोजपुरी बिल्हा बिलासपुर को यह सूचित किया जाता है कि INDUSIND BANK LTD.वित्तपोषक को सूचित किया जाता है कि उसन उक्त करार उपबंध अधीन आपने व्यतिर म के कारण अवर य / आडमान / पट्टा करार अंतर्गत आने वाले मोटरयान जिसकार जिस्ट्रीकरण सं. CG10BU4963 है, कब्जा ग्रहण कर लिया है और यह कि ......

1. आपने उसे रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र देने से इंकार कर दिया है।

उसने रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र रद्द करने और अपने नाम में नया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने का अनुरोध किया है।

अतः आपको उक्त यान के जो कि आपके द्वारा आधिपत्य खोये जाने और एतद्वारा धारा 2 (30) के अंतर्गत मोटरयान के स्वामित्व खोये जाने के बावजूद भी रोका हुआ है, को अभ्यर्पित करने और इस संबंध में आपका अभ्यावेदन, यदि कोई हो आपके द्वारा इस सूचना-पत्र की प्राप्ति की तारीख से 7 दिनों के भीतर इस कार्यालय कोभेजने का निर्देश दिया जाता है, जिसमें विफल रहने पर धारा 5 (15) के अनुसार, आपके द्वारा धारित रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र को निरस्त कर वित्तपोषक के नाम रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र जारी किया जायेगा।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी
बिलासपुर (छ.ग.)

न्यायालय श्रीमान प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी बिलासपुर (छ0ग0)
नोटिस/समंस

दीपक सूर्यवंशी......आवेदक
विरूद्ध
शाखा प्रबंधक
आई.डी.बी.आई. बैंक वगैरह .....अनावेदकगण

प्रो0कं0-101/2026
सक्से0प्रक0 कं0-41/2026
आदेश दिनांक 16/07/2026
पेशी ता0-21.08.2026

प्रति,
आम जनता
(जिससे संबंधित हो)

आवेदक ने इस न्यायालय में एक आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 उत्तराधिकार अधिनियम के तहत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत किया है जिसकी पेशी दिनांक 21.08.2026 को नियत है। अत: इस ईश्तहार/नोटिस के द्वारा सूचित किया जाता है कि पेशी दिनांक 21.08.2026 को प्रात: 11.00 बजे स्वयं अथवा ऐसे किसी प्लीडर के साथ उपस्थित होवें जिसे प्रकरण के संबंध में सम्यक जानकारी हो एवं आवेदक द्वारा प्रस्तुत वाद का जवाब दे सके, अन्यथा मामले में एक तरफा सुनवाई कर अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

यदि किसी कारण वश उक्त दिनांक को न्यायालय में अवकाश घोषित हो या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर हो तो अगले कार्य दिवस में अग्रिम कार्यवाही की जावेगी। अस्तु सूचित हो।

आज दिनांक 27/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मोहर लगाकर जारी किया गया।

(असलम खान)
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी
बिलासपुर (छ0ग0)

न्यायालय अतिरिक्त कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी, बिलासपुर (छ.ग.)
विवाह सूचना का प्रकाशन

क्रमांक क/362/वाचक/अति-कले/2026,
बिलासपुर, दिनांक 16.07.2026

आवेदक श्री मनोज कुमार सूर्यवंशी आत्मज श्री पचंराम सूर्यवंशी उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम धमनी चकरभाटा, थाना चकरभाटा जिला बिलासपुर (छ.ग.) एवं आवेदिका कुमारी नव्या साहू आत्मजा स्व. श्री कलीराम साहू उम्र 34 वर्ष निवासी-खमतराई आवास पारा वार्ड नंबर 58 थाना, सरकण्डा जिला बिलासपुर (छ.ग.)

द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा-5 के तहत सूचना पत्र प्रस्तुत किया गया है। अत: प्राप्त सूचना का प्रकाशन सर्व साधारण के लिए दैनिक समाचार पत्र में किया जाता है। इस विवाह के संबंध में यदि कोई आपत्ति या दावा हो तो अपनी आपत्ति/दावा इस कार्यालय में दिनांक 20.08.2026 को प्रात: 11:00 बजे प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि पश्चात प्राप्त आपत्ति / दावा पर कोई विचार करना संभव नहीं होगा।

मनोज कुमार सूर्यवंशी

नव्या साहू

विवाह अधिकारी
बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

न्यायालय श्रीमान दशम जिला न्यायाधीश महोदय, जिला बिलासपुर (छ.ग.)
नोटिस/समंस

व्य.अ.प्र.क्र.-61ए/2024
आदेश दिनांक 25/07/2026
पेशी ता. 23/09/2026
प्रोसस क्र- 281

कमल लाल निराला ..अपीलार्थी
-विरूद्ध-
1. छ.ग.शासन द्वारा- जिलाध्यक्ष/कलेक्टर बिलासपुर (छ.ग.) 2. श्रीमान तहसीलदार मस्तूरी जिला- बिलासपुर (छ.ग.) 3. श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मस्तूरी, जिला-बिलासपुर (छ.ग.) ....उत्तरवादीगण

इस न्यायालय में आलार्थी ने उत्तरवादीगण के विरूद्ध व्यवहार अपील अंतर्गत आदेश 96 व्य.प्र.सं. नियम 41 (1) व्य.प्र.सं. के तहत प्रस्तुत किया गया है। जिसका व्य.अ. प्र.क्र. 61ए/2024 है। जिसका आगामी पेशी दिनांक 23/09/2026 है, उत्तरवादीगण को इस समाचार पत्र के प्रकाशन के द्वारा अपील का नोटिस प्रेषित किया जा रहा है, कि इस प्रकरण में पेशी दिनांक दिनांक 23/09/2026 को न्यायालय में प्रात: 11.00 बजे स्वयं उपस्थित होकर अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर प्रकरण की कार्यवाही में भाग लेवें अन्यथा आपकी अनुपस्थिति होने पर आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

यदि किसी कारण वश पेशी दिनांक 23/09/2026 को इस न्यायालय में अवकाश घोषित हो जाता है अथवा कार्य स्थगित हो जाता है तो उसके अगले दिवस को अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक 01/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुद्रा लगाकर जारी किया गया।

न्यायालय दशम जिला न्यायाधीश
जिला बिलासपुर (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) तखतपुर जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
// उपस्थित हेतू सूचना पत्र //

क्रमांक/838/वाचक-2 / अ.वि.अ./ 2026
तखतपुर दिनांक 04/08/2026
रा.प्र.क्र. 137/अ-6 अ/2025-26
ग्राम- अमेरी तहसील सकरी
जिला- बिलासपुर

पक्षकार संतोष श्रीवास विरुद्ध छ.ग. शासन

प्रति,
1. श्री अभय तिवारी पिता श्री नंदकिशोर तिवारी 2. श्रीमती सविता तिवारी पति श्री अभय कुमार तिवारी दोनों जाति ब्राम्हण निवासी क्रांति नगर थाना तारबाहर तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा इस सूचना पत्र के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि आवेदक संतोष श्रीवास पिता स्व. रामखिलावन श्रीवास निवासी अमेरी तहसील सकरी जिला बिलासपुर छ0ग0 द्वारा मौजा ग्राम अमेरी प.ह.नं. 43 तहसील सकरी जिला बिलासपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 122/45 रकबा 1500 वर्गफुट जो कि वर्तमान में रकबा 0.0010 हे.प्रदर्शित हो रहा है। जिसे सुधार किया जाकर रकबा 1500 वर्गफीट किये जाने हेतु छ.ग.भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115 के तहत आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त नोटिस के माध्यम से आपको सूचना दी जाती है कि आप दिनांक 13/08/2026 को समय 11:00 बजे इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष/ समर्थन में दस्तावेज प्रस्तुत करे। उक्त तिथी समय को उपस्थिति नहीं होने की स्थिति में आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही किया जाकर आपके खाते की भूमि खसरा नंबर 122/31 रकबा 0.0270 हे.में से विक्रय रकबे की कमी किया जाकर आवेदक के रकबे में समायोजन की कार्यवाही की जावेगी जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी आपकी होगी।

आज दिनांक 04/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) तखतपुर
जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

चंदा चोर कहां मिलेंगे, भाजपा के दफ्तर में, विपक्षियों नारे के बाद, भाजपा सांसद का पलटवार

आतंकवादी कहां मिलेंगे, कांग्रेस के दफ्तर में भड़के- खड़गे, राज्यसभा में जमकर हंगामा

संसद का मॉनसून सत्र पिछले तीन हफ्तों से चल रहा है, लेकिन विपक्ष के हंगामे से कार्यवाही बार-बार स्थगित हो जा रही है। कांग्रेस समेत समूचा विपक्ष जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रों के साथ हुई पुलिस 'बर्बरता', राम मंदिर में कथित चंदा चोरी जैसे मुद्दों पर सरकार को घेर रहा है। विपक्ष की ओर से 'चंदा चोर कहां मिलेंगे, बीजेपी के दफ्तर में' जैसे नारे लगाए जा रहे हैं, लेकिन गुरुवार को अचानक संसद का माहौल तब बदल गया, जब एक भाजपा सांसद ने इसी तरह के नारे के जरिए कांग्रेस को घेर लिया। राज्यसभा में महाराष्ट्र से आने वाले भाजपा सांसद अनिल बोंडे ने आतंकवादी कहां मिलेंगे, कांग्रेस के दफ्तर में नारे लगाए।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विपक्ष पिछले कई दिनों से गृह मंत्री अमित शाह को संसद में बुलाने की मांग कर रहा है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज फिर उस मांग को दोहराया कि 20 जुलाई को दिल्ली में छात्रों पर हुए पुलिसिया हमले पर गृह मंत्री सदन में आकर जवाब दें। विपक्ष चर्चा के लिए तैयार है। एक बार स्थगन के बाद दोपहर 12 बजे जब सदन में प्रश्नकाल की कार्यवाही शुरू हुई तो नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कुछ कहना चाहा। विपक्ष की नारेबाजी के बीच पर्यटन मंत्रालय से संबंधित पहला प्रश्न पूरा होने के बाद सभापति राधाकृष्णन ने उन्हें बोलने का मौका दिया। तब खरगे ने उनसे अनुरोध किया कि वह प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को सदन में आने का निर्देश दें।

भड़के खड़गे, बोले- अब क्या रिजिजू से सीखना पड़ेगासत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक के बीच सदन में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पर भड़क गए। खड़गे ने कहा कि उन्हें किरेन रिजिजू ससंदीय नियम न सिखाएं। सदन में क्या बोलना है और क्या नहीं, यह उनका अधिकार है। खड़गे ने आसन की ओर मुखातिब होते हुए कहा, सर, अगर मैं यहां रूल्स नहीं पढ़ूंगा, अगर अपना विषय पढ़कर नहीं बोलूंगा, तो क्या तुमने जो दिए, उसे मैं पढ़ूं?

क्या कहा भाजपा सांसद बोंडे ने

राज्यसभा में अनिल बोंडे ने कहा, "2014 के पहले बच्चा-बच्चा बोल सकता था कि कोयला चोर कहां मिलेंगे, कांग्रेस के दफ्तर में, भ्रष्टाचारी कहां मिलेंगे, कांग्रेस के दफ्तर में... बोला जाता था कि आतंकवादी कहां मिलेंगे, कांग्रेस के दफ्तर में, देशद्रोही कहां मिलेंगे कांग्रेस के दफ्तर में।" अनिल बोंडे के नारे लगाते ही बाकी भाजपा सांसद ने कांग्रेस के दफ्तर में बोलना शुरू कर दिया। हालांकि, इस दौरान उपसभापति हरिवंश ने अनिल बोंडे से ऐसा बोलने से मना किया, लेकिन सांसद बोलते रहे। उपसभापति ने साफ किया कि विषय पर ही बोलिए, सिर्फ वही रिकॉर्ड पर जाएगा।

विपक्ष का संसद परिसर में प्रदर्शन

कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सांसदों संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। सांसद लगातार संसद परिसर में प्रदर्शन कर अयोध्या स्थित राम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे की कथित चोरी के मामले की निष्पक्ष जांच तथा विभिन्न राज्यों में छात्रों के खिलाफ की गई कार्रवाई का मुद्दा उठा रहे हैं। संसद भवन के मकर द्वार के निकट एकत्र विपक्षी सांसदों ने हाथों में तख्तियां लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते रहे हैं। वे 'चंदा चोर कहां मिलेंगे, भाजपा के दफ्तर में', 'चंदा चोर, गद्दी छोड़' और 'अमित शाह जवाब दो' के नारे लगाते रहे हैं।

गृह मंत्री जवाब दें, हम सदन में सहयोग करेंगे : खड़गे

इस बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि विपक्ष संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से संचालित करने में सहयोग के लिए तैयार है, लेकिन जरूरी है कि गृह मंत्री अमित शाह छात्रों पर कथित बर्बरता के मामले में सदन में आकर जवाब दें। उन्होंने सवाल किया कि छात्रों पर लाठीचार्ज, पैलेट गन चलाने का निर्देश किसने दिया और आंसू गैस के गोले क्यों छोड़े गए? उन्होंने कहा, इन सवालों का जवाब देने के लिए गृह मंत्री अमित शाह को सदन में आकर बयान देना चाहिए।

रिजिजू ने विपक्ष को दिलाई संसदीय नियमों की याद

कार्यवाही स्थगित किए जाने से पहले, राज्यसभा में हंगामे के बीच बोलते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष व नेता प्रतिपक्ष पर संसदीय नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया। राज्यसभा में हंगामे के बीच किरेन रिजिजू ने विपक्ष को नियमों की याद दिलाई। राज्यसभा में सदन की कार्यवाही शुरू होने के कुछ देर तक शांति बनी रही। इसके ठीक बाद शून्यकाल की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने जमकर नारेबाजी की।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे धंसा पंखे से सुखाया जा रहा पैचवर्क

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को औद्योगिक राजधानी कानपुर से जोड़ने वाले लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे की हालत उद्घाटन के 18 दिन बाद ही बिगड़ गई। रिपोर्ट के मुताबिक, 63 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेसवे 18 दिन में 84 जगह धंस चुका है। इन सबके बीच एनएचएआई ने कहा कि जब तक काम नहीं होता, तब तक टोल नहीं वसूला जाएगा। वहीं पैचवर्क सुखाने के लिए 10 पंखे लगाए गए हैं। कानपुर लेन पर 39 जगह पैचवर्क हुआ है, जबकि लखनऊ लेन पर 45 जगह मरम्मत हुई है। अब कंपनी को नॉन-परफॉर्मर घोषित कर उसके ऊपर 2 प्रतिशत का जुर्माना लगाया है। उसके अधिकारियों को 2 साल के लिए प्रतिबंधित किया है।

भाजपा सांसद के भाई को मिला था ठेका

काम पूरा होने तक टोल टैक्स नहीं वसूला जाएगा

एनएचएआई ने कहा कि जब तक काम नहीं होता, तब तक टोल नहीं वसूला जाएगा। एक्सप्रेसवे का एक तरफ का टोल 275 रुपये और दोनों तरफ का 415 रुपये लग रहा है। यह एक्सप्रेस 4,700 करोड़ रुपये में बना है और एक किलमीटर सड़क बनाने में 75 करोड़ रुपये का खर्च आया है। इस एक्सप्रेसवे का उद्घाटन 13 जुलाई, 2026 को हुआ था।

भाजपा सांसद के भाई को मिला था ठेका

गौरतलब है कि एक्सप्रेसवे बनाने का ठेका भाजपा के राज्यसभा सांसद नवीन जैन के भाई प्रदीप जैन की कंपनी पीएनसी इंफ्राटेक कंपनी को दिया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, पीएनसी इंफ्राटेक कंपनी पर अक्टूबर 2024 को नए टेंडर में भाग लेने पर प्रतिबंध लगाया गया था। कंपनी पर आरोप लगा था कि उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को रिश्वत दी थी।

'अग्नि-4' बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली। भारत ने गुरुवार को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-4' का सफल परीक्षण किया। मिसाइल का परीक्षण सामरिक बल कमान ने किया। रक्षा मंत्रालय ने कहा इस प्रक्षेपण के दौरान सभी परिचालन और तकनीकी मानकों का सफलतापूर्वक सत्यापन हुआ। यह परीक्षण सामरिक बल कमान के तत्वावधान में किया गया। मंत्रालय ने कहा कि ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-4' का सफल परीक्षण किया गया।

कार्यालय कलेक्टर
(महिला एवं बाल विकास विभाग)
पांच बिल्डिंग परिसर, जिला-दुर्ग (छ.ग.)
Phone No.: 0788-2323704, E-Mail ID: dpodurg@gmail.com

क्रमांक/1712/मबावि/सावि/2026-27 दुर्ग, दिनांक 04/08/2026

"मिशन शक्ति अंतर्गत सखी निवास में रिक्त पदों की पदपूर्ति हेतु आवेदकों से दावा आपत्ति के निराकरण पश्चात मेरिट सूची जारी करने के संबंध में"

महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला-दुर्ग द्वारा मिशन शक्ति अंतर्गत सखी निवास में रिक्त पदों की पदपूर्ति हेतु में रिक्त पदों हेतु प्राप्त आवेदनों का दावा आपत्ति के निराकरण पश्चात मेरिट सूची जारी की जाती है। इस सूची का अवलोकन जिले की वेबसाईट www.durg.gov.in एवं कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला-दुर्ग के सूचना पटल पर किया जा सकता है। कौशल परीक्षा / साक्षात्कार आयोजन की सूचना पृथक से दी जावेगी।

जिला कार्यक्रम अधिकारी
महिला एवं बाल विकास विभाग
ज़िला-दुर्ग (छ.ग.)

जी. 262702595/1

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION CO. LTD.
(A Government of Chhattisgarh Undertaking) CIN- U40108CT2003SGC0158200 GSTIN-22AADCC5773E1ZX
OFFICE OF THE EXECUTIVE DIRECTOR (SUB-STATION)
Transmission Building, CSPTCL Tifra, Bilaspur (C.G.) 495001
Website- www.cspc.co.in e-mail:- cessonm.bilaspur@cspc.co.in Ph. No. 07752-493537 Fax No. 07752-493537

No. 02-17/Pur/T-648/1191 Bilaspur, Date: 06/08/2026

NOTICE INVITING TENDER

Sealed tenders are invited from eligible experienced contractor on labour contract basis for the following works:-

SN	Tender No.	Particulars	E.M.D
01.	02-17/ Tender/ T-648/1191 Dtd.06.08.2026 (RFx. No. 8100053514)	Job work for detailed health earth assessment audit/ analysis on earthing system of 220 KV, 132 KV and 33 KV bays based on latest relevant standard and detail with optimal implementable solution for various EHV sub-stations under EE (S/s) Dn. CSPTCL, Raigarh through on company's e-bidding portal only.	49,600.00
Cost of Tender Documents (Non-refundable) incl. GST@18%			5,000.00
Last Date & Time of Sale of Tender: -		01/09/2026	15:00 Hrs
Last Date & Time of Submission of Tender:-		02/09/2026	15:00 Hrs
Date & Time of Opening of Tender :-		02/09/2026	15:30 Hrs

Note:- (i) In case any of the above date is declared as holiday, then the particular date will automatically get shifted to next working day.(ii) Any notice for extension of due date of tender opening shall not be published in newspapers. It will be displayed only on official website of the company.(iii) The tender will be processed through e-bidding module of SAP-SRM. Bidders are advised to visit our web site www.cspc.co.in/csptcl for viewing detailed instructions regarding submission of offer through SAP-SRM

SAVE ELECTRICITY
EXECUTIVE DIRECTOR (SUB-STATION)
CSPTCL Bilaspur

हथियारों का बड़ा जखीरा मौजूद नए हथियार भी बन रहे

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका के पास हथियारों का बड़ा जखीरा मौजूद है और जरूरत के मुताबिक नए हथियार भी तेजी से तैयार किए जा रहे हैं। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि अमेरिकी रक्षा कंपनियां इतिहास में सबसे ज्यादा नए प्लांट और फैक्ट्रियां बना रही हैं। ट्रम्प ने सेना से जुड़ी सीक्रेट जानकारियां लीक करने वालों को भी कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की पहचान की जा रही है उन्हें लंबी जेल की सजा दी जाएगी।

हालांकि, ट्रम्प ने यह नहीं बताया कि वह किस सीक्रेट जानकारी लीक का जिक्र कर रहे हैं। दरअसल, कुछ अखबारों में मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से दावा किया गया है कि अमेरिकी सेना के पास हथियार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका के पास थॉड और एटीएसीएमएस सहित कई लंबी दूरी की मिसाइलों का जखीरा समाप्त हो गया है।

हथियारों की कमी पर बोले ट्रम्प

सीक्रेट लीक करने वालों को लंबी जेल होगी

48 घंटे में होर्मुज डील पर तस्वीर होगी साफ

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान के साथ बातचीत में अच्छी प्रगति हुई है और अगले 48 घंटे में समझौते की स्थिति साफ हो जाएगी। इधर ईरान ने कहा कि ओमान से समझौते के बाद भी होर्मुज पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि ओमान के साथ सहमति बनने का मतलब यह नहीं है कि होर्मुज स्ट्रेट का खतरा खत्म हो गया। अमेरिका का सैन्य दबाव जारी रहा तो सुरक्षा जोखिम भी बना रहेगा।

Home First Finance Company India Limited — **कब्जा सूचना**
CIN: L65990MH2010PLC240703 Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

संदर्भ: सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 के उप-नियम (1) के तहत कब्ज़ा नोटिस

चूंकि अधोहस्ताक्षरी, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी होने के नाते, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 के अधिनियम संख्या 54) के तहत नीचे दी गई संबंधित तिथियों पर जारी मांग सूचना के अनुसरण में एवं सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आप/उधारकर्ताओं, अधोनामों से संबंधित नोटिस प्राप्त होने की तिथि से 60 दिनों के भीतर बकाया राशि का भुगतान करने का आह्वान करते हैं। आप/सभी ऋणधारक निर्धारित समय के अंदर उक्त बकाया राशि का भुगतान करने में विफल रहे हैं, इसलिए **होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड**, सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13 की उपधारा (4) के प्रावधानों के तहत प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए और उसके अंतर्गत नियमों का पालन करते हुए, नीचे उल्लिखित गिरवी संपत्तियों पर **कब्जा** कर लिया है:

क्र. सं.	ऋणधारकों / सह-ऋणधारकों/ जमानतदारों के नाम	बंधक रखी गई संपत्ति का विवरण	मांग सूचना की तिथि	मांग सूचना की तिथि को कुल बकाया राशि (रूपये में)	कब्जा की तिथि
1.	बजरंग बघेल, चित कुमारी बघेल	मकान-248/3 (भाग), प.ह.नं. 41, मौजा सैदा, ख.नं. 248/3 (भाग), प.ह.नं. 1, मौजा सैदा, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001, चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-निस्तारी रास्ता, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	03-06-2026	994,243	04-08-2026
2.	उषा कोरडा, राम बिश्वाल	प्लॉट-ख.नं. 1061/41, मौजा सिरगिट्टी, प.ह.नं. 41, रा.नि.मं. बिलासपुर, तहसील व जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001। चौहद्दी: पूर्व-सड़क, पश्चिम-विक्रेता का प्लॉट, उत्तर-चंद्र शेखर का प्लॉट, दक्षिण-25 फीट चौड़ी सड़क।	03-06-2026	1,166,254	04-08-2026
3.	लाला दास, तरुण दास मानिकपुरी, सरिता मानिकपुरी	प्लॉट-मौजा पत्थरखान, ख.नं.- 126/114, प.ह.नं. 30, मौजा पत्थरखान, तहसील बिल्हा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495224, चौहद्दी: गोविंद एवं कोमल का पूर्व-प्लॉट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर- चंद्रप्रकाश पांडे का प्लॉट, दक्षिण-चंद्रप्रकाश पांडे का प्लॉट।	03-06-2026	952,755	04-08-2026
4.	दुर्गेश साहू, जानकी साहू	मकान-मौजा मुढ़ीपार, मौजा - मुढ़ीपार, ख.नं.360/1, प.ह.नं.9, रा.नि.मं. -बिल्हा, तह.- बिल्हा, जिला - बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495006। चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम- विक्रेता की भूमि, उत्तर-जगन्नाथ दुरी की भूमि, दक्षिण-निस्तारी रास्ता।	03-06-2026	860,725	04-08-2026
5.	हरि प्रसाद तम्बोली, संध्या तम्बोली	प्लॉट-प.ह.नं.- 24/41, मौजा सैदा, ख.नं. 250/13 भाग, प.ह.नं. 41 रा.नि.मं. सकरी मौजा सैदा, तहसील सकरी एवं जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001। चौहद्दी: पूर्व- विक्रेता की शेष भूमि, पश्चिम- गीता कश्यप की भूमि, उत्तर-रास्ता, दक्षिण-विमला बाई की भूमि।	03-06-2026	688,752	04-08-2026

ऋणधारक द्वारा राशि का भुगतान न कर पाने की स्थिति में, ऋणधारक/जमानतदार तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के नियम 8 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उपरोक्त तिथि से अधोहस्ताक्षरी ने उपर्युक्त वर्णित संपत्ति पर कब्जा कर लिया है।

ऋणधारकों/जमानतदारों तथा आम जनता को चेतावनी दी जाती है कि वे उपरोक्त संदर्भित संपत्तियों/प्रतिभूतियों या उनके किसी भी भाग से संबंधित कोई भी लेन-देन न करें और उक्त संपत्तियों/प्रतिभूतियों से संबंधित कोई भी लेन-देन होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा, जो ऊपर उल्लिखित राशि के लिए संपत्तियों/प्रतिभूतियों के विरुद्ध देय है और **पूर्ण भुगतान होने तक उस पर ब्याज सहित देय है।**

ऋणधारक का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के उन प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है, जो प्रतिभूत संपत्ति को छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय से संबंधित हैं।

स्थान: बिलासपुर, दिनांक: 07-08-2026
अधिकृत अधिकारी: होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

राशिफल

मेष — धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृष — वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

मिथुन — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

सिंह — सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कन्या — किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

तुला — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

धनु — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर — व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

कुंभ — मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

मीन — परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

बेटी की हत्या के आरोप में पिता गिरफ्तार

भदोही। भदोही जिले के एक गांव में पारिवारिक झगड़े में बीच-बचाव करने पहुंची बेटी को उसके पिता ने सिर पर वार करके घायल कर दिया जिससे उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया गया कि राजेश के भाई संतोष यादव की पत्नी रानी का देवर राजेश यादव से विवाद हुआ। इसके बाद राजेश अपनी भाभी को लकड़ी से मारने लगा।

कार्यालय नगर पालिका परिषद दीपका जिला-कोरबा (छ.ग.)
Ph.:07815 239299, Pin:495452, e-mail:dipkacmo@rediffmall.com

क्रमांक/2041/निर्माण/न.पा.प./2026 दीपका, दिनांक : 06.08.2026

द्वितीय ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से निम्नलिखित कार्य करने हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि	रिमार्क
1	वार्ड क्र. 10 में बस स्टैण्ड का विकास कार्य।	42.56	22.08.2026 (T.No. 196746)	अमानत राशि, प्रोसेसिंग शुल्क, शपथ पत्र एवं दस्तावेजों को बंद लिफाफा में पंजीकृत डॉक से जमा करने की अंतिम तिथि 27.08.2026 दोपहर 5.00 बजे तक एवं निविदा खोलने की तिथि 31.08.2026 सायं 4.00 बजे से नियत है।

उपरोक्त निर्माण कार्य की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

"नगर पालिका के करों का भुगतान समय-सीमा में अवश्य करें"

मुख्य नगर पालिका अधिकारी,
नगर पालिका परिषद् दीपका
जिला-कोरबा (छ.ग.)

शब्द पहेली - 6310

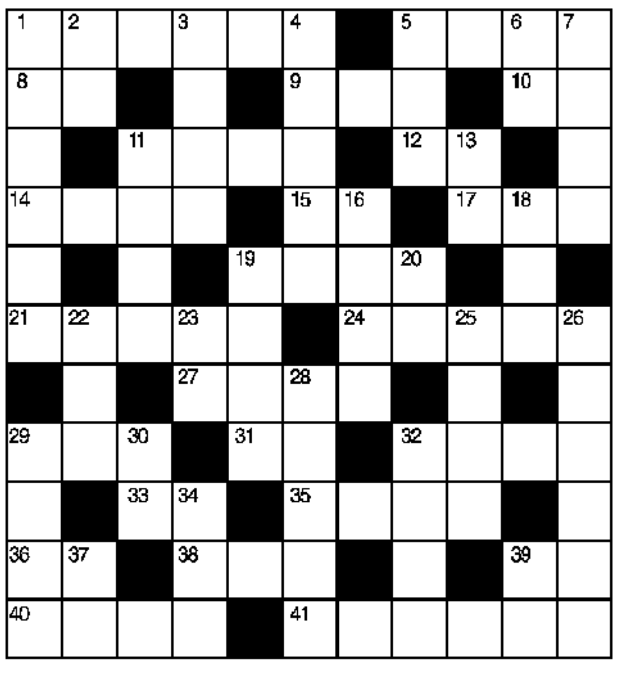

बाएँ से दाए
1. अत्यावश्यक-6
5. कारागार, जेल-4
8. पानी, नीर-2
9. मीन, मत्स्य-3
10. लक्ष्मी, कमला-2
11. कलाकार, फनकार-4
12. मर्द, मादा का विलोम-2
14. हसरत, मुराद-4
15. कैद में, अवरुद्ध, रुका-2
17. भूमि, धरती-3
19. मतवाला, मदहोश-4
21. फिल्मी दुनिया-3,3
24. दुर्भाग्यशाली-5
27. ठोकर लगना, भिड़ना-4
29. दौंडी पीटना-3
31. सांप, सर्प-2
32. दाल-4
33. हूर, अप्सरा-2
35. गाड़ी चलाने वाला-4
36. पिता का छोटा भाई-2
38. पुत्र, बेटा-3
39. टौंटी, नलका-2
40. ललचाना, तड़फाना-4
41. टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे
1. ईश्वर, अनश्वर-3,3
2. तेलहन-2
3. सुखद वस्तु, वर देना-4
4. करधनी, कमर पेटी-5
5. गलीचा-3
6. दिन-2
7. समस्या का हल-4
11. धरोहर, थाती-4
13. मिट्टी, धूल-2
16. चमकना-4
18. वायुसेना का एक विमान-3
19. इतराना-4
20. परत-2
22. जाप करना-3
23. किवाड़, द्वार-2
25. उदाहरणत:-4
26. परवरिश-3,3
28. राग छेड़ना-5
29. भेंट, मेल-मिलाप-4
30. दिया, दीपक-2
32. औषधालय, दवाखाना-4
34. खाली होना-3
37. छोटी सवारी गाड़ी-2
39. नया, नवीन-2

शब्द पहेली - 6309 का हल

सूडोकु नवताल- 6320

★★★ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6319 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

प्रथम पृष्ठ का शेष

भ्रम फैलाकर जीती...

सवाल: प्रभारी मंत्री बनने के बाद कितने कार्यकर्ताओं को जोड़ पाए, संगठन को कितनी मजबूती मिली?
जवाब: विधानसभा चुनाव में सक्ती और आसपास के जिलों में भाजपा को उतनी सफलता नहीं मिल पाई थी। लोकसभा चुनाव के दौरान सभी विधानसभा क्षेत्रों का दौरा किया गया। कार्यकर्ताओं को संगठित करते हुए जोड़ा गया। उसी का नतीजा बेहतर परिणाम के रूप में सामने आया।
सवाल: क्षेत्र के वरिष्ठ नेता डॉ. चरणदास महंत से संबंध कैसे हैं?
जवाब: डॉ. चरणदास महंत क्षेत्र के नहीं, प्रदेश के वरिष्ठ नेता हैं। उनका पूरा सम्मान है। उनसे पुराने संबंध रहे हैं, जो आज भी उसी तरह प्रगाढ़ हैं। राजनीति के कई गुर उनसे ही सीखे हैं। क्षेत्र में विकास और कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने में उनका सहयोग हमेशा मिलता रहा है। सभी का यही मानना है कि योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए।
सवाल: सक्ती जिला तो बन गया है, इसे विकास के पथ पर कैसे दौड़ाएंगे?
जवाब: सक्ती चार साल पहले ही जिला बना है। यहां विकास की अपार संभावनाएं हैं, जिन पर काम किया जा रहा है। कंपोजिट बिल्डिंग बनकर तैयार हो गई है और कलेक्टोरेट भवन का निर्माण अंतिम चरण में है। एक बड़ा जिला अस्पताल भी बनाया जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में आत्मानंद स्कूलों को मजबूत किया जा रहा है। शिक्षकों की नियुक्ति के साथ ही बजट का अधिक आवंटन भी किया जा रहा है। इस नए जिले पर राज्य शासन और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का विशेष ध्यान है।
सवाल: सक्ती जिले का आईटीआई बदहाल होने की शिकायत है, इस पर क्या कहेंगे?
जवाब: इसकी जानकारी मिलने के साथ ही आईटीआई को बेहतर बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार यहां नए ट्रेड भी शुरू किए जा रहे हैं। फरवरी में राज्य सरकार के बजट में यहां नई बिल्डिंग का भी प्रस्ताव रखा गया है। इसके अलावा केंद्र सरकार की पीएम सेतु योजना के तहत हर संभाग में 6 से 7 आईटीआई खोले जाएंगे। प्रत्येक आईटीआई के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान है। इस बजट से सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराते हुए युवाओं को तकनीकी कौशल में दक्ष बनाया जाएगा।
सवाल: सक्ती जिले में तीन बड़े पावर प्लांट हैं। 6000 हेक्टेयर जमीन उनके पास है, लेकिन उनके द्वारा क्षेत्र के विकास के लिए कोई काम नहीं किया जा रहा है?
जवाब: क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की ओर से इसकी शिकायत की गई है। जिला प्रशासन के माध्यम से पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। पावर प्लांट के अधिकारियों को भी बुलाकर सीएसआर के माध्यम से विकास कार्य कराए जाएंगे।
सवाल: सक्ती में पलायन एक बड़ी समस्या है। इस पर कैसे रोक लगाएंगे?
जवाब: इसके लिए विशेष प्रयास जारी हैं। किसानों को समृद्ध किया जा रहा है। भाजपा सरकार 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य दे रही है और 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान की खरीदी हो रही है। बिहान योजना का भी संचालन किया जा रहा है। रोजगार के विशेष प्रयास के तहत हर जिले में रोजगार मेले लगाए जा रहे हैं। इससे निश्चित तौर पर पलायन रुकेगा।
सवाल: रेत के अवैध उत्खनन के साथ ही राखड़ भी एक बड़ी समस्या बन गई है?
जवाब: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। सरकार ने साफ कर दिया है कि अवैध खनन किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नई रेत खदानें भी स्वीकृत की जा रही हैं।
सवाल: सक्ती जिले में प्रभारी मंत्री के तौर पर आते हैं तो सबसे पहले किससे मिलते हैं?
जवाब: भाजपा की सरकार जनता के बीच रहकर जनता के लिए काम करती है। जनता ने हमें वोट देकर जिताया है, इसलिए उनके लिए ही काम करना है। जब भी जिले में आता हूं, कोशिश रहती है कि सरकार की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाया जाए। कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर चर्चा होती है और संगठन की मजबूती पर काम किया जाता है।
सवाल: यहां का संगठन इतना मजबूत क्यों नहीं है कि तीनों विधानसभा सीटों पर हार मिली?
जवाब: जिले की तीनों विधानसभा सीटों पर हार जरूर मिली है, लेकिन यह कहना गलत होगा कि संगठन में कमी है। कांग्रेस ने संविधान और आरक्षण खतरे में होने का भ्रम फैलाकर चुनाव जीता। अगली बार ऐसा नहीं होगा और तीनों सीटों पर भाजपा की जीत तय है।

डॉ. महंत ने कहा-...

को चुनाव लड़ना है। उस समय चांपा, जैजैपुर, चंद्रपुर और सक्ती सीटों पर चर्चा हुई। कार्यकर्ताओं ने चांपा से चुनाव लड़ने का सुझाव दिया। हमने उनकी बात मानी और क्षेत्र की जनता ने हमें अपना आशीर्वाद दिया।
सवाल: क्या सोचकर सक्ती को जिला बनाया गया?
जवाब: सक्ती विधानसभा से चुनाव लड़ने के दौरान ही यहां के लोगों की प्रमुख मांग जिला बनाने की थी। करीब 20 वर्षों से इस दिशा में प्रयास हो रहे थे। चुनाव जीतने के बाद उस वादे को पूरा करना हमारा दायित्व था। अब पूरा प्रयास है कि जिले को विकास की दिशा में आगे बढ़ाया जाए।
सवाल: सरकार बदलने के बाद जिले के विकास पर क्या असर पड़ा?
जवाब: कांग्रेस सरकार ने जिला बनने के साथ ही यहां सभी जरूरी सुविधाओं पर काम शुरू कर दिया था। करीब 800 करोड़ रुपये के विकास कार्य स्वीकृत होकर शुरू हो चुके थे। लेकिन पिछले ढाई वर्षों में भाजपा सरकार ने सक्ती जिले को केवल 1 करोड़ 38 लाख रुपये दिए हैं। इतना ही नहीं, कांग्रेस सरकार के समय स्वीकृत लगभग 100 करोड़ रुपये के कार्य भी निरस्त कर दिए गए। इसका असर विकास पर साफ दिखाई दे रहा है।
सवाल: सक्ती जिला तो बन गया, अब इसके लिए आपके क्या सपने हैं?
जवाब: मैं व्यक्तिगत रूप से कोई सपना नहीं देखता। कार्यकर्ता और जनता जो मांग करते हैं, उन्हें पूरा करने की कोशिश करता हूं। जिले में सड़कों का काम तेजी से चल रहा है। जिला मुख्यालय भवन का निर्माण हो रहा है। मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जहां तक प्रशासनिक भवनों के शहर से लगभग 10 किलोमीटर दूर बनने का सवाल है, वहां आसपास पर्याप्त सरकारी जमीन उपलब्ध नहीं थी, इसलिए ऐसा करना पड़ा।
सवाल: कांग्रेस के पांच साल और भाजपा के ढाई साल के कार्यकाल को किस रूप में देखते हैं?
जवाब: नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद मैंने स्वयं 136 बिंदुओं का प्रस्ताव भाजपा सरकार को दिया था। इस पर चर्चा होनी थी, लेकिन सरकार ने एक भी बिंदु पर जवाब नहीं दिया। पिछले ढाई वर्षों में भाजपा सरकार ने कांग्रेस को कोसने के अलावा कोई उल्लेखनीय काम नहीं किया।
सवाल: कांग्रेस ने पांच साल सरकार चलाई, फिर 2023 का चुनाव कैसे हार गई?
जवाब: जनता का जनादेश कांग्रेस ने पूरी विनम्रता से स्वीकार किया है। शायद हम सब मिलकर उतनी ईमानदारी और प्रभावी ढंग से काम नहीं कर सके, यही सबसे बड़ा कारण रहा। लेकिन अब परिस्थितियां बदल रही हैं। ढाई साल बाद राज्य और केंद्र दोनों जगह आपको बदलाव दिखाई देगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय स्वतंत्र रूप से निर्णय नहीं ले पा रहे हैं। दिल्ली से जो निर्देश आते हैं, उन्हीं के अनुसार काम हो रहा है। भूपेश बघेल सरकार ने अपने स्तर पर निर्णय लिए और विशेष रूप से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर ध्यान दिया।
सवाल: अगले चुनाव में आपको मुख्यमंत्री के रूप में देखा जाए या राज्यसभा में?
जवाब: महत्वाकांक्षाएं हर व्यक्ति की होती हैं। राज्यसभा देश का उच्च सदन है, इसलिए वहां जाने की इच्छा जरूर है। लेकिन अंतिम फैसला कांग्रेस हाईकमान का होगा और वही मुझे स्वीकार होगा।
सवाल: राज्य गठन के बाद डॉ. रमन सिंह, भूपेश बघेल और विष्णुदेव साय तीन मुख्यमंत्री रहे हैं। तीनों को किस रूप में देखते हैं?
जवाब: डॉ. रमन सिंह के पिता और मेरे पिता सहपाठी रहे हैं, इसलिए उनसे आज भी पारिवारिक और मधुर संबंध हैं। उन्होंने कई अच्छे काम किए, कुछ गलतियां भी हुईं। शायद यही कारण रहा कि 15 साल बाद कांग्रेस की सरकार बनी। जहां तक विष्णुदेव साय सरकार का सवाल है, उन्हें अभी अपने हिसाब से काम करने का पूरा अवसर ही नहीं मिला है।
सवाल: क्या डा.चरणदास महंत अब वानप्रस्थ या संन्यास लेने की तैयारी में हैं?
जवाब: ऐसा बिल्कुल नहीं है। अभी तो बहुत कुछ सीखना भी है और नई पीढ़ी को सिखाना भी है।

6671 स्कूलों में...

जिसमें 1 हजार 264 करोड़ रुपए के काम तीन महीने में हुए। ये 1 जुलाई से ये लागू हुआ है।

कल्याण ज्वेलर्स में...

पंडरी स्थित कल्याण ज्वेलर्स में डकैती डालने वाले थे। **योजना में पांच बदमाश शामिल थे** -पूछताछ में पुलिस को पता चला है, योजना में पांच बदमाश शामिल थे।

13 साल पुराने...

गौरतलब है कि 25 मई 2013 को हुए बहुचर्चित झीरमकांड जिसमें 250 से अधिक हथियारबंद नक्सलियों ने सुकमा परिवर्तन यात्रा से लौट रहे कांग्रेस के काफिले पर घात लगाकर हमला किया था।

जेन जी को...

लीक प्रोटेस्ट पर युवाओं के विरोध और लोकतांत्रिक बातचीत का जिक्र करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध बातचीत का एक जरिया है। उन्होंने कहा, लोकतंत्र बातचीत के बाद आम सहमति बनाने का एक तरीका है। शिकायतें जायज़ हैं और हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में बहुत कुछ सुधारने की जरूरत है, इसलिए बातचीत जरूरी है। भागवत ने कहा कि पहले की पीढ़ियां शायद ही कभी अधिकारियों से सवाल पूछती थीं, लेकिन जेन जी और जेन अल्फा सवाल पूछते हैं और सहानुभूति के साथ तार्किक जवाब चाहते हैं। उन्होंने कहा, हम कभी अधिकारियों से सवाल नहीं पूछते थे, लेकिन जेन जी और जेन अल्फा अधिकारियों से सवाल पूछते हैं और तार्किक जवाब चाहते हैं, वह भी प्यार के साथ। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि वह कभी भी जेन जी से विरोध न करने के लिए नहीं कहेंगे। हालांकि उन्होंने ज़ोर दिया कि लोकतंत्र में ऐसी अभिव्यक्ति के लिए सही रास्ता होना चाहिए। भागवत ने कहा, मैं कभी नहीं कहूंगा कि जेन जी को विरोध नहीं करना चाहिए, लेकिन लोकतंत्र में इसके लिए एक रास्ता भी होना चाहिए। हमें यह देखना होगा कि अगर युवा आवाज उठा रहे हैं, तो यह विरोध के लिए नहीं, बल्कि सुधार के लिए है। उन्होंने कहा कि सिस्टम में कमियां हैं जिन्हें ठीक करने की जरूरत है और छात्रों को अपनी आवाज उठाने और सुधार की मांग करने का लोकतांत्रिक अधिकार है। उन्होंने जोर दिया कि सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से किए गए विरोध को लोकतांत्रिक भागीदारी की जायज़ अभिव्यक्ति के रूप में देखा जाना चाहिए। **आंदोलन करना राष्ट्रविरोधी नहीं**-मोहन भागवत ने कहा कि अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करने वाले युवाओं को राष्ट्रविरोधी नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि ये युवा इसी देश के नागरिक हैं और देश का भविष्य हैं। लोकतंत्र में आंदोलन अपनी बात रखने, संवाद शुरू करने और सहमति बनाने का एक वैध माध्यम है। उन्होंने कहा कि किसी भी मतभेद का समाधान बातचीत और आपसी सम्मान से ही संभव है। उन्होंने यह भी कहा कि समस्याओं का समाधान भारतीय संविधान के दायरे में ही तलाशा जाना चाहिए। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर द्वारा दिए गए सांविधानिक मार्ग पर चलकर ही लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत हो सकती है। **आज का युवा हर बात पर सवाल पूछता है...**

—भालू के हमले ...

संसाधनों के बावजूद मेहनत और लगन से अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे थे।

मलेरिया मुक्त बस्तर...

वर्ष 2024 में 12 लाख 52 हजार 634 लोगों की जांच में 4496, वर्ष 2025 में 28 लाख 31 हजार 647 लोगों की जांच में 16544, वर्ष 2026 में अब तक 22 लाख 29 हजार 558 लोगों की जांच में 15934 मलेरिया के पॉजिटिव रहे। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारिक आंकड़ों के अनुसार इस साल जनवरी से अब तक बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा में मलेरिया के मरीज ज्यादा मिले हैं।

अनुकंपा नियुक्ति के...

माता तारा मिश्रा ने वर्ष 2013 को राज्य शासन की अनुकंपा नीति के तहत अपनी बेटी और मृतक की बहन अमिता दुबे को अनुकंपा नियुक्ति देने की मांग करते हुए आवेदन प्रस्तुत किया। राज्य सरकार के गृह एवं सामान्य प्रशासन विभाग ने 19 सितंबर 2019 को यह कहते हुए आवेदन खारिज कर दिया था कि नीति में विवाहित बहन को अनुकंपा नियुक्ति देने का कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। राज्य शासन के आदेश खिलाफ पीड़ित परिवार ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की और तर्क दिया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा कुलसुम निशा विरूद्ध उत्तर प्रदेश राज्य एवं सायरा खातून विरूद्ध बिहार राज्य के मामलों में दिए गए फैसलों के अनुसार केवल शादी हो जाने से किसी बेटी या बहन का अपने मूल परिवार से नाता खत्म नहीं होता। शासन की नीति में स्पष्ट उल्लेख है कि अविवाहित शासकीय सेवक के निधन पर माता-पिता की अनुशंसा पर उसके भाई-बहन को नियुक्ति दी जाएगी और जब विवाहित बेटे या भाई को अलग नहीं किया जाता तो केवल शादीशुदा होने के आधार पर बहन के साथ भेद करना संविधान के अनुच्छेद का उल्लंघन है।

पीडब्ल्यूडी में अटैचमेंट...

ग्रहण करना होगा। सरकार का कहना है कि समय-समय पर जारी परिपत्रों में स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि शासन की अनुमति के बिना विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों का संलग्नीकरण नहीं किया जाएगा। इसके बावजूद विभाग के प्रमुख अभियंता तथा अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा कई मामलों में बिना अनुमति संलग्नीकरण किए जाने की जानकारी शासन के संज्ञान में आई। इसी के बाद यह कड़ा आदेश जारी किया गया है। **उल्लंघन करने वाले अधिकारियों पर होगी कार्रवाई**-सरकार ने आदेश में स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि बिना अनुमति संलग्नीकरण या अतिरिक्त प्रभार दिया गया अथवा इन निर्देशों का उल्लंघन हुआ तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी और इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारी की होगी। विभाग ने सभी प्रमुख अभियंता, मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता और कार्यपालन अभियंताओं को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

न्यायालय तहसीलदार कांसाबेल, जिला-जशपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./ /अ-19(3)/2025-26
ग्राम चेटबा - तहसील कांसाबेल
// ईश्तहार//

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम चेटबा को सूचित किया जाता है, आवेदक कार्यपालन यंत्री छ.ग. राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्या. पत्थलगांव जिला जशपुर द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राम चेटबा में नवीन 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र की स्थापना हेतु ग्राम चेटबा स्थित भूमि खसरा नं. 187/1 रकबा 10.724 हे. में से रकबा 0.520 हे. भूमि की मांग कलेक्टर महोदय जशपुर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करने पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बगीचा के माध्यम से मूल प्रकरण जांच प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है।

अत: इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा / आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह स्वयं अथवा अपने किसी वैध प्रतिनिधि के माध्यम से अपना आपत्ति दिनांक 20/08/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। बाद में प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06/08/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
कांसाबेल
जिला-जशपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार कांसाबेल, जिला-जशपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./ /अ-19(3)/2025-26
ग्राम- बटईकेला, तहसील कांसाबेल
// ईश्तहार//

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम बटईकेला को सूचित किया जाता है, आवेदक कार्यपालन यंत्री छ.ग. राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्या. पत्थलगांव जिला जशपुर द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राम बटईकेला में नवीन 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र की स्थापना हेतु ग्राम बटईकेला स्थित भूमि खसरा नं. 1026/1 रकबा 5.289 हे. में से रकबा 0.550 हे. भूमि की मांग कलेक्टर महोदय जशपुर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करने पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बगीचा के माध्यम से मूल प्रकरण जांच प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है।

अत: इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा / आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह स्वयं अथवा अपने किसी वैध प्रतिनिधि के माध्यम से अपना आपत्ति दिनांक 20/08/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। बाद में प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06/08/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
कांसाबेल
जिला-जशपुर (छ.ग.)

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग
• Hearing Aids
• दंत रोग
• मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी
• चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग
» बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड
» बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें।
रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें।
ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
HMS देखकर खरीदें
हर्बल लेप शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घंटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप पुछ जाए तो पुन: लगा दें।
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- Evincepub Publishing, कोनी (बिलासपुर) में बुक पब्लिशिंग हेतु कंप्यूटर ऑपरेटर (लड़के/लड़कियाँ) चाहिए। MS Word, Excel एवं Canva का ज्ञान आवश्यक। संपर्क: 6260711728, 91718 10321 (41579)

आवश्यकता है- Vespa टूव्हीलर शोरूम में अनुभवी स्मार्ट सेल्स ऑफिसर युवती की आवश्यकता है योग्यता ग्रेजूएट, वेतन योग्यता अनुसार बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- मां वैष्णवी मोटर्स पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 9179999901, 8878073373 (41575)

आवश्यकता है- मोबाईल दुकान में कार्य करने हेतु दो युवकों की तत्काल आवश्यकता है। योग्यता 10वीं पास सैलरी 12000 अतिशीघ्र सम्पर्क करें- हरमन सेल्स पंजाबी कॉलोनी दयालबंद बिलासपुर 7000470007 (41583)

आवश्यकता है- एफएमसीजी एजेन्सी में कम्प्यूटर बिलिंग, कार्य करने हेतु बिलासपुर शहर के निवासी 18 से 25वर्ष के लड़के चाहिए। सम्पर्क करें- शाम 5बजे के बाद पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 70671 24226, 9893081826 (41577)

आवश्यकता है-Bengal Sweets फैक्ट्री में एक कुक, एक बर्तन साफ करने वाले, एक चाट वाले की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। रहने, खाने की सुविधा है। इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- 9343335328 (41556)

आवश्यकता है- Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 एवं रहना खाना, सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा, बिलासपुर 88188 77406, 9644433021, 07752-337082 (41563)

आवश्यकता है- घरेलू/ऑफिस ऊपरी कार्य हेतु 10वीं, 12वीं पास लड़का (बाइक चलाना आता हो, वेतन 7500) एवं घरेलू कुकिंग हेतु महिला कुक चाहिए सम्पर्क करें- पुराना बस स्टैंड बिलासपुर 70671 24226. 9238421379 (41578)

आवश्यकता है- ट्रामा केयर एण्ड नर्सिंग होम में वार्ड बॉय एवं गार्ड की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- अंकुर ट्रामा केयर एण्ड नर्सिंग होम मिनोचा कॉलोनी बिलासपुर 9827162325, 7400730011 (41574)

आवश्यकता है- अनुभवी रिसेपशनिस्ट हॉस्पिटल मैनेजमेंट, हॉस्पिटल के प्रचार प्रसार हेतु अनुभवी PRO (पब्लिक रिलेशन ऑफिसर) फील्ड वर्क, लैब टेक्नीशियन। पता- प्रभा हॉस्पीटल, महामाया चौक, रतनपुर रोड, लोधीपारा सरकंडा बिलासपुर 74709 46314, 6261971453 (41580)

आवश्यकता है- कृष्णा प्रीमियम करबला रोड, पुराना बस स्टैंड, बिलासपुर में मेंस वियर, किड्स वियर, साड़ी हाउस, सूट काउंटर हेतु अनुभवी सेल्समैन एवं सेल्सगर्ल की। अनुभव अनुसार वेतन+ इंसेंटिव। सम्पर्क करें- 7566285241 (41570)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें-विकास मेडिकल स्टोर जाजोदिया धर्मशाला, कम्पनी गार्डन के पास बिलासपुर (41576)

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 17000 सुपरवाइजर 20000 फील्ड अधिकारी 18000 कंप्यूटर ऑपरेटर 15000 -20000 टेंडर कार्य, मेस सुविधा ,आवास फ्री संपर्कः- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालयः- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 7747000016 (815)

आवश्यकता है- जयभोले सुपर बाजार में सेल्समैन, सेल्सगर्ल, हेल्पर, पैकिंग स्टाफ, स्टोर कीपर, डिलीवरी बॉय चाहिए आकर्षक वेतन, अनुभवी/ फ्रेशर सम्पर्क करें- सुबह 11बजे के बाद सिंधी कॉलोनी कारगिल चौक, बिलासपुर 7000762795 (41581)

आवश्यकता है- कम्प्यूटर आपरेटर अकाउंटेंट (बिजी) साफ्टवेयर जानकार और सुपरवाइजर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- अग्रसेन चौक कल्याण ज्वेलर्स के सामने बिलासपुर कॉल करें 6293077177, इंटरव्यू समय दोपहर 1बजे से 4बजे तक (41582)

आवश्यकता है-जिला स्तरीय कंपनी भर्ती पद- फॉरेस्ट गार्ड, क्लर्क, वन पाल, चपरासी, हेतु 10वी, 12वी पास लड़के लड़कियां, उम्र- 18-42 सैलरी- 26500 -42500 आवेदन हेतु मार्क सीट, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो व्हाट्सएप/ कॉल करे- 9005465772 (118)

आवश्यकता है- होटल में कार्य करने हेतु होटल स्टॉफ की आवश्यकता है। सैलरी 10000 से 40000 तक सम्पर्क करें होटल रॉयल रामा, पुराना बस स्टैण्ड के पास टेलीफोन एक्सचेंज रोड बिलासपुर 9893392495 (41572)

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित पुस्तक दुकान में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 98271-16257 (41564)

आवश्यकता है- स्टॉक पैकिंग और डिस्पेचिंग हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मीनाक्षी स्टील एजेन्सी पुराना हाईकोर्ट के सामने बिलासपुर 96699 16000 (41561)

आवश्यकता है-नर्सिंग होम में कार्य करने के लिए ट्रेण्ड नर्स एवं कम्पाउंडर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जय अम्बे होम रिंग रोड नम्बर-2 महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 99819 70853 (41535)

आवश्यकता है- सोलर पेंनल की मार्केटिंग एवं सेल्स के लिए सेल्समेन एवं एजेंट की आवश्यकता है संपर्क- रितेश ट्रेडर्स सोलर सीएलसी प्लाजा रतन लस्सी के ऊपर मंगला चौक बिलासपुर 9438283438 (41562)

आवश्यकता है- थोक पुस्तक दुकान में मेहनती काम करने हेतु युवक चाहिए। जिसके पास ड्राइविंग लाइसेंस हो। समय सुबह 10बजे से रात्रि 10बजे तक वेतन 9000 पता- देवांगन बुक स्टाल E-15 सिटी सेन्टर, कॉम्प्लेक्स, मारुति कार शोरूम, शिव टॉकीज रोड, बिलासपुर 62622 27355 (41537)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल्स दुकान में काम करने हेतु मेहनती युवतियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- प्रकाश इन्टरप्राइजेस सरजू बगीचा रोड तेलीपारा बिलासपुर 9329955344 (41559)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने, सामान पैक करने, लाने लेजाने हेतु डिलीवरी ब्वाय चाहिए योग्यता 10वीं, वेतन 9000-10000 पता- मातुश्री ट्रेडिंग कम्पनी वेस्ट साइड शोरूम के बाजू, व्यापार विहार रोड बिलासपुर (41565)

आवश्यकता है- अनुभवी कम्प्यूटर स्टाफ (Female) दो पद की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- अर्पण शुगर क्लीनिक, होम गार्ड ऑफिस के सामने कुदुदण्ड बिलासपुर 9827492030, 84353 60206 (41569)

आवश्यकता है- कैफे में कार्य हेतु युवक/ युवती की आवश्यकता है। वेतन 6500 से 8000 सम्पर्क करें- 12बजे के बाद ब्रूबेरी कैफे एंबियन्स बिजनेस पार्क, सीएमडी कॉलेज के सामने बिलासपुर 7987926453, 07752490692 (41566)

आवश्यकता है- साड़ी एवं रेडीमेड दुकान में काम करने हेतु अनुभवी लड़कियों एवं लड़को की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- शिव क्लॉथ स्टोर बिलासा चौक शनिचरी बाजार बिलासपुर 98279 16580, 9827887934 (41567)

Advertisement Booking Time 10.30 AM To 4.00 PM

आवश्यकता है- दवाई दुकान में ड्राइवर कि आवश्यकता है जो ऑटोमैटिक Desire और WagonR चला सके सम्पर्क करें- 9893285943, 9229858916 (41573)

आवश्यकता है-यश सुपर बाजार में बीजी साफ्टवेयर अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर एवं सेल्समैन की आवश्यकता है। वेतन- 10000 से प्रारम्भ सम्पर्क करें- हरिभूमि के पास गौरव पथ, रिंग रोड नं.-2, बिलासपुर (41557)

बेचना है

बेचना है-(1) चिल्हाटी मोपका 36 एवं 50 डिसमिल 30फिट चौड़ी रोड प्रीकास्ट बाउंड्री सहित (2) भारतीय नगर माधौ तालाब पास 1100 वर्गफीट (3) भारतीय नगर अयप्पा मन्दिर के पास प्लांट 1400 वर्गफीट (4) कड़ार नेशनल हाईवे से लगा प्लाट 70 डिसमिल 300 फीट फ्रंट (5) पेंड्रीडीह बोड़सरा में 19 डिसमिल प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- 9479169997 (41560)

बेचना है-2BHK फ्लैट चतुर्थ फ्लोर पर फालसिलिंग सहित 25 लाख में उसलापुर ओवरब्रिज से पहले शुभम विहार डामर मेन रोड से 200मी. बटरफ़्लाई अपार्टमेंट में सम्पर्क-JBS infra-homes construction हेमूनगर मुर्राभट्टा तोरवा 9300000195 (41539)

बेचना है-2BHK फ्लैट तृतीय फ्लोर, 27 लाख लिफ्ट पार्किंग हेमू नगर, साई मंदिर के पास पाम अपार्टमेंट में डामर मेन रोड से 300मी. सम्पर्क-JBS infr-homes construction हेमू नगर मुर्राभट्टा तोरवा 93000 00195 (41538)

किराया

किराया- रूम किराये से देना है गर्ल्स रूम, सीएमडी कॉलेज के पास विद्यानगर शिव मंदिर के पास बिलासपुर में सम्पर्क करें- 93012 61901, 9340651090 (41585)

किराया- 2BHK सर्व सुविधा युक्त फ्लैट सेकेण्ड फ्लोर अजीत अपार्टमेन्ट करबला बिलासपुर में फैमली को किराये से देना है। सम्पर्क करें- 9425236552, 8319983690 (41571)

किराया- किराए पर फर्निश्ड ऑफिस उपलब्ध नेहरू चौक के पास, वृंदावन प्लाजा में 210 वर्गफुट किराया 27000/- माह प्रथमतल मेनरोड फेसिंग AC, केबिन, फॉल्स सीलिंग, प्रीमियम लाइटिंग, पर्दे सम्पर्क- 9098522711, 7004692389 (41568)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Medicare Specialists
गुप्त रोगी स्वयं मिले
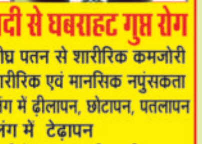
शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढ़ीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पेशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि
समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
- हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

अब बदलेगा टीम इंडिया का फिटनेस सिस्टम, 10 मिनट में 2 किमी दौड़ना जरूरी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों के लिए फिटनेस टेस्ट पास करना अब पहले से ज्यादा मुश्किल हो गया है। आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर टीम के खराब प्रदर्शन के बाद बीसीसीआई ने फिटनेस पैरमीटर्स को ज्यादा चैलेंजिंग बनाने का फैसला किया है। भारतीय खिलाड़ियों को अपनी फिटनेस साबित करने के लिए दो तरह के टेस्ट से गुजरना होता है।

इनमें एक ब्रोंको टेस्ट और दूसरा 2 किलोमीटर की दौड़ है। ब्रोंको टेस्ट के लिए पहले 6 मिनट का समय मिलता था। अब इसे 5 मिनट 15 सेकेंड से लेकर 5 मिनट 20 सेकेंड में पूरा करना होगा। इसके ठीक बाद 2 किलोमीटर की दौड़ 9 से 10 मिनट में पूरी करनी होगी।

समय में 40 सेकेंड तक की कमी की गई

ब्रोंको टेस्ट में पांच सेट होते हैं। हर सेट में खिलाड़ियों को 20 मीटर अप-डाउन, 40 मीटर अप-डाउन और 60 मीटर अप-डाउन की दौड़ लगानी होती है। यानी एक सेट में कुल 240 मीटर दौड़ना होता है। पूरे टेस्ट में इस तरह के पांच सेट लगाने होते हैं। सेट के बीच कोई ब्रेक नहीं होता। पहले पूरे टेस्ट के लिए 6 मिनट का समय था। अब इसमें 40 सेकेंड तक की कमी की गई है।

पहले यो-यो टेस्ट टीम इंडिया के लिए फिटनेस का बड़ा पैमाना था

पहले यह स्टैंड अलोन टेस्ट था

ब्रोंको टेस्ट के अलावा खिलाड़ियों को 2 किलोमीटर की रनिंग भी करनी होती है। पहले यह स्टैंड अलोन टेस्ट था। यानी इसे ब्रोंको के साथ नहीं लिया जाता था। पुराने नियम के तहत फास्ट बॉलर्स को 8 मिनट 15 सेकेंड में 2 किलोमीटर दौड़ना होता था। बाकी खिलाड़ियों के लिए 8 मिनट 30 सेकेंड का समय निर्धारित था।

ब्रोंको टेस्ट के ठीक बाद 2 किमी की रनिंग

अब 2 किलोमीटर की रनिंग ब्रोंको टेस्ट के ठीक बाद करनी होगी। समय में कुछ रियायत दी गई है। खिलाड़ी 2 किलोमीटर की दौड़ 9 से 10 मिनट में पूरी कर सकते हैं। दोनों टेस्ट बैक टु बैक होंगे, लिहाजा खिलाड़ियों के लिए यह पहले से ज्यादा चैलेंजिंग है।

बार-बार इंजरी पर फिजियो से जवाब-तलब

खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने और इंग्लैंड के अनुकूल मौसम में भी मांसपेशियों में खिंचाव यानी क्रैम्प्स की शिकायतों के बाद बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया और टीम मैनेजमेंट ने टीम के फिजियो कमलेश जैन से जवाब-तलब किया है। उन्हें साफ कहा गया है कि किसी भी खिलाड़ी के कद या स्टार स्टेटस की परवाह किए बिना फिटनेस में कमी दिखे तो उसकी तुरंत जानकारी दें। मैनेजमेंट का मानना है कि कई खिलाड़ियों की मैदान पर मोबिलिटी घटी है और लंबे समय तक बल्लेबाजी के दौरान सीनियर बल्लेबाजों को दौड़कर रन लेने में परेशानी हो रही है।

बुमराह श्रीलंका टेस्ट सीरीज से बाहर

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) और टीम मैनेजमेंट के बीच तालमेल की कमी भी सामने आई है। बुमराह को 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज के पहले मैच तक फिट करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन सीओई ऐसा नहीं कर सका। वहीं सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले खिलाड़ियों को नए फिटनेस पैरामीटर्स की जानकारी भी देर से मिली। मोहम्मद सिराज जब श्रीलंका दौरे से पहले सीओई पहुंचे तो अचानक ब्रोंको और 2किमी टेस्ट कराए जाने से हैरान रह गए। अब गैर-टेस्ट खिलाड़ियों को भी इन्हीं नए मानकों के अनुसार तैयारी करने के लिए कहा गया है।

खबर संक्षेप

विश्व एथलेटिक्स अंडर 20 के फाइनल में तीन भारतीय

यूजीन। भालाफेंक खिलाड़ी आशीष यादव और टी धरणीधरन के साथ चक्काफेंक खिलाड़ी अमानत कम्बोज ने विश्व एथलेटिक्स अंडर 20 चैम्पियनशिप के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करके फाइनल के लिये क्वालीफाई कर लिया। यादव पुरूषों के भालाफेंक ग्रुप ए क्वालीफिकेशन दौर में 69 . 87 मीटर के थ्रो के साथ शीर्ष पर रहे और कुल दूसरा स्थान हासिल किया । दक्षिण अफ्रीका के जान हेंडरिक हेमैंस 76 . 02 मीटर के थ्रो के साथ शीर्ष पर रहे । धरणीधरन 68 . 07 मीटर का थ्रो फेंककर बारहवें और आखिरी स्थान पर रहे और फाइनल में जगह बनाई। भारतीय सुपरस्टार नीरज चोपड़ा के नाम इस स्पर्धा का विश्व रिकॉर्ड है जिन्होंने 2016 में पोलैंड में 86 . 48 मीटर का थ्रो फेंका था। महिलाओं के चक्काफेंक में अमानत ने ग्रुप ए में 52 . 58 मीटर का थ्रो फेंककर छठा स्थान हासिल किया और कुल 12वें स्थान पर रहे । चीन की सू यिशिन 58 . 06 मीटर के थ्रो के साथ शीर्ष रही ।

बोडोलैंड एफसी ने एफसी वन को 3-0 से हराया

गुवाहाटी। बोडोलैंड एफसी ने शुरूआती मैच में नॉर्थईस्ट यूनाईटेड के हाथों मिली हार के बाद वापसी करते हुए बृहस्पतिवार को यहां

डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप एफ मुकाबले में एफसी वन पर 3-0 की शानदार जीत दर्ज की। इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में बोडोलैंड एफसी के लिए तीनों गोल दूसरे हाफ में हुए। रोबिन्सन रेंडन ने 57वें मिनट में, रितुराज मोहन ने 78वें मिनट में और आरोन थापा ने 82वें मिनट में गोल दागे।

मेस्सी के दो गोल से इंटर मियामी जीता

मियामी। लियोनेल मेस्सी ने विश्व कप के बाद पहले दो गोल किये जिसकी मदद से इंटर मियामी ने लीग्स कप में एटलेटिको सान लुईस को 4-2 से हराया । बिजली कड़कने और बारिश के कारण दूसरे हाफ में मैच 30 मिनट के लिये रोकना पड़ा । मेस्सी ने 11वें और 44वें मिनट में गोल किये। उनके अब लीग्स कप में 12 मैचों में 14 गोल हो गए हैं । टेलास्को सेगोविया और डिफेंडर माइकल ने भी गोल दागे ।विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले मेस्सी अर्जेंटीना को फाइनल तक ले गए थे लेकिन स्पेन ने 1-0 से हराकर लगातार दूसरा खिताब जीतने का उनका सपना तोड़ दिया। मेस्सी का विश्व कप के बाद यह दूसरा मैच था । 39 बरस के मेस्सी शनिवार को कोलंबस क्रू के खिलाफ ड्रॉ रहे मैच में 37 मिनट स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर खेले थे ।

आज से श्रीलंका एकादश के खिलाफ तीन दिवसीय मुकाबला

फिरकी के खिलाफ खुद को परखेंगे भारतीय बल्लेबाज

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

भारतीय बल्लेबाज अगले सप्ताह श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले शुक्रवार को 'नॉनडिस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब' मैदान पर श्रीलंका एकादश के विरुद्ध खेले जाने वाले तीन दिवसीय अभ्यास मैच में स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अपनी तैयारियों को पुख्ता कोशिश करेंगे।

हाल के दिनों में घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखलाओं में भारतीय बल्लेबाजों की सबसे बड़ी कमजोरी बेहतर स्पिन गेंदबाजी के सामने उजागर हुई थी। श्रीलंका के खिलाफ भी परिस्थितियां कुछ अलग नहीं होंगी। श्रीलंका के पास विशेष रूप से घरेलू परिस्थितियों में प्रभावी स्पिन आक्रमण है। ऐसे में 15 अगस्त से गॉल में खेले जाने वाले पहले टेस्ट से पहले यह अभ्यास मैच भारतीय बल्लेबाजों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हमारे पास हर चुनौती का जबाव तैयार होना चाहिए

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी खिलाड़ियों को हर पहलू पर पूरी तैयारी करने का संदेश दिया। उन्होंने बीसीसीआई की ओर से जारी वीडियो में कहा, ''हमें पता है कि हमारे सामने क्या चुनौती है। हम भरपूर अभ्यास कर सकते हैं, अपनी क्षमता की सीमाओं को आगे बढ़ा सकते हैं, हर तैयारी पूरी कर सकते हैं और 15 अगस्त की सुबह, चाहे हम पहले बल्लेबाजी करें या गेंदबाजी, हमारे पास हर चुनौती का जवाब तैयार होना चाहिए। इसलिए अभी से हर पहलू पर पूरी तैयारी सुनिश्चित करें।''

खिलाड़ियों को तालमेल बैठाने का अवसर मिलेगा

कप्तान शुभमन गिल, लोकेश राहुल और यशस्वी जायसवाल जैसे प्रमुख बल्लेबाज श्रीलंका रवाना होने से पहले अपने-अपने घरेलू अभ्यास केंद्रों पर स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अभ्यास कर चुके हैं, लेकिन श्रीलंकाई पिचों पर मैच जैसी परिस्थितियों में खेलने का अनुभव उससे कहीं अधिक उपयोगी होगा। यह तीन दिवसीय मुकाबला खिलाड़ियों को स्थानीय परिस्थितियों से तालमेल बैठाने का अवसर देगा।

टीम के कई खिलाड़ी पहली बार लाल गेंद से खेलेंगे

टीम के कई खिलाड़ी पहली बार श्रीलंका में लाल गेंद के क्रिकेट में उतरेंगे। भारत ने पिछली बार 2017 में श्रीलंका में टेस्ट श्रृंखला खेली थी और तब से टीम में बड़े बदलाव आ चुके हैं। मौजूदा भारतीय टीम में केवल लोकेश राहुल, कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा को ही श्रीलंका में टेस्ट खेलने का अनुभव है।

टीमें इस प्रकार हैं

भारतः शुभमन गिल (कप्तान), लोकेश राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुतार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन, आकिब नबी।

श्रीलंका एकादश : निशान मधुष्का, रविंदु रशनथा, पसिंदु सूरियाबंदर, पवन रतनायके, अहान विक्रमसिंघे, सोनल दिनुषा (कप्तान), अंजला बंडारा (विकेटकीपर), निपुन दनंजय, लाहिरू कुमारा, विश्वा फर्नांडो, असंका मनोज, इसिथा विजेसुंदरा, रमेश मेंडिस, केसारा नुवंथा, दिलुम सुदीरा।
मैच भारतीय समयानुसार सुबह 10 बजे शुरू होगा।

मुकाबला 19 को

हॉकी विश्व कप में भारत को ड्रॉ पर रोक सकता है पाक

एजेंसी ▶▶| लाहौर

पाकिस्तान हॉकी टीम के मुख्य चयनकर्ता समीउल्लाह खान ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी टीम 19 अगस्त को होने वाले एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत को ड्रॉ पर रोक सकती है।

खान ने कहा कि बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले इस टूर्नामेंट में पहले दौर के पूल चरण से आगे बढ़ने के लिए यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण होगा। पाकिस्तान ने बुधवार को विश्व कप (15 से 30 अगस्त) के लिए 20 सदस्यीय टीम की घोषणा की। टीम आठ साल बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही है। समीउल्लाह ने कहा, ''व्यावहारिक रूप से भारत को कम से कम ड्रॉ पर रोकना हमारे लिए अहम होगा। हमारे पास वेल्स को हराने की क्षमता है लेकिन सबसे मुश्किल प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड होगा जिसकी रैंकिंग काफी ऊंची है। वहीं एफआईएच रैंकिंग में हम फिलहाल 12वें स्थान पर हैं।''पाकिस्तान के पूर्व कप्तान समीउल्लाह ने बताया कि टीम निदेशक और मुख्य कोच हरमन क्रूइस सीधे नीदरलैंड में टीम से जुड़ेंगे जहां वह टूर्नामेंट से पहले की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने क्रूइस की सहायता के लिए दो विदेशी कोच बॉब जोहान वेल्डहॉफ और क्रिस्टोफर बोवेन को भी शामिल किया है।

भारत भी पाक के ग्रुप में शामिल

समीउल्लाह के अनुसार टीम का चयन राष्ट्रीय चयनकर्ताओं और हाल में नियुक्त विदेशी कोचिंग स्टाफ ने मिलकर किया है। भारत भी पाकिस्तान के ग्रुप में शामिल है और समीउल्लाह को भरोसा है कि उनकी टीम भारत को ड्रॉ पर रोक सकती है। पूल डी में इंग्लैंड और वेल्स अन्य टीमें हैं। पाकिस्तान अपने अभियान की शुरुआत 15 अगस्त को नीदरलैंड के एम्सटेलवीन में इंग्लैंड के खिलाफ करेगा।

चानू जूनियर एशिया कप में भारतीय महिला हॉकी टीम की बनी कप्तान

नई दिल्ली। मिडफील्डर खाइदेम शैलेमा चानू चीन के मोकी में 30 अगस्त से 13 सितंबर तक होने वाले जूनियर एशिया कप में भारत की 18 सदस्यीय जूनियर महिला टीम की कप्तानी करेंगी। टूर्नामेंट की तैयारी के लिये भारतीय टीम हाल ही में ब्रिटेन के दौरे से लौटी है । एशिया कप में मैचों का कार्यक्रम और पूल की जानकारी टूर्नामेंट शुरू होने के आसपास दी जायेगी । मुख्य कोच टिम व्हाइट ने कहा, ''इन युवा खिलाड़ियों ने टीम में जगह बनाने के लिये जो प्रतिबद्धता और दृढता दिखाई है, मुझे उस पर गर्व है । पिछले कुछ महीने में उन्होंने लगातार काम किया है और खेल के हर पहलू में सुधार किया है ।''

टीम : गोलकीपर : निधि, एंजिल हर्षा रानी मिंज
डिफेंडर : पूजा साहू, सुप्रिया, पूजा मलिक, पार्वती टोप्नो, मधु
मिडफील्डर : खाइदेम शैलेमा चानू (कप्तान), तनुजा टोप्पो, बिनिमा धन, रोशनी इंद , गीता यादव
फॉरवर्ड : लालरिंपुइ, पूर्णिमा यादव, सुखवीर कौर, कृष्णा शर्मा, सानिका माने, मधु सिदार
रिजर्व : एफ लालबियाक्सियामी, तनुश्री काढु ।

इंग्लैंड पाकिस्तान के खिलाफ तीन टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलेगी

इंग्लैंड की टीम में लॉरेंस, कार्स पोप और कुक की हुई वापसी

एजेंसी ▶▶| लंदन

इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन टेस्ट मैच की आगामी श्रृंखला के पहले मुकाबले के लिए डैन लॉरेंस को दो साल बाद टीम में वापसी का मौका दिया है जबकि जैकब बेथेल दाहिने घुटने की चोट के कारण पूरी श्रृंखला से बाहर हो गए हैं।

बेन स्टोक्स के संन्यास लेने के बाद के दौर की शुरुआत 19 अगस्त से लीड्स में होगी और सरे के बल्लेबाजी ऑलराउंडर लॉरेंस को पूर्व टेस्ट कप्तान की जगह लेने की बड़ी जिम्मेदारी संभालने का पहला मौका मिलेगा। लॉरेंस के छठे

नंबर पर बल्लेबाजी करने की संभावना है जबकि विकेटकीपर जेमी स्मिथ उनसे एक स्थान नीचे उतर सकते हैं। बेथेल की अनुपस्थिति ने जोर्डन कॉक्स के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने का रास्ता खोल दिया है। कॉक्स भी चोट के कारण जून में ही न्यूजीलैंड के खिलाफ द ओवल में टेस्ट पदार्पण कर पाए थे जहां उन्हें सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करनी पड़ी थी। तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स दाहिने हाथ की चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ 1-2 से गंवाई श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे। उन्हें इंग्लैंड की 16 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है।

पाक ने विंडीज को हरा विदेशी जमीं पर हार का सिलसिला किया खत्म

पोर्ट ऑफ स्पेन। पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हरा दिया है। चौथी पारी में पाक टीम को सिर्फ 74 रनों का लक्ष्य मिला था, जिसे पाकिस्तान ने आसानी से हासिल कर लिया। इसी के साथ 2 टेस्ट मैचों की यह सीरीज एक-एक से ड्रॉ रही। सीरीज चाहे बराबरी पर समाप्त हुई, लेकिन पाकिस्तान ने 1105 दिनों से चले आ रहे हार के सिलसिले का अंत कर दिया है। वेस्टइंडीज की टीम ने पहली पारी में 344 रनों का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में अब्दुल्लाह शफीक के ऐतिहासिक शतक की बदौलत पाकिस्तान पहली पारी में 387 रन बनाकर 43 रनों की बढ़त ले पाया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
महेंद्रगढ़ (हरियाणा) - 123031
NAAC A
विज्ञापन संः CUH/02/R/T/2026 दिनांक: 31.07.2026
रोजगार सूचना
विभिन्न **शैक्षणिक पदों** पर नियुक्ति हेतु पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। ऑनलाइन आवेदनपत्र, विस्तृत विज्ञापन और अन्य विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.cuh.ac.in पर उपलब्ध हैं। इस संबंध में शुद्धिपत्र, परिशिष्ट आदि केवल विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 31.08.2026 तक है।
कुलसचिव

15 अगस्त से पहले गंभीर ने भरा खिलाड़ियों में जोश

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

भारतीय टीम का हाल के वर्षों में घरेलू मैदान पर टेस्ट में प्रदर्शन निराशाजनक रहा है लेकिन मुख्य कोच गौतम गंभीर को उम्मीद है कि 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए उनकी टीम पूरी तरह तैयार रहने के साथ हर चुनौती का जवाब देने में सक्षम रहेगी। अभ्यास सत्र से पहले खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए गंभीर ने टीम में शामिल हुए नए खिलाड़ियों स्पिन गेंदबाजी हरफनमौला सारांश जैन और तेज गेंदबाज आकिब नबी का भी स्वागत किया। सोशल मीडिया पर जारी किया गंभीर ने वीडियो सोशल मीडिया पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा साझा किए गए वीडियो में गंभीर ने कहा,''हम जानते हैं कि हमारे सामने क्या चुनौती है और हम किस लक्ष्य के लिए खेल रहे हैं। हम कड़ी मेहनत

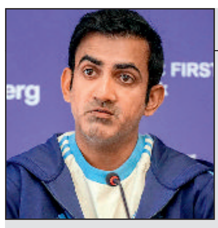

सारांश का किया स्वागत

गंभीर ने सारांश का स्वागत करते हुए कहा, '' सारांश, सबसे पहले तुम्हें बधाई। यहां तक पहुंचने के लिए तुमने काफी मेहनत की है। जब भी तुम्हें देश के लिए खेलने का मौका मिले, यह सुनिश्चित करना कि तुम अपने परिवार और देश का नाम रोशन करो।''

गंभीर ने नबी को दी बधाई

गंभीर ने नबी को बधाई देते हुए कहा, '' आकिब पिछले सत्र तुम्हारा प्रदर्शन शानदार रहा। जम्मू-कश्मीर का रणजी ट्रॉफी जिताना एक बड़ी उपलब्धि है। इसके लिए तुम्हें एक बार फिर बधाई।''

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)
रुचि की अभिव्यक्ति
क्रं.05/न.पा.नि./जल विभाग/2026-27 दिनांक 05/08/2026
एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु दिनांक 25/08/2026 को सायं 5:30 बजे तक रुचि की अभिव्यक्ति स्पीड पोस्ट के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य का नाम	अमानत राशि
1	उच्चस्तरीय जलागरों के सफाई कार्य हेतु स्केफोल्डिंग वर्क।	12000.00

नगर निगम के विभागीय वेबसाईट www.bilaspurnagernigam.com से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।
कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)
Green City, Clean City, Dream City.

homefirst We'll take you home
Home First Finance Company India Limited
CIN: L65990MH2010PLC240703, Website: homefirstindia.com
Phone No.: 18003008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com
धारा 13 (2) के तहत मांग सूचना

आप, निम्नलिखित ऋणधारक, ने अनुसूची में उल्लिखित संपत्ति को गिरवी रखकर ऋण लिया है और आप ही ने ऋण समझौते के लिए ऋणधारक/सह–ऋणधारक/जमानतदार के रूप में कार्य किया है। आपके द्वारा किए गए चूक के परिणामस्वरूप, प्रतिभूतिकरण एवं वित्तीय परिसंपत्तियों का पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (संक्षेप में सरफेसी अधिनियम) के प्रावधानों के तहत **03-08-2026** को आपके ऋण खाते को गैर–निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। हम, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड, ने सरफेसी अधिनियम की धारा 13(2) के साथ धारा 13(13) के तहत आपके द्वारा दिए गए पते पर मांग नोटिस जारी किया है। उक्त नोटिस **03-08-2026** को जारी किए गए हैं और इनमें कहा गया है कि आपने आपको स्वीकृत विभिन्न ऋणों के भुगतान में चूक की है। अत:, वर्तमान प्रकाशन एसएआरएफएईएसआई अधिनियम की धारा 13 (2) के प्रावधान के अनुसार और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3(1) के प्रावधान के अनुसार नोटिस देने के लिए किया गया है:

क्र. सं.	खाता, ऋणधारक(ओं) व जमानतदार(ओं) का नाम और पता	लागू की जाने वाली सुरक्षा का विवरण	मांग नोटिस की तिथि तक कुल बकाया राशि, ब्याज और अन्य व्यय सहित (रुपये में)
1.	अशोक कुमार साहू, हर्ष कुमार साहू	प्लॉट-ख नं.-37/62 भाग मौजा-सैदा महाल नं.7 प.ह.नं.41, रा.नि.मं. अमसेना, विकास खंड तखतपुर तहसील-सकरी, जिला-बिलासपुर, (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495003। चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	10,06,587
2.	मनीष कुमार बघेल, सरिता बघेल	प्लॉट-ख.नं.365/2, मौजा मुढ़ीपार, प.ह.नं. 09, रा.नि.मं. व तहसील बिल्हा, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व- विक्रेता की भूमि, पश्चिम-20 फीट निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता की भूमि, दक्षिण-विक्रेता की भूमि।	9,59,166
3.	मोहन नामदेव, गंगा नामदेव	मकान-126/69, मौजा पत्थरखान, प.ह.नं.30, रा.नि.मं. बिल्हा विकास खंड, तह. बिल्हा व जिला-बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम- नगमा परवीन का प्लॉट, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण- अश्विनी त्रिलोक का प्लॉट।	8,30,654
4.	नीलम खुदशाह, सचिन कुमार खुदशाह	प्लॉट-ख.नं.519/19, मौजा तिलसरा, प.ह.नं.09, रा.नि.मं. बिल्हा, ब्लॉक व तहसील बिल्हा, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-पाल का प्लॉट, उत्तर- बलराम का प्लॉट, दक्षिण- अजय यादव का प्लॉट।	10,51,185

आपको इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को ब्याज और लागत सहित उपर्युक्त राशि का भुगतान करने के लिए कहा जाता है, अन्यथा होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड उक्त अधिनियम के प्रावधानों के तहत उधारकर्ताओं, बंधककर्ताओं और गारंटरों की सभी या किसी एक या अधिक सुरक्षित संपत्तियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करेगी, जिसमें उनकी सुरक्षित संपत्तियों पर कब्जा करना भी शामिल है। उक्त अधिनियम के तहत होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को प्राप्त शक्तियों में शामिल हैं: (1) ऋणधारकों/जमानतदारों की सुरक्षित संपत्तियों पर कब्जा करने की शक्ति, जिसमें सुरक्षित संपत्तियों को मुक्त करने के लिए पट्टे, आवंटन या बिक्री के माध्यम से हस्तांतरण का अधिकार शामिल है; (2) सुरक्षित संपत्तियों का प्रबंधन अपने हाथ में लेना, जिसमें पट्टे, आवंटन या बिक्री के माध्यम से हस्तांतरण का अधिकार शामिल है, और सुरक्षित संपत्तियों को वसूल करना; और होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड द्वारा सुरक्षित संपत्तियों का कोई भी हस्तांतरण, हस्तांतरित सुरक्षित संपत्तियों के सभी अधिकारों और संबंधों में उसी प्रकार निहित होगा जैसे कि हस्तांतरण आपके द्वारा किया गया हो।

उक्त अधिनियम की धारा 13(13) के प्रावधानों के अनुसार, आपको होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड की पूर्व सहमति के बिना, ऊपर उल्लिखित और होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के पास गिरवी रखी गई किसी भी सुरक्षित संपत्ति को बिक्री, पट्टे या अन्य किसी भी तरीके से (आपके व्यवसाय के सामान्य संचालन के अलावा) हस्तांतरित करने से प्रतिबंधित किया जाता है।

स्थान: बिलासपुर
दिनांक: 07-08-2026
हस्ताक्षरकर्ता: अधिकृत अधिकारी, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

06- AUG- K&C- MAIN- Pg- 12 SARA SANSAR_Layout 1 8/6/2026 11:52 PM Page 1

इस प्रसिद्ध मंदिर में 300 साल से जल रही अखंड ज्योति

अलवर। सावन में भगवान शिव की पूजा का कीफा महत्व है। देश में भगवान शंकर के कई दिनों हैं। इन मंदिरों में कई बेहद चमत्कारी और रहस्यमयी माने जाते हैं। एक ऐसा ही भगवान शिव का मंदिर राजस्थान के अलवर में है। यहां पर भगवान दिन में तीन बार रूप बदलते हैं। सबसे खास बात यह है कि मंदिर में 300 साल से माता पार्वती और भगवान शिव के रूप में दो ज्योति लगातार जल रही है। यहां पर देश के अलग-अलग राज्यों व शहरों से लोग बड़ी सख्या भगवान के दर्शन और पूजा के लिए आते हैं। अलवर में स्थित ऐतिहासिक मंदिर का नाम श्रीत्रिपोलिया महादेव है। यहां सावन में भक्तों का जनसैलाब उमड़ता है। श्री त्रिपोलिया महादेव मंदिर करीब 300 साल पुराना है, जो अलवर सिंह द्वार पर स्थित है। यह प्राचीन शिवालय सिर्फ एक मंदिर नहीं, बल्कि अलवर की धार्मिक पहचान है। यहां पर नर्मदेश्वर शिवलिंग विराजमान है, जिसका दिन में तीन बार रंग बदलता है। यह श्रद्धालुओं के लिए एक दिव्य चमत्कार की तरह है। मंदिर स्थापना के समय से यहां पर अखंड ज्योत जलती आ रही है। रियासत काल में राजा-महाराजाओं ने करीब 300 साल पहले इस मंदिर की स्थापना कराई थी। बताया है कि मंदिर में रोजाना अलग-अलग रूप में झांकियां सजाई जाती हैं। हर दिन सैकड़ों की संख्या में भक्त भगवान शिव के दर्शन के लिए आते हैं। बताया जाता है कि आसपास के दुकानदार मंदिर के बाहर स्थित गोमुख से जल लेकर अपनी दुकान पर छिड़काव करते हैं और फिर अपने काम की शुरुआत करते हैं। यह मंदिर बेहद चमत्कारिक माना जाता है। सावन आते ही मंदिर भक्तों की संख्या बढ़ जाती है।

रोचक खबरें

जापान के 10 साल के छात्र ने रचा इतिहास तितलियों की याद्दाश्त पर किया रिसर्च

टोक्यो। स्कूल के छात्र पढ़ाई के बाद अपना समय आमतौर पर खेलने या टीवी देखने में बिताते हैं। वहीं, जापान के कोबे में रहने वाले सिर्फ दस साल के जो नगाई ने अपना खाली समय स्वैलोटेल तितलियों को पाल-पोसकर बड़ा करने में बिताया। पंखों के किनारों पर बने चमकीले डॉट वाली एशियन स्वैलोटेल तितलियों की देखभाल करते समय उसने इनका एक प्यारा व्यवहार देखा। जब वह उन्हें खुले में छोड़ता तो तितलियां थोड़ी देर हवा में मंडरातीं और उसके पास वापस आ जातीं। इस बात ने लड़के के मन में सवाल जगाया कि क्या तितलियां उसे पहचानती हैं। इस सवाल के जवाब में नगाई ने ऐसी रिसर्च कर डाली, जिसने दुनियाभर के विशेषज्ञों का ध्यान खींचा है। जो नगाई ने इस पर वैज्ञानिक स्टडी खोजना शुरू किया। उसे पता चला कि जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी की मशहूर कीट-वैज्ञानिक (एंटोमोलॉजिस्ट) डॉक्टर मार्था वीस ने सबसे पहले इस बात पर स्टडी की थी कि क्या मॉथ (पतंगे) अपने कैटरपिलर दिनों की यादें बनाए रख सकते हैं। उसने अपने सवालों के साथ वीस को एक लंबा मेल कर दिया। डॉक्टर वीस ने कम उम्र में जो नगाई की समझदारी वाली उत्सुकता से खुश होकर उन्होंने जवाब लिखा। जल्द ही उन्होंने अलग-अलग महाद्वीपों के बीच वैज्ञानिक मेंटरशिप शुरू कर दी।

चीन ने दिखाई दुनिया की सबसे खतरनाक हाइपरसोनिक मिसाइल!

बीजिंग। मिसाइल टेक्नोलॉजी के इतिहास में एक नया युग शुरू हो चुका है, और इसकी शुरुआत चीन से हुआ है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी यानी पीएलए की 99वीं वर्षगांठ पर चीन ने अपनी उस हाइपरसोनिक मिसाइल डीएफ-17 का नया फुटेज जारी किया है, जो किसी भी दूसरे देश को परेशान कर सकती है।चीन की इस डीएफ -17 हाइपरसोनिक मिसाइल सिस्टम की नई फुटेज में कम से कम छह लॉन्च व्हीकल एक साथ दिखाई दे रहे हैं। इससे साफ संकेत मिलता है कि यह मिसाइल अब पीएलए रॉकेट फोर्स में बड़े पैमाने पर तैनात की जा चुकी है। चीनी सैन्य मामलों के एक्सपर्ट झांग जुनशे ने सरकारी समाचार पत्र ग्लोबल टाइम्स को बताया कि डीएफ-17 चीन की मिसाइल शक्ति का एक अहम हिस्सा है और यह एडवांस एयर-डिफेंस ऑपरेशन्स को पूरी तरह से नया आकार दे सकती है। डोंग फेंग-17 यानी डीएफ -17 चीन में विकसित एक मीडियम-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल है।नार्मल बैलिस्टिक री-एंट्री व्हीकल के बजाय इसमें हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल लगाया गया है। नार्मल बैलिस्टिक मिसाइलें एक तय और अनुमानित रास्ते पर चलती हैं। वहीं, डीएफ -17 सबसे पहले अपने ग्लाइड व्हीकल को ज्यादा ऊंचाई तक ले जाती है। वहां से अलग होकर ग्लाइड व्हीकल हवा में दांव-पेंच बदलते हुए मैक 5 यानी ध्वनि की रफ्तार से 5 गुना तेज या उससे भी ज्यादा रफ्तार से सीधे अपने टारगेट की तरफ बढ़ती है। अपनी अत्यधिक तेज रफ्तार और हवा में दिशा बदलने की क्षमता के कारण इसे वर्तमान मिसाइल डिफेंस सिस्टम्स द्वारा डिटेक्ट करना, ट्रैक करना और इंटरसेप्ट यानी हवा में मार गिराना बहुत मुश्किल हो जाता है।

धूप पड़ते ही हीरों की तरह जगमगाता है ये समुद्र तट

एजेंसी ▶▶| मॉस्को

दुनियाभर में एक से बढ़कर एक समुद्र तट हैं, जिनमें से कोई अपनी सफेद रेत के लिए तो कोई नीले पानी के लिए जाना जाता है। लेकिन, रूस में एक ऐसा बीच है, जिसकी चमक आंखों को चौंधिया देती है। रूस के व्लादिवोस्तोक शहर से महज 30 मिनट की दूरी पर स्थित उसूरी खाड़ी का तट आज दुनिया भर के पर्यटकों के लिए एक अद्भुत आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस जादुई बीच को स्थानीय रूप से स्टेकल्याश्का या ग्लास बीच के नाम से जाना जाता है। यहां रेत दिखाई ही नहीं देती। चारों ओर सिर्फ रंग-बिरंगे शीशे फैले है। पहली नजर में देखने पर ऐसा लगता है, जैसे किसी ने किनारे पर करोड़ों कीमती और रंग-बिरंगे नगीने बिखेर दिए हों, लेकिन इसके पीछे की कहानी प्रकृति की अद्भुत कारीगरी का एक अनोखा उदाहरण है।

सोवियत काल के दौरान इस तटीय क्षेत्र का इस्तेमाल एक डंपिंग यार्ड की तरह किया जाता था। पास की एक चीनी मिट्टी और कांच की फैक्ट्री बेकार कांच की बोतलों और चीनी मिट्टी के बर्तनों को यहीं फेंक देती थी। तो एक अन्य मान्यता के अनुसार, कांच के इस कचरे को नदियों द्वारा बहाकर समुद्र में लाया गया था। ऐसे में दशकों तक इस कचरे के कारण यह तट बेहद खतरनाक माना जाता था और लोग यहां जाने से कतराते थे। हालांकि, समय के साथ कुदरत ने अपना काम शुरू किया। प्रशांत महासागर की तूफानी लहरों, तेज हवाओं और पानी के थपेड़ों ने दशकों तक कांच के इन नुकीले टुकड़ों को आपस में रगड़ा और तराशा। लहरों के इस निरंतर प्रभाव से कांच के तीखे कोने घिसकर पूरी तरह से चिकने, गोल और हानिरहित पत्थरों में बदल गए। धूप खिलने पर ये कांच के टुकड़े मोमबत्ती और रंग-बिरंगे हीरों की तरह जगमगाते हैं।

सदा के लिए नहीं रहेगा यह अनूठा दृश्य

वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों का मानना है कि प्रकृति की यह छंटाई और सफाई प्रक्रिया एक जीवंत प्रमाण है। ऐसा ही एक और प्रसिद्ध उदाहरण अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित फोर्ट ब्रैग के मैककेरिचर स्टेट पार्क में भी देखने को मिलता है, जहां 20वीं सदी के मध्य में प्रशांत महासागर की लहरों ने तटीय इलाके को खूबसूरत 'सी-ग्लास बीच' में बदल दिया था। एक्सपर्ट की मानें तो उसूरी खाड़ी का यह अनूठा दृश्य सदा के लिए नहीं रहेगा। आने वाले दशकों में महासागर की लहरें इन कांच के टुकड़ों को इतना घिस देंगी कि ये पूरी तरह से साधारण रेत के कणों में तब्दील हो जाएंगे। दुनिया भर से लाखों पर्यटक इस जादुई नजारे को अपनी आंखों से देखने और इस प्राकृतिक अजूबे को महसूस करने के लिए रूस के इस अनोखे बीच पर पहुंचते है।

रहस्यमयी शहर, जहां 44 सालों से नहीं रहता कोई इंसान

फिर हर रात कौन जलाता है स्ट्रीट लाइट?

एजेंसी ▶▶| ओटावा

दुनियाभर में कई ऐसे छोटे शहर और गांव हैं, जहां अब कोई नहीं रहता है। वीरान होने की वजह से इन जगहों को भूतिया शहर का दर्जा मिल जाता है। जब भी कोई ऐसी जगहों के बारे में बात करता है, तो दिमाग में टूटती-फूटती इमारतें, धूल से सने फर्श और घास-फूस से घिरी जगह की तस्वीर उभरती है। लेकिन, कनाडा में ब्रिटिश कोलंबिया के समंदर किनारे एक ऐसा रहस्यमयी शहर मौजूद है, जो इस सोच को झुठला देता है। हम बात कर रहे हैं कितसॉल्ट की, जहां पिछले 44 सालों से कोई नहीं रहता है। लेकिन, इस शहर में चमचमाते मकान, शॉपिंग सेंटर, बैंक, रेस्टोरेंट, अस्पताल और थिएटर सब कुछ मौजूद है। सड़कें एकदम चकाचक हैं, गार्डन की घास कटी हुई है और रात होते ही पूरे शहर की सड़कों पर स्ट्रीट लाइटें अपने आप जगमगाने लगती हैं। लेकिन सवाल यह उठता है कि जब यहां कोई रहता नहीं, तो ये लाइटें रात में आखिर कैसे घरों और सड़कों को रौशन करती हैं? इसका जवाब देने से पहले हम आपको इस शहर के इतिहास के बारे में बता देते हैं। दरअसल, अमेरिका की एक बड़ी माइनिंग कंपनी ने मोलिब्डेनम नाम की एक धातु के खनन के लिए जंगलों और पहाड़ों के बीच 1979 में इस हाई-टेक शहर को रातों-रात बसाया था।

खदानों को रातों-रात बंद करना पड़ा

घाटा इतना बढ़ गया कि खदानों को रातों-रात बंद करना पड़ा। काम बंद होते ही यहां रहने वाले लोग धीरे-धीरे शहर छोड़कर चले गए और साल 1982 तक यह पूरा का पूरा शहर खाली हो गया। जिस शहर को बनाने में करोड़ों रुपए खर्च किए गए थे, वह देखते ही देखते वीरान हो गया। इसके बाद साल 2005 में भारतीय मूल के अमेरिकी अरबपति कृष्णन सुथंतिरन की नजर इस खाली पड़े शहर पर पड़ी। उन्होंने इसे लगभग 58 करोड़ रुपए खरीद लिया। तब से लेकर अब तक वे इस शहर की देखभाल पर लगभग 200 करोड़ से अधिक खर्च कर चुके हैं। उन्होंने इस शहर को साफ-सुथरा और नया बनाए रखने के एक टीम तैनात कर रखी है। यह टीम रोजाना यहां की सड़कों की सफाई करती है, घास काटती है और मकानों के रख-रखाव का ध्यान रखती है। कृष्णन सुथंतिरन का प्लान इस रहस्यमयी शहर को आने वाले समय में लिक्विफाइड नेचुरल गैस उद्योग का एक बड़ा केंद्र बनाकर दोबारा जिंदा करने का है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com